हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

रांची, शनिवार, 04 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 308 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट कांड में खुल गई कुंडली, रोहित बेहोश तो अली... | भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगा चुनाव आयोग? | किशमिश में मिलाएं शहद, पाएं दोगुने फायदे

संक्षिप्त खबरें

16 अप्रैल से महिला आरक्षण को लेकर संसद सत्र, 543 से बढ़ाकर 816 लोकसभा सीटें करने पर विचार

नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में 16 अप्रैल से शुरू हो रहे संसद सत्र को अहम माना जा रहा है। सरकार इस दौरान महिला आरक्षण से जुड़े प्रावधानों और परिसीमन की प्रक्रिया पर व्यापक चर्चा कराने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों को बढ़ाकर 816 करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि आरक्षण लागू करने के बाद क्षेत्रीय संतुलन और प्रतिनिधित्व बना रहे। महिला आरक्षण विधेयक के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है। हालांकि, इसके क्रियान्वयन को परिसीमन से जोड़ने को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। दक्षिण भारत के कई क्षेत्रीय दलों को आशंका है कि परिसीमन के बाद सीटों के पुनर्विन्यास से उनके राज्यों का प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। सरकार इन चिंताओं को दूर करने के लिए विभिन्न दलों से संवाद कर रही है। विशेष रूप से कांग्रेस और दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दलों को साथ लाने की कोशिशें तेज हैं, ताकि विधेयक को व्यापक समर्थन मिल सके और इसे सुचारु रूप से लागू किया जा सके।

केंद्र सरकार ने एनसीईआरटी को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) को 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा दिया। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन की सलाह पर शिक्षा मंत्रालय ने 30 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी कर इसकी घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही एनसीईआरटी के पांच रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन और भोपाल में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन डीम्ड यूनिवर्सिटी बन गए हैं। ये यूनिट्स है-
▪ रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, अजमेर, राजस्थान ▪ रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भोपाल, मध्य प्रदेश ▪ रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भुवनेश्वर, ओडिशा ▪ रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, मानसगंगोत्री, मैसूर, कर्नाटक ▪ नॉर्थ ईस्ट रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, शिलांग, मेघालय ▪ पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, भोपाल, मध्य प्रदेश ▪ केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, UGC की सलाह पर, नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) को एक अलग श्रेणी के तहत 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' (मानित विश्वविद्यालय) घोषित करता है।
स्कूल करिकुलम तैयार करने के लिए बनी एनसीईआरटी: एनसीईआरटी एक ऑटोनोमस बॉडी है, जिसे 1 सितंबर 1961 को भारत सरकार ने सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट्स को एकेडमिक और स्कूल से जुड़े मुद्दों पर सलाह देने और गाइड करने के लिए बनाया है।एनसीईआरटी डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने से पहले तक भारत में सर्वोच्च शैक्षणिक निकाय के रूप में काम करती थी।

भारत में गहरा सकता है शक्कर का संकट, खपत से कम उत्पादन और घटते भंडार से बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में चीनी उत्पादन को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है, जहां लगातार दूसरे साल भी देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत की तुलना में कम रहने की संभावना है। गन्ने की कम पैदावार और चीनी मिलों के समय से पहले बंद होने के कारण उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में स्थानीय बाजारों में चीनी की कीमतों में बड़ा उछाल देखा जा सकता है। मुंबई स्थित वैश्विक व्यापार कंपनियों और उद्योग संगठनों के विश्लेषण के अनुसार, इस सीजन में कुल चीनी उत्पादन 2.8 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक होने की उम्मीद नहीं है, जबकि देश की वार्षिक घरेलू मांग लगभग 2.9 करोड़ टन के करीब बनी हुई है। उत्पादन में इस कमी का मुख्य कारण गन्ने की फसल पर मौसम की मार और मिलों का जल्द परिचालन बंद करना है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 35वां दिन

ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी: लिस्ट जारी की

इजराइल-अमेरिका ने कल 3800 करोड़ का ईरानी पुल तबाह किया था

तेल अवीव/तेहरान: ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, UAE, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज, किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं।

इससे पहले गुरुवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के करज शहर में B1 ब्रिज पर दो बार हमला किया था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और पुल पूरी तरह तबाह हो गया। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता था। करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,800 करोड़) खर्च हुए थे।

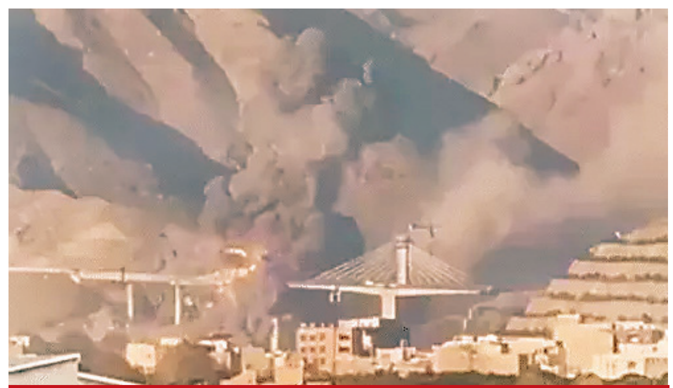

भारत बोला- हम अकेले जिसने होर्मुज में नाविक खोए

ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को एक ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे।

रिपोर्ट: अभी भी ईरान के आधे मिसाइल लॉन्चर सुरक्षित

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की खुफिया एजेंसियों का कहना है कि लगातार हमलों के बावजूद ईरान के अभी भी आधे मिसाइल लॉन्चर सुरक्षित हैं। इसके अलावा ईरान के पास हजारों ड्रोन भी हैं, जिनमें से करीब 50% अभी भी इस्तेमाल के लिए तैयार हैं। यह रिपोर्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे से अलग है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की सैन्य ताकत काफी हद तक खत्म हो चुकी है। वहीं रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा था कि ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले 90% तक कम हो गए हैं।

ईरान की चेतावनी- पूरे इलाके में अमेरिकी ठिकाने तबाह करेंगे

ईरान की सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने उसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले बढ़ाए, तो वह पूरे मिडिल ईस्ट में उनके ठिकानों को निशाना बनाएगा। ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघरी ने कहा- अगर हमारे पुल, बिजली घर या ऊर्जा ढांचे को छुआ, तो हम आपके पूरे क्षेत्र के ठिकाने खत्म कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं उन्हें भी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

एक करोड़ के इनामी माओवादी प्रशांत बोस का हुआ निधन

झारखंड, बिहार समेत कई राज्यों में 200 से अधिक वारदातों का था मास्टरमाइंड

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता और पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस उर्फ 'किशन दा' का शुक्रवार को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में निधन हो गया. 75 वर्षीय बोस की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे जेल से सीधे अस्पताल लाया गया. डॉक्टरों ने उसकी उपचार के प्रयासों के बावजूद जीवन बचाने में असफल रहे. उसकी मौत ने नक्सली गलियारों और सुरक्षा एजेंसियों में हलचल पैदा कर दी है.

अस्पताल में अंतिम समय

सरायकेला जेल में बंद प्रशांत बोस की स्वास्थ्य स्थिति शुक्रवार सुबह गंभीर हो गई. सुबह करीब 6 बजे उसे सांस लेने में कठिनाई हुई और तत्काल कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें रिम्स अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में डॉक्टरों की स्पेशल टीम ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ. सुबह करीब 10 बजे डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी. जेल और अस्पताल प्रशासन ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की है.
प्रशांत बोस को माओवादी संगठन में महासचिव नंबला केशव राव के बाद दूसरा सबसे प्रभावशाली नेता माना जाता था. वे संगठन की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के सदस्य रहे और 'ईस्टर्न रीजनल ब्यूरो' के सचिव भी था. संगठन के भीतर उसे 'किशन दा', 'मनीष' और 'बूढ़ा' के नाम से जाना जाता था. उसका नाम रणनीतिक फैसलों और संगठन की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका के लिए जाना जाता था.

2021 में हुई थी गिरफ्तारी

प्रशांत बोस को 12 नवंबर 2021 को सरायकेला-खरसावां जिले के कांड्रा टोल ब्रिज के पास उसकी पत्नी शीला मरांडी के साथ गिरफ्तार किया गया था. उस समय उनके खिलाफ एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था. सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वह झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में 200 से अधिक नक्सली वारदातों का मास्टरमाइंड था.

असम चुनाव में जेएमएम ने झोंकी ताकत

अधिकारों की लड़ाई में असम भी लिखेगा बदलाव की नई कहानी: हेमंत सोरेन

असम: असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बोरचल्ला विधानसभा क्षेत्र में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी प्रत्याशी अब्दुल मजान के समर्थन में आयोजित एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया. जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि आम जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई है. उन्होंने इस चुनाव को आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकार की लड़ाई बताते हुए कहा कि जैसे झारखंड में बदलाव संभव हुआ, वैसे ही असम में भी परिवर्तन की नई कहानी लिखी जा सकती है.

9 अप्रैल को वोट देने की अपील

सभा में लोगों से आगामी 9 अप्रैल को तीर-धनुष चुनाव चिन्ह पर वोट देने की अपील की गई। कहा गया कि यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि न्याय और सम्मान की लड़ाई है, जिसे मजबूत करना जरूरी है।

बदलाव की उम्मीद

कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि बोरचल्ला की जनता बदलाव के लिए तैयार है और आने वाले चुनाव में इसका असर देखने को मिलेगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बोरचल्ला के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए झामुमो प्रत्याशी अब्दुल मजान को भारी मतों से विजयी बनाएं. उन्होंने विश्वास जताया कि जनता बदलाव के पक्ष में मतदान करेगी और क्षेत्र में एक नई दिशा तय होगी. मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्थानीय मुद्दों जैसे बेरोजगारी, महंगाई और बुनियादी सुविधाओं की कमी को प्रमुखता से उठाया और कहा कि झामुमो इन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करेगा. सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री के संबोधन का जोरदार समर्थन किया और अब्दुल मजान के पक्ष में मतदान करने का संकल्प लिया.

महिलाओं के खातों में चुनाव के समय आर्थिक सहायता देने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यहां की महिलाओं के खाते में नौ-नौ हजार रुपये डाले जा रहे हैं क्या पांच वर्ष के लिए यह पैसा काफी है. यहां की महिलाओं के खाते में हर महीने नौ हजार रुपये क्यों नहीं देती है असम की सरकार. उन्होंने कहा कि पहली बार झामुमो असम में औपचारिक रूप से चुनावी मैदान में उतरी है और तीर-धनुष. चुनाव चिह्न के साथ जनता के बीच अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रही है. उन्होंने झामुमो और असम के रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि यह संबंध नया नहीं है, बल्कि शिबू सोरेन के समय से ही यहां की जनता के साथ जुड़ाव रहा है.

असम की स्थिति पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय बागानों का दौरा करने के दौरान उन्होंने मजदूरों और आदिवासी समाज की दयनीय स्थिति को करीब से देखा. उन्होंने कहा कि जहां देश में विकास के दावे किए जा रहे हैं. वहीं असम के कई क्षेत्रों में आज भी लोगों को बिजली, पानी और पक्के मकान जैसी बुनियादी सुविधाएं नसीब नहीं हैं. उन्होंने यह भी कहा कि असम की अर्थव्यवस्था चाय बागानों पर टिकी है, लेकिन वहां काम करने वाले मजदूरों को आज भी सम्मानजनक मजदूरी नहीं मिलती. यह स्थिति सरकार की नाकामी को दर्शाती है.

झारखंड में उत्पाद विभाग में बड़ा फेरबदल: कई अधिकारियों का तबादला

रांची: झारखंड के प्रशासनिक महकमे से बड़ी खबर सामने आई है. राज्य सरकार ने मद्य एवं उत्पाद विभाग झारखंड में बड़े पैमाने पर तबादले करते हुए नई पोस्टिंग की अधिसूचना जारी कर दी है. इस फेरबदल में सहायक आयुक्त, अधीक्षक और निरीक्षक स्तर के कई अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है. जारी आदेश के अनुसार, गजेंद्र कुमार सिंह को संयुक्त आयुक्त उत्पाद, रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है. वहीं उमाशंकर सिंह को बोकारो से स्थानांतरित कर सहायक आयुक्त उत्पाद, रांची बनाया गया है. इसके अलावा, संजय कुमार मेहता को मुख्यालय से हटाकर बोकारो में सहायक आयुक्त उत्पाद की जिम्मेदारी दी गई है.

जिलों में बड़े स्तर पर फेरबदल

सरकार ने कई जिलों में पदस्थापित अधिकारियों का तबादला किया है.
▪ अरविंद कुजूर को पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) से रामगढ़ भेजा गया है.
▪ अरुण कुमार मिश्र को रांची से पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) स्थानांतरित किया गया है.
▪ सुनील कुमार चौधरी को हजारीबाग में सहायक आयुक्त उत्पाद बनाया गया है.
▪ रामलीला रवानी को धनबाद से हटाकर दुमका (संथाल परगना प्रमंडल) में प्रभारी उपायुक्त उत्पाद बनाया गया है.

प्रभारी पदों पर नई जिम्मेदारी

▪ राकेश कुमार को प्रभारी उपायुक्त उत्पाद (मुख्यालय), रांची बनाया गया है.
▪ मनोज कुमार को प्रभारी सहायक आयुक्त उत्पाद (मुख्यालय), रांची की जिम्मेदारी दी गई है.
▪ अजय कुमार गोंड को प्रभारी सहायक आयुक्त उत्पाद, धनबाद बनाया गया है, साथ ही उन्हें अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है.

अधीक्षक और निरीक्षक स्तर पर भी बदलाव

▪ अधीक्षक और निरीक्षक स्तर पर भी बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए हैं.
▪ जितेंद्र कुमार को साहेबगंज से पाकुड़ भेजा गया है.
▪ आशुतोष कुमार को पाकुड़ से मुख्यालय EIB में प्रभारी अधीक्षक बनाया गया है.
▪ शैलेंद्र कुमार को सिमडेगा से कोडरमा भेजा गया है.
▪ शिव कुमार साहू को हजारीबाग से गिरिडीह में प्रभारी अधीक्षक बनाया गया है.
▪ विमला लकड़ा को रामगढ़ से देवघर भेजा गया है.
▪ क्षितिज विजय मिंज को गुमला से सरायकेला-खरसावां स्थानांतरित किया गया है.
▪ कई जिलों में निरीक्षकों की नई तैनाती
निरीक्षक स्तर पर भी कई अहम बदलाव हुए हैं.
▪ संजय कुमार श्रीवास्तव को देवघर से दुमका भेजा गया है. ▪ प्रेम प्रकाश उरांव को जमशेदपुर से चतरा में नई जिम्मेदारी मिली है.
▪ रंजन तिवारी को लातेहार से चाईबासा भेजा गया है. ▪ संजीत कुमार देव को पलामू से गढ़वा स्थानांतरित किया गया है. ▪ प्रवीण कुमार राणा को साहेबगंज से गोड्डा भेजा गया है.

मोतिहारी में जहरीली शराब से 5 की मौत:6 की आंख की रोशनी गई

मोतिहारी: बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। रघुनाथपुर थाना के बालगंगा के संपत साह ने दोपहर 1 बजे मुजफ्फरपुर के SKMCH में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले सुबह परीक्षण मांझी (46), और हीरालाल भगत की मौत हो गई। जबकि पहली मौत कल सुबह और दूसरी कल गुरुवार रात को हुई। शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है। तुरकौलिया SHO उमाशंकर मांझी को सस्पेंड किया गया है, जबकि चौकीदार भरत राय को गिरफ्तार कर लिया है।

शाह बोले- असम में यूसीसी लाएंगे, इससे आदिवासी बाहर रहेंगे: ममता ने कहा- वोटर लिस्ट में घुसपैठिए तो मोदी कैसे जीते, पहले वे इस्तीफा दें

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/ गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं कर सकेगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को इससे बाहर रखा जाएगा। वहीं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अगर वोटर लिस्ट में घुसपैठियों के नाम थे, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी उनके वोट से जीत चुके हैं। ऐसे में पहले उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

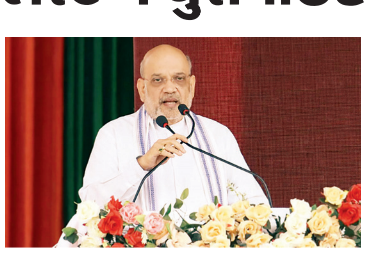

ममता ने दक्षिण दिनाजपुर में चुनावी रैली के दौरान कहा कि बंगाल में अधिकारियों के तबादले इस तरह किए गए, जिससे बाहरी लोगों का राज्य में आना आसान हो सके। मालदा में दो दिन पहले न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना पर ममता बनर्जी ने एआईएमआईएम और ISF को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर उकसाने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु में भाजपा और कांग्रेस ने अपने 27-27 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन को अविनाशी सीट से टिकट दिया है। हालांकि इस लिस्ट में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई का नाम नहीं है। जेपी नड्डा केरलम के दौरे पर हैं। यहां वे पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद एक रोड शो में शामिल होंगे। पश्चिम बंगाल में मतगणना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 500 कंपनियां केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनात रहेंगी। डीएमके नेता कनिमोझी ने कहा कि एआईएडीएमके और भाजपा में एआईएडीएमके चीफ एडप्पडी के पलानीस्वामी का हाल नीतीश कुमार जैसा हो सकता है। लोकतंत्र के लिए एआईएडीएमके राज्य में विपक्ष में तो रहे।

अन्नामलाई बोले- पार्टी ने प्रचार का काम दिया है, पूरा करूंगा

BJP नेता के अन्नामलाई ने केरल के कन्नूर में कहा- इस चुनाव में, मेरा रोल पूरे तमिलनाडु में कैंडिडेट्स के लिए प्रचार करना है। पार्टी ने मुझे पुडुचेरी और केरल में प्रचार की जिम्मेदारी दी है। इसके बाद मुझे पूरे तमिलनाडु में सभी BJP और NDA कैंडिडेट्स के लिए प्रचार करना है। पार्टी ने मुझे यही ज़िम्मेदारी दी है। मैं वह जिम्मेदारी पूरी करूंगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में कहा कि असम के युवा कहते हैं कि घुसपैठियों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इतनी सारी आबादी बढ़ती है रोके कैसे। उनसे कहना चाहता हूं हम असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लाएंगे। अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। यूसीसी किसके लिए लगाना है हमें मालूम है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इसे बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू देश की पहली नागरिक बन गईं। उन्होंने कहा- आदिवासियों के विकास के लिए पीएम और असम सीएम ने एक रोडमैप तैयार किया है। इसे आगे बढ़ाने और लागू करने के लिए BJP को वोट दें। मेघालय के पास गारो हिल्स में हाल ही में हुई हिंसा पर कहा कि घुसपैठियों ने आदिवासी महिलाओं से शादी करके गारो काउंसिल में सत्ता हथियाने की कोशिश की।

रेलवे का बड़ा तोहफा: अब ट्रेन चलने के 30 मिनट पहले भी बदलें बोर्डिंग स्टेशन

भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। अब यात्री ट्रेन के चलने से सिर्फ 30 मिनट पहले भी अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल सकते हैं। इससे उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो किसी वजह से अपने मूल स्टेशन पर चढ़ नहीं पाते। यह बदलाव रेलवे के "52 हफ्ते in 52 बदलाव" कार्यक्रम का हिस्सा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "अब अगर यात्री मूल स्टेशन पर चढ़ने से चूक जाते हैं तो वे रास्ते में किसी और सुविधाजनक स्टेशन से बिना अपनी कन्फर्म सीट खोए चढ़ सकते हैं। पहले बोर्डिंग स्टेशन बदलने के लिए कम से कम 24 घंटे पहले अप्लाई करना पड़ता था और चार्ट तैयार होने से पहले ही यह काम पूरा करना जरूरी था। नया नियम इस सख्ती को काफी हद तक कम कर देता है।

नया सिस्टम कैसे काम करेगा?
अब बदला हुआ बोर्डिंग पॉइंट पहले रिजर्वेशन चार्ट में नहीं दिखेगा। इसे दूसरी रिजर्वेशन चार्ट में शामिल किया जाएगा, जो ट्रेन के रवाना होने से काफी करीब तैयार होता है। यही वजह है कि आखिरी समय तक भी बदलाव संभव हो पा रहा है।

बदलाव के लिए शर्तें
बोर्डिंग स्टेशन बदलने की सुविधा सिर्फ कन्फर्म या RAC (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन) टिकट वाले यात्रियों को मिलेगी। वेटलिस्ट टिकट वाले इस सुविधा का फायदा नहीं ले सकेंगे। एक टिकट पर सिर्फ एक बार ही बोर्डिंग पॉइंट बदला जा सकता है। बदलाव का अनुरोध दूसरी चार्ट तैयार होने से पहले करना होगा।

ऑनलाइन बदलाव आईआरसीटीसी वेबसाइट या ऐप पर आसानी से किया जा सकता है। अपने अकाउंट में लॉगिन करें, माई ट्रांजेक्शन में जाकर बुक टीकट हिस्ट्री चुनें, फिर चेंज बोर्डिंग प्वाइंट का ऑप्शन दबाएं। रूट के किसी स्टेशन को चुनकर रिक्वेस्ट कन्फर्म कर दें। अपडेट होने पर मैसेज आ जाएगा।

संक्षिप्त खबरें...

गरीब परिवार के मृतक के दाह संस्कार में आगे आईं नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी,किया सहयोग

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए एक गरीब परिवार के मृतक के दाह संस्कार में सहयोग किया। जानकारी के अनुसार नावाडीह कला निवासी संजय चौधरी (65) का आज निधन हो गया। मृतक अत्यंत गरीब परिवार से थे, जिसके कारण उनके परिजनों को अंतिम संस्कार करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जानकारी मिलते ही नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी ने समाजसेवी बबन बैठा के माध्यम से मृतक के दाह संस्कार के लिए आवश्यक लकड़ी की व्यवस्था कराई। जहां बबन बैठा ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव सहायता का भरोसा भी दिलाया। मौके पर वरीय समाजसेवी ओमप्रकाश गुप्ता उर्फ गुड्डु,वार्ड पार्षद राम प्रवेश पासवान सहित कई लोग उपस्थित रहे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

बिशुनपुर थाना क्षेत्र में नशे की रफ्तार का कहर, एक की मौत, एक घायल

गुमलाः गुमला जिले के बिशुनपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसा बनारी से बनालात जाने वाली सड़क पर करचा मोड़ के पास हुआ. जानकारी के मुताबिक, बाइक पर सवार 2 लोग नशे की हालत में तेज रफ्तार से जा रहे थे. इसी बीच तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई. जिसमें बाइक चालक मौके पर ही मौत हो गई. वहीं बाइक सवार दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी. सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस ने घायल व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया. घायल का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर में इलाज चल रहा है. पुलिस के मुताबिक, मृतक व्यक्ति की पहचान चट्टी सेरका निवासी संतोष सिंह के रूप में हुई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, गुमला भेज दिया है. पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है.

बड़कागांव में राम भक्तों ने हनुमान जन्मोत्सव मनाया, प्रसाद किया वितरण

बड़कागांव(हज़ारीबाग): बड़कागांव प्रखंड के चर्चित दैनिक बाजार स्थित हनुमान मंदिर एवं विश्रामपुर शिव मंदिर में राम भक्तों ने धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान लोगों ने हनुमान चालीसा पाठ एवं हनुमान जी की आरती उतार कर तथा हनुमान जी की साज श्रृंगार कर पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं के बीच राम भक्तों ने प्रसाद का वितरण किया। इंग्लेश सोनी एवं पिंटू गुप्ता ने कहा कि हमें भगवान हनुमान जी चिरंजीव है इनकी विचारों को हमें आत्मसात करने की जरूरत है। तभी संपूर्ण समाज का कल्याण संभव है। हनुमान जी की सच्ची पूजा अर्चना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।मौके पर इंग्लेश सोनी जिला सेवा प्रमुख विश्व हिंदू परिषद,पिंटू गुप्ता प्रखंड मंत्री,विद्या अलंकार बजरंग दल प्रखंड सह संयोजक,पंचम पांडे,अनिल कुमार ,दिनेश्वर कुमार, बजरंग दल प्रखंड संयोजक,नन्दलाल कुमार,सुनील कुमार राणा, गीता देवी,रीना देवी गणित देवी, सोनी कुमारी ,आशा देवी, आचार्य गीता देवी, संच प्रशिक्षक सुषमा राणा समेत कई राम भक्त उपस्थित थे।

क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज रोशनलाल चौधरी होंगे मुख्य अतिथि

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। प्रखंड अंतर्गत चंदौल पंचायत स्थित पुन्दोल खेल मैदान में समाजसेवी विनोद यादव के सौजन्य से खेले जा रहे हैं पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज चंदौल क्रिकेट टीम एवं महुगाई क्रिकेट टीम के बीच खेली जाएगी। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी फाइनल मैच एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि होंगे ।इनके अलावा विशिष्ट अतिथि में प्रमुख फुलवा देवी पश्चिम जिप सदस्य यासमीन निशा मध्य जीप सदस्य सुनीता देवी एवं थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह शामिल होंगे।

दुमका में छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

दुमकाः वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर दुमका के सरदार पटेल चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सिविल सोसायटी, पटेल सेवा संघ और शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच दुमका के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शिवाजी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति को याद किया। वक्ताओं ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों और संघर्षों से प्रेरणा लेनी चाहिए।इस अवसर पर डॉ. बीके पीयूष, सिविल सोसायटी दुमका के उपाध्यक्ष प्रेम केसरी, विविध सचिव संदीप कुमार, जय बमबम, राजेश कुमार चौरसिया, पवन कुमार झा, रुद्रांश, इंदु चौबे, बबीता देवी, अर्चना देवी, रंजु देवी, कंचन देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डीएसओ ने किया लैम्प्स का निरीक्षण

दुमकाःजिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजशेखर ने शुक्रवार को विभागीय निर्देशानुसार जिले के रामगढ़, कुरमाहाट एवं नवाडीह लैम्प्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से धान अधिप्राप्ति कर गोदाम में किए गए भंडारण का भौतिक सत्यापन किया। इस मामले में जिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजशेखर ने बताया कि उक्त तीनों लैम्प्सो में भंडारण सही पाया गया तथा भंडार पंजी के साथ मिलान किया गया। इस दौरान रामगढ़ लैम्प्स के सहायक प्रबंधक विद्यानंद भगत मौजूद थे। मौके पर उन्होंने लैम्प्स प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि वह अपने संबंधित चावल मिलों में धान भेजकर प्राप्ति रसीद प्राप्त कर ले ताकि समय अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि जिला के सभी लैम्प्स के भंडारण का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है| कहीं भी गड़बड़ी पाई गई तो उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बरसात के पूर्व धान को मील भेजने का निर्देश दिया। रामगढ़ लैम्पस की जांच के उपरांत जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामगढ़ स्थित राज्य खाद्य निगम गोदाम भी पहुंचे जहां गोदाम में अनाज के भंडारण तथा वितरण की जानकारी ली। मौके पर खाद्य आपूर्ति विभाग के दीपक कुमार भी मौजूद थे।

रामनवमी जुलुस में हुई हत्याएं व विष्णुगढ़ मामले पर पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने प्रेस को किया संबोधित

कहा समाज को बांटने की राजनीति किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने शुक्रवार को अपने चानो स्थित आवास पर प्रेस वार्ता आयोजित कर रामनवमी जुलुस में हुई हत्याएं व, विष्णुगढ़ मामले तथा जिले के मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक हालात पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि समाज को बांटने की राजनीति किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए और हजारीबाग जैसे शांतिप्रिय जिले को बदनाम करने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण है। रामनवमी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह पर्व सदियों से आस्था, परंपरा और

मर्यादा के साथ मनाया जाता रहा है। उन्होंने डीजे और शोर-शराबे की संस्कृति पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे धार्मिक आयोजनों की गरिमा प्रभावित होती है और अनावश्यक विवाद उत्पन्न होते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि दिखावे से बचकर संसाधनों का उपयोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जरूरी क्षेत्रों में किया जाए। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने बड़ा बाजार, ग्वालटोली निवासी स्वर्गीय अभिषेक कुमार के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और घटना को अत्यंत निंदनीय बताया। साथ ही सिलवारकला गांव पहुंचकर स्वर्गीय प्रिंस कुमार के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इन दोनों घटनाओं ने पूरे जिले को झकझोर दिया है और यह क्षति अपूरणीय है। मुन्ना सिंह ने प्रशासन से दोषियों की शीघ्र पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और अपराधियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।जिला प्रशासन की भूमिका पर संतोष जताते हुए उन्होंने कहा कि रामनवमी एवं दशमी जुलूस के दौरान बेहतर समन्वय और व्यवस्था देखने को मिली, जिसके लिए प्रशासन और मीडिया कर्मी बधाई के पात्र हैं।

डीजीएम लाइब्रेरी से अब पंजीकृत सदस्य शुल्क जमा कर घर ले जा सकेंगे पुस्तकें

दिव्यांगजन के लिए सदस्यता शुल्क पूर्णतः निःशुल्क

जमशेदपुर । विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों के लिए जमशेदपुर में दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया है। यह लाइब्रेरी स्ट्रेट माइल रोड, साकची (TMH क्लिनिक के समीप) दिनशाव मेमोरियल म्युनिसिपल भवन में संचालित है। पाठकों के लिए लाइब्रेरी प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक संचालित है।

विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों को अध्ययन के लिए आधुनिक सुविधा, बेहतर व शांत वातावरण में लगभग 8 हज़ार विविध प्रकार की पुस्तकों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। लाइब्रेरी में सदस्यता हेतु एकमुश्त पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है

6–16 वर्ष के बच्चों के लिए 100, 16–25 वर्ष के छात्रों के लिए 300, 25–60 वर्ष के वयस्कों के लिए 500

60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 100 सदस्यता शुल्क निर्धारित है।

इच्छुक नागरिक QR कोड स्कैन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं अथवा पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट आकार के फोटो के साथ सीधे लाइब्रेरी में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं।

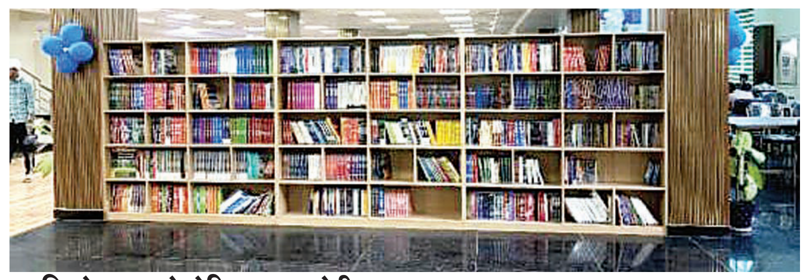

दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी, साकची से अब सदस्य घर ले जा सकेंगे पुस्तकें

पाठकों की सुविधा एवं पठन-संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुस्तक निर्गमन (बुक इश्यू) सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। अब लाइब्रेरी के पंजीकृत सदस्य पुस्तकें अपने घर ले जाकर अध्ययन कर सकेंगे। लाइब्रेरी प्रबंधन द्वारा विभिन्न आयु एवं वर्ग के पाठकों को ध्यान में रखते हुए सदस्यता शुल्क निर्धारित किया गया है। पुस्तक सदस्यता शुल्क मासिक, त्रैमासिक एवं वार्षिक आधार पर निम्नानुसार है—

बच्चेः 50 / 120 / 550

छात्रः 100 / 270 / 1,100

वयस्कः 150 / 420 / 1,700

वरिष्ठ नागरिकः 120 / 330 / 1,300

सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देते हुए दिव्यांगजन के लिए सदस्यता शुल्क पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने इस लाइब्रेरी से शहर में अध्ययन, पठन-पाठन एवं बौद्धिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई है तथा लाइब्रेरी विद्यार्थियों एवं पाठकों के लिए एक महत्वपूर्ण ज्ञान केंद्र के रूप में उपयोगी साबित होगी। पाठकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय प्रबंधन द्वारा लाइब्रेरी के पंजीकृत सदस्य पुस्तकें अपने घर ले जाकर अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराना सराहनीय कदम है।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गंगपाचो में गुरुवार की रात को हनुमान जन्मोत्सव को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल की ओर से किया गया। हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोग गाजे बाजे के साथ पूरे गांव गांव का भ्रमण करते हुए धूमधाम से मनाया. गंगपाचो स्थित बजरंग बली मंदिर के पुजारी पंडित प्रदीप शर्मा, कुलदीप शर्मा, विरेन्द्र पासवान, दिलीप पासवान के द्वारा पूजा अर्चना, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया. कार्यक्रम का नेतृत्व विहिप प्रखंड अध्यक्ष भागीरथ प्रसाद एवं प्रखंड संयोजक विनोद प्रसाद ने किया. जन्मोत्सव पर शोभा यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर पंचफेडी चौक होते हुए पुनः मंदिर परिसर में आकर समापन किया गया. जिसमें शामिल सभी सनातनी ने जय श्री राम और बजरंग बली के जयकारों के साथ भक्ति रस से सराबोर नाचते झुमते शांति पुर्वक जुलुस में शामिल हुए.

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, बुज़ुर्ग महिला की मौत, कई घायल

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के दुड़िरता गांव में जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. गुरुवार दोपहर करीब 3 से 3:30 बजे के बीच हुई. इस झड़प में 75 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए.

मिली जानकारी के अनुसार, एक ही परिवार के चाचा और भतीजे के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था. गुरुवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया.

पहले पक्ष के समित जेराई का कहना है कि उनके परिवार पर हमला किया गया, जिसके बाद उन्होंने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की. उनके मुताबिक, विवादित जमीन उनके पिता और बड़े पिता के नाम दर्ज है और दूसरे पक्ष का उस पर कोई हक नहीं है.

वहीं, दूसरे पक्ष के ललित जेराई का दावा है कि वर्ष 1982 में ही जमीन का बंटवारा हो चुका था और वे अपने हिस्से में निर्माण कार्य कराना चाह रहे थे. उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी पक्ष ने सोची-समझी साजिश के तहत हमला किया. हालांकि, उन्होंने महिला पर हमला करने की बात से इनकार किया है.

इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें चाईबासा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायलों में कुछ के सिर पर गंभीर चोटें बताई जा रही हैं. अस्पताल में पुलिस की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है. जगन्नाथपुर थाना प्रभारी टिंकू कुमार के अनुसार, मामले की जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है. इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्क है.

रेड रोज पब्लिक स्कूल का जारी हुआ वार्षिक परीक्षा परिणाम, सभी वर्ग के टॉपरों को स्कूल प्रबंधन ने किया सम्मानित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : बी पी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा संचालित विश्रामपुर के रेड रोज पब्लिक स्कूल ने वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषीत किया। परिणाम घोषणा के बाद एक समारोह आयोजित कर सभी वर्ग के टॉपरों को स्कूल प्रबंधन ने सम्मानित किया। सम्मान समारोह का उद्घाटन विश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे,नप के पूर्व उपाध्यक्ष अजय बाक्सराय उर्फ बड़कू सिंह व विद्यालय के निदेशक राजन पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में स्कूल प्रबंधन ने नर्सरी कक्षा से आठवीं कक्षा तक के प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे ने कहा कि शिक्षा विकास की पहली शर्त है। शिक्षा के बगैर विकास की कल्पना करना भी

बेमानी होगा। राजन पांडेय ने बताया कि गरीब व मेधावी छात्र के लिये अलग से व्यवस्थया है। मौके पर प्राचार्य रुद्र नारायण,उप प्राचार्य विकास कुमार गुप्ता,बृजेश कुमार,अमन चंद्रवंशी,पम्मी कुमारी,अदिति शाही,संध्या कुमारी,अंजलि कुमारी,शाइस्ता परवीन,अंचल कुमारी सहित स्कूल के सभी छात्र-छात्रा,शिक्षक-शिक्षिका व काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे।

मसीही समाज ने मनाया गुड फ्राइडे, गिरजाघर में हुई प्रार्थना

पश्चिमी सिंहभूमः मसीही समाज की ओर से शुक्रवार को गुड फ्राइडे मनाया गया. इस अवसर पर पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर चाईबासा, चक्रधरपुर, बंदगांव,मनोहरपुर, आनंदपुर की ख्रीस्त राजा चर्च,जीईएल चर्च,लाल गिरजा घर, बुढीगोड़ा स्थित चर्च,बंदगांव स्थित चर्च में मसीही समाज के लोग प्रार्थना सभा के लिए जुटे.

वहीं चक्रधरपुर स्थित ख्रीस्त राजा चर्च में प्रभु यीशू का क्रूस मरण, पवित्र क्रूस की उपासना की गई. यह झांकी यूथ ग्रुप द्वारा निकाला गया. इसके अलावा मसीही समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशू का क्रूस रास्ता का मंचन किया. इस दौरान पहले स्थान से लेकर 14वें स्थान तक मतलब प्राण दंड के लिए प्रभु यीशु को कंधे पर क्रूस लादने से कर सूली में चढ़ने तक का प्रस्तुति दिखाई गई. इसमें सिरीनी सिमोन क्रूस ढोने में मदद दिखाया गया था.

सिपाही यीशु के कपड़ों को उतारते हैं.वह क्रूस पर ठोके जाते हैं और उसी पर वह अपना प्राण त्याग देते हैं. इससे पहले यीशु तीन बार क्रूस से गिरते हैं. वेरोनिका यीशु का चेहरा पोछती है, यीशु अपनी दुःखी मां से मिलते हैं. इस प्रकार नाटक का मंचन कर प्रभु यीशू का क्रूस मरण का चित्रण किया गया.

इस मौके पर पल्ली पुरोहित फादर पौलुस बोदरा, फादर एस पुथुमय राज ने पुण्य शुक्रवार का मिस्सा संपन्न किया. सैकड़ों की संख्या में कैथोलिक लोगों ने इसमें हिस्सा लिया. इसमें मुख्य रुप से संत एंजेला अस्पताल, कारमेल स्कूल, जेवियर भवन की सिस्टर्स आदि उपस्थित रहे.

बड़कागांव चर्च में गुड फ्राइडे मनाया गया

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। जेएमएस चर्च पास्टर नकुल महतो के नेतृत्व में बड़कागांव चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे मनाया गया । इस दौरान ईसा मसीह के अनुयायियों ने देश में अमन चैन शांति के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया। पास्टर नकुल महतो ने बताया कि कलीसिया(चर्च) के सभी लोग मिलकर यीशु मसीह के उस सर्वश्रेष्ठ बलिदान को याद किए । जब यीशु मसीह मनुष्य जाति के पाप के लिए अपना प्राण क्रूस पर न्योछावर कर दिया और अपना सारा लहू बहा दिया उनके लहू बहाने से हमारे पाप धोए गए। इसलिए इस दिन को सभी मसीह विश्वासी और दुनिया में हर एक जगह, इस दिन को भला शुक्रवार के रूप में यानी गुड फ्राइडे के रूप में मनाया जाता है।

14 अप्रैल को बाबा साहब अंबेडकर की 135वीं जयंती पर भव्य मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

दुमकाः संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती को भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से मनाने के लिए झारखंड दलित समाज (जेडीएस) ने दुमका सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने 14 अप्रैल को होने वाले जयंती महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा साझा की।

जेडीएस के पदाधिकारियों ने बताया कि 14 अप्रैल 2026 को सुबह 11 बजे से दुमका के एसपी कॉलेज मैदान में जयंती महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर भव्य अंबेडकर मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र होंगी। खोरठा के प्रसिद्ध गायक सतीश दास, राकेश दास और राजेश दीवाना अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा साहब को संगीतमय श्रद्धांजलि देंगे। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुमका विधायक सह पूर्व कैबिनेट मंत्री बसंत सोरेन को आमंत्रित करने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, सांसद नलिन सोरेन, जामा विधायक लुईस मरांडी तथा शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन के भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। झारखंड दलित समाज ने जिलेवासियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें संजय असंगा, रंजीत तुरी, मिथुन दास, विशाल हरि, प्रदीप मिर्धा, परेश मिर्धा समेत अन्य लोग शामिल थे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 19 का कटा चालान

दुमकाः गोबिंदपुर-साहेबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना गेट के सामने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार के निर्देश पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन जांच अभियान थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत के नेतृत्व में चला।वाहन जांच अभियान के दौरान आवाजाही करने वाले दो पहिया, चार पहिया और मालवाहक वाहनों के गाड़ी की डिक्की, रजिस्ट्रेशन नंबर, इंश्योरेंस, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, सिल्ट वेल्ट आदि की जांच की गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन कर परिवहन कर रहे 19 वाहन चालकों का चालान काटा गया। इस मौके पर एसआई धरमल मांझी, एसआई भरत भूषण सिंह, एएसआई राजन सिंह, बृज मोहन सिंह सहित कई पुलिस जवान मौजूद थे।

विष्णुगढ़ (हजारीबाग) की जघन्य घटना के विरोध में अंधविश्वास एवं मानव बलि जैसी कुप्रथाओं पर कठोर कानून बनाने की मांग

संवाददाता रांचीः आम आदमी पार्टी, झारखंड द्वारा आज राजकीय अतिथि शाला, मोराबादी में आयोजित प्रेस वार्ता में हजारीबाग जिला अंतर्गत विष्णुगढ़ में घटित अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र एवं तथाकथित "मानव बलि" से जुड़ी जघन्य घटना की कड़ी निंदा की गई। पार्टी ने इस घटना को मानवता पर कलंक बताते हुए राज्य सरकार से तत्काल ठोस एवं नीतिगत कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी, झारखंड के प्रदेश प्रभारी (विधि प्रकोष्ठ) अमित कुमार ने कहा कि यह घटना केवल एक आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि हमारे समाज की गहरी विफलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी यदि समाज में अंधविश्वास और मानव बलि जैसी घटनाएं हो रही हैं,तो यह स्पष्ट है कि हमारी शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं।

उन्होंने आगे कहा कि झारखंड में पहले से जादू-टोना निवारण अधिनियम लागू है, किन्तु इस कानून में मानव बलि जैसे जघन्य अपराधों के लिए स्पष्ट एवं कठोर दंड का प्रावधान नहीं है, जिसके कारण यह वर्तमान परिस्थितियों में अपर्याप्त सिद्ध हो रहा है।

*उन्होंने मांग की कि एक नया, सशक्त एवं व्यापक कानून बनाया जाए, जिसमें कठोर दंड के साथ-साथ जागरूकता का भी स्पष्ट प्रावधान हो। अमित कुमार ने यह भी कहा कि कोई भी मां अपने बच्चे को यूं ही नहीं मारती। यदि समय पर उचित स्वास्थ्य सुविधा, इलाज एवं सही मार्गदर्शन उपलब्ध होता, तो ऐसी घटना संभवतः नहीं होती। अतः इस समस्या का समाधान केवल दंड से नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने से ही संभव है। आम आदमी पार्टी, झारखंड के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रभात शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार को इस विषय पर गंभीरता दिखानी चाहिए और केवल बयानबाजी से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो पार्टी इस मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन करने को बाध्य होगी।

सह प्रभारी कुमार राकेश ने कहा कि अंधविश्वास केवल कानून से समाप्त नहीं होगा, बल्कि इसके लिए समाज में व्यापक जागरूकता आवश्यक है।* *उन्होंने सरकार से मांग की कि आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर नियमित जागरूकता अभियान चलाया जाए।

जोनल कॉर्डिनेटर राजेश लिंडा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत दयनीय है, जिसके कारण लोग अंधविश्वास की ओर बढ़ते हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि इन बुनियादी समस्याओं पर प्राथमिकता के साथ कार्य किया जाए।

पार्टी ने यह भी घोषणा की कि इस विषय पर राज्य के सभी विधायक, सांसद, मंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा, तथा विधानसभा, लोकसभा एवं राज्यसभा में इस संबंध में प्रभावी कानून लाने की मांग की जाएगी।

अंत में पार्टी ने मीडिया से अपील की कि इस गंभीर विषय को प्रमुखता से उठाएं एवं समाज में जागरूकता फैलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

संक्षिप्त खबरें

रातू इलाके से नाबालिग लड़की रहस्यमय तरीके से लापता, हत्या की आशंका

रांची : राजधानी के रातू थाना क्षेत्र के झखराटांड से एक 13 साल की नाबालिग लड़की 12 दिनों से लापता है. लड़की के घर से खून के धब्बे मिले हैं. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि लड़की की हत्या कर दी गई है. पुलिस ने लड़की के घर को सील कर दिया है और बाहर में पुलिस की तैनाती की गई है. मिली जानकारी के अनुसार, फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर जाएगी और साक्ष्य जुटाएंगी, ताकि मामले में आगे की जांच की जा सके. बताया जाता है कि लड़की अपने परिचित के घर पर रहकर सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर रही थी. लेकिन बीते 12 दिनों से वह लापता है. स्थानीय लोगों के अनुसार, घरवाले लड़की के साथ अक्सर मारपीट करते थे और उसे किसी से बातचीत करने नहीं देते थे. आरोप है कि लड़की को टॉर्चर किया जा रहा था. यह मामला कई दिनों से छिपी हुई थी. लेकिन किसी व्यक्ति ने इसकी जानकारी रातू थाने की पुलिस को दी. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम ने जांच की तो यह बात सामने आई है कि लड़की अबतक लापता है और घर में खून के धब्बे मिले हैं. रातू थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने इस संबंध में बताया कि पुलिस की टीम बिहार गई थी. लेकिन लड़की वहां नहीं मिली. घर में जो खून के धब्बे मिले हैं, उसकी फॉरेंसिक जांच की जाएगी. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है.

मेयर रोशनी खलखो की मां के निधन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने रांची की मेयर रोशनी खलखो की माताजी स्वर्गीय बॉबी तिर्की के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया. शुक्रवार को वे मेयर के आवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिले और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं. इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की.इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की.

रांची में गरज के साथ तेज बारिश हुई

रांची : रांची में तेज हवा और बादल की गरज के साथ तेज बारिश हुई है. मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया था कि रांची सहित कई जिलों में तेज बारिश होगी और ओलावृष्टि भी होगी. इससे पहले मौसम विभाग ने राज्य के उत्तर-पश्चिम और मध्य जिलों में 4 अप्रैल को कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अलर्ट जारी किया था. साथी ही 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया था. 5 से 7 अप्रैल के बीच भी मौसम ऐसा ही बना रहेगा. 5 और 6 अप्रैल को गढ़वा, पलामू, लातेहार, हजारीबाग, रांची समेत आसपास के इलाकों में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है. इस दौरान हवा की गति 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन उसके बाद 3 से 5 डिग्री तक गिरावट आ सकती है. इससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है. मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है. तेज हवा और बारिश के समय पेड़ या बिजली के खंभों के नीचे खड़े नहीं होने को कहा गया है.

झारखंड स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिपः जेवीएम श्यामली की अश्मि सिंह बनीं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

रांची : साहिबगंज में आयोजित चार दिवसीय 26वीं जूनियर झारखंड स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप में जेवीएम श्यामली की छात्रा अश्मि सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया. अश्मि के अगुवाई में जैप-1 टीम ने बालिका वर्ग का खिताब जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है.टूर्नामेंट में अश्मि का खेल प्रदर्शन बेहतरीन रही.यह बास्केटबॉल मैच 29 मार्च से 1 अप्रैल तक मैच खेला गया.जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन की और उनके प्रदर्शन के कारण उनका चयन झारखंड अंडर-18 जूनियर बास्केटबॉल टीम में किया गया है.जहां वे राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी.विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य बी.एन. झा ने इसे उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम बताया. वहीं वाइस प्रिंसिपल अनुपमा श्रीवास्तव ने उनके अनुशासन और मेहनत की सराहना की.विद्यालय परिवार ने अश्मि को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं.

जैक ने तथ्य छुपाया, हाईकोर्ट ने अपील खारिज की, 25 हजार जुर्माना भी लगाया

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्ति लाभ से जुड़े एक मामले में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की अपील खारिज कर दी. साथ ही जैक पर तथ्यों को छुपाने को लेकर 25000 रूपये का जुर्माना भी लगाया है. यह जुर्माना राशि जैक को 4 हफ्ते के भीतर कोर्ट में जमा करनी होगी. बाद में 25000 रुपये की यह राशि याचिकाकर्ता राम प्रकाश साव को दी जाएगी. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले में कहा कि जैक ने अपने ही बयान से पलटी मारकर कोर्ट के आदेश को कमजोर करने की कोशिश की, यह आचरण न्यायालय के प्रति ईमानदारी के सिद्धांत के खिलाफ है. इस तरह की कोशिश से याचिकाकर्ता को नुकसान होता है. यह मामला जैक के सेवानिवृत्त कर्मी का सेवानिवृत्त लाभ भुगतान का है. मामले में प्रकाश साव की ओर से हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई थी. जिसपर सुनवाई के दौरान जैक की ओर से कोर्ट में यह कहा गया था कि याचिकाकर्ता का मामला पहले के एक फैसले से पूरी तरह कवर होता है. हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जैक की अपील पर सुनवाई के दौरान पाया कि पहले जैक ने कोर्ट में स्वीकार किया कि मामला पहले के फैसले से कवर है, बाद में उसी बात से मुकरते हुए लाभ देने से इनकार कर दिया. अदालत को बिना पूरी जानकारी दिए जल्दबाजी में आदेश लेने की कोशिश की गई. पहले के समान मामलों में खारिज हो चुके LPA आदेश को भी कोर्ट से छिपाए गए. कोर्ट ने इसे “misadventure” और न्यायालय के आदेश को दरकिनार करने की कोशिश बताया.

एलपीजी संकट गहराया: सिलेंडर के लिए लोगों ने किया सड़क जाम

रांची:राजधानी रांची में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत लगातार जारी है. बुकिंग के बाद भी लोगों को समय पर एलपीजी नहीं मिल पा रहा है, जिससे आम उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. हालात इतने बिगड़ गए हैं कि अब लोग घरों से निकलकर सड़कों पर उतरने लगे हैं. इस कड़ी में शुक्रवार को रांची के चुटिया इलाके में उस वक्त स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब तय समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर जाम लगा दिया और विरोध स्वरूप सिलेंडर को सड़क पर ही रख दिया. घंटों मशक्कत के बाद प्रशासन ने लोगों को समझाकर जाम हटवाया. एलपीजी संकट की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रांची में हर रोज करीब 4000 सिलेंडर की कमी हो रही है. वर्तमान में करीब 76 हजार उपभोक्ताओं की बुकिंग लंबित है, जिसमें लगभग 65 हजार इंडेन गैस उपभोक्ता शामिल हैं. महज 10 दिन पहले यह आंकड़ा 65 हजार था, लेकिन अब रोजाना 8 से 10 हजार नई बुकिंग जुड़ने से स्थिति और बिगड़ती जा रही है.

गैस एजेंसियों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है. पहले जिन एजेंसियों को रोजाना 650 सिलेंडर मिलते थे, अब उन्हें करीब 500 सिलेंडर ही मिल रहे हैं. शहर में करीब 38 गैस एजेंसियां हैं, जिनमें से कई के पास 4 से 5 दिनों तक सप्लाई नहीं पहुंच रही है, जबकि कुछ को दो दिन में एक बार ही गैस सिलेंडर मिल रहा है.

डीएसी नंबर मिलने के बाद भी परेशानी

स्थिति यह है कि उपभोक्ताओं को पहले 20-25 दिन तक इंतजार करना पड़ता है और बुकिंग के बाद भी 15 से 17 दिनों में डिलीवरी मिल रही है. माधुरी गैस एजेंसी के संजीव कुमार के मुताबिक, सप्लाई बढ़ने के बाद ही बैकलॉग खत्म हो पाएगा. वहीं, शांतनु गैस एजेंसी के सेतु तिवारी का कहना है कि जितनी डिलीवरी हो रही है, उतनी ही नई बुकिंग भी आ रही है, जिससे दबाव बना हुआ है.

निर्धारित समय पर भी नहीं दिए जा रहे हैं सिलेंडर

उपभोक्ताओं की परेशानी भी लगातार बढ़ रही है. चुटिया के राजेश कुमार ने बताया कि 20 दिन पहले बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिला. वहीं लालपुर के जितेंद्र कुमार और किशोरगंज की ए. तिवारी ने भी इसी तरह की शिकायतें की हैं.

सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की बात आ रही है सामने

इस बीच आईओसीएल के सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण डीएसी नंबर मिलने में भी दिक्कत आ रही है. वहीं, कुछ एजेंसियों पर डीएसी नंबर सही तरीके से दर्ज नहीं करने का आरोप भी लग रहा है, जिससे एलपीजी वितरण व्यवस्था और बिगड़ रही है. रांची में गैस संकट अब गंभीर रूप ले चुका है, जिसका असर सीधे आम लोगों की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है. ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर संघ के उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने कहा कि कुछ लोग एलपीजी संकट को लेकर अफवाह फैला रहे हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक समस्या आपूर्ति में कमी और बढ़ती मांग के बीच संतुलन बिगड़ने की है.

चुटिया में सिलेंडर नहीं मिलने से फूटा उपभोक्ताओं का गुस्सा, बांस-बली लगाकर सड़क जाम की

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का असर अब भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ झारखंड में भी देखने को मिल रहा है. राज्य में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ गई है. , जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इसी समस्या को लेकर रांची के चुटिया इलाके में उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा. गैस नहीं मिलने से नाराज लोगों ने बांस-बली लगाकर सड़क जाम कर दी. इस वजह से इलाके में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया और राहगीरों व वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और लोगों को समझाने की कोशिश कर रही है. लोगों का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से गैस की समस्या से जूझ रहे हैं और बार-बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हो रहा है. उपभोक्ताओं का आरोप है कि नंबर लगाने के बाद भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहा है.

रिम्स सीनियर रेजिडेंट व ट्यूटर नियुक्ति विवाद : डीसी की अध्यक्षता में बनेगी जांच कमिटी

रांची : रिम्स के मास्टर्स इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में सीनियर रेजिडेंट और ट्यूटर की नियुक्ति मामले की जांच कराई जाएगी. इसको लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में कमिटी बनेगी. स्वास्थ्य विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. विभाग के अधिकारियों के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर जल्द ही कमिटी का गठन किया जाएगा. इस कमिटी में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे. सूत्रों का कहना है कि मंत्री के असम दौरे से लौटने के बाद कमिटी का गठन किया जाएगा. जांच पूरी होने के बाद कमिटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर यह तय किया जाएगा कि ऋषभ कुमार की नियुक्ति नियम के अनुसार हुई है या नहीं. इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला ने मंत्री के निर्देश पर जांच के आदेश जारी किए हैं. वहीं जांच पूरी होने तक नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है. फिलहाल ऋषभ कुमार के ट्यूटर पद पर योगदान देने पर भी रोक लगा दी गई है.

फंड पड़ा रह गया, 205 करोड़ खर्च नहीं कर सका रिम्स

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स को विकास कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 300 करोड़ रुपये का बजट मिला था.

लेकिन प्रबंधन समय पर इसका उपयोग नहीं कर सका और 205 करोड़ रुपये सरकार को वापस करने पड़े. जानकारी के अनुसार, रिम्स केवल 85 करोड़ रुपये ही खर्च कर पाया. इस राशि से अस्पताल भवन की मरम्मत की गई. साथ ही एमआरआई, सिटी स्कैन व रेडियोथेरेपी जैसी मशीनें खरीदी गई. हालांकि बजट का मुख्य उद्देश्य नया ओपीडी कॉम्प्लेक्स बनाना और 500 बेड का सुपर स्पेशलिटी विंग तैयार करना था, जो अधूरा रह गया. बताया जा रहा है कि सुपर स्पेशलिटी विंग के निर्माण को लेकर मंजूरी रिम्स परिषद की बैठक में काफी देरी से मिली. इसके बाद स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी जरूरी फाइलें भी देर से पहुंचीं, जिसके कारण वित्तीय वर्ष खत्म हो गया और पैसा खर्च नहीं हो सका. अब इस योजना को लेकर नए वित्तीय वर्ष में फिर से टेंडर जारी किए जाएंगे.

डिप्लोमा-इन-फार्मेसी में नंबरों के रिटोटलिंग के लिए प्रति विषय देने होंगे 300 रुपये फीस

डिप्लामो-इन-फार्मेसी के रिजल्ट प्रकाशित करने के बाद परीक्षा समिति ने रिटोटलिंग के लिए प्रति विषय 300 रुपये फीस निर्धारित किया है. साथ ही मार्कशीट में किसी भी तरह की गलती सुधारने के लिए आवेदन देने की अंतिन तिथि 8-4-2026 निर्धारित है. परीक्षा समिति ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. परीक्षा समिति द्वारा जारी किये गये आदेश में कहा गया कि अगर किसी छात्र को अपने नंबरों का रिटोटलिंग कराना होगा तो उसे प्रति विषय 300 रुपये की दर से फीस देना होगा. फीस की रकम डिप्लोमा-इन-फार्मेसी परीक्षा समिति के नाम पर डिमांड ड्राफ्ट के सहारे देना होगा. छात्रों को डिमांड ड्राफ्ट के साथ रिटोटलिंग के लिए अपना आवेदन अपने कॉलेज में जमा करना होगा. प्राचार्य द्वारा इसे परीक्षा समिति के अग्रसारित किया जायेगा. 8-4-2026 की शाम पांच बजे के बाद परीक्षा समिति में आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा. अगर किसी छात्र के मार्कशीट में नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर आदि में किसी तरह की गलती हो तो सुधार के लिए कॉलेज के प्राचार्य के माध्यम से परीक्षा समिति को आवेदन भेजा जायेगा. गलती सुधारने के लिए भी परीक्षा समिति में 8-4-2026 की शाम बजे तक ही आवेदन स्वीकार किया जायेगा.

झारखंड में धूमधाम से मनेगा भाजपा का 47वां स्थापना दिवसः आदित्य साहू

रांची : भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस को लेकर झारखंड में व्यापक तैयारियां की गई हैं. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने घोषणा की है कि 6 अप्रैल को पूरे राज्य में स्थापना दिवस धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाएगा. इसके लिए सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं. आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा पार्टी विद डिफरेंस है, जो राजनीति नहीं बल्कि राष्ट्रनीति पर चलती है. उन्होंने बताया कि भारतीय जनसंघ से शुरू हुआ यह संगठन आज करोड़ों कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण से विशाल वृक्ष बन चुका है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी देश के विकास और वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने का काम कर रही है. प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 5 अप्रैल को बूथ से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और कार्यालयों की सजावट की जाएगी. महिला मोर्चा द्वारा मुख्य द्वारों को फूल और रंगोली से सजाने का निर्देश दिया गया है. 6 और 7 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने-अपने घरों, बूथों, जिला और प्रदेश कार्यालयों में पार्टी का नया ध्वज फहराएंगे. जिला मुख्यालयों में झंडोत्तोलन के बाद दोपहर 12 से 4 बजे तक स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें पार्टी की विकास यात्रा पर वक्ताओं द्वारा संबोधन दिया जाएगा. इसके साथ ही मंडल स्तर पर चौक-चौराहों और बाजारों में बड़े झंडे लगाए जाएंगे और कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर सक्रिय प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं. 8 और 9 अप्रैल को जिला मुख्यालयों में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें संगठन विस्तार, चुनावी सफलता, सेवा भाव, अंत्योदय और राष्ट्र प्रथम की विचारधारा पर चर्चा की जाएगी. वहीं 10 से 12 अप्रैल तक गांव/बस्ती चलो अभियान” चलाया जाएगा. इस दौरान जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी गांव-गांव जाकर स्वच्छता कार्यक्रम, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, बुद्धिजीवियों से संवाद और केंद्र व एनडीए सरकार की योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएंगे.

रांची : श्राद्ध कर्म करने आये युवक की हटानिया तालाब में डूबने से मौत

रांची : राजधानी के कोतवाली इलाके में दर्दनाक हादसा हुआ है. श्राद्ध कर्म करने आये युवक की हटानिया तालाब में डूबने से मौत हो गई है. बताया जाता है कि व्यक्ति तालाब किनारे श्राद्ध कर्म करने आया था. इस बीच तालाब के नहाने के दौरान वह डूब गया और उसकी मौत हो गई. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची है और शव को बाहर निकाला जा रहा है. वहीं घटना की सूचना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोग जुटे हैं. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने घटना के संबंध में बताया कि हटानिया तालाब में युवक की डूबने से मौत हुई है. फिलहाल युवक के शव को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है.

साहिबगंज अवैध खनन मामला : दाहू यादव की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

रांची : साहिबगंज में 1250 करोड़ से अधिक के अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फरार चल रहे आरोपी राजेश यादव उर्फ दाहू यादव की अग्रिम जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया. दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2023 में दाहू यादव को पीएमएलए कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया था. लेकिन उसने सरेंडर नहीं किया.

दाहू को कई बार ईडी ने भेजा समन, नहीं हुआ पेश

बता दें कि साहेबगंज में हुए अवैध खनन मामले को लेकर ईडी ने 8 जुलाई 2022 को पंकज मिश्रा , बच्चू यादव, दाहू यादव समेत कई के ठिकानों पर छापेमारी की थी. ईडी ने अदालत में पंकज मिश्रा, बच्चू यादव, सुनील यादव, पशुपति यादव समेत अन्य के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल किया है. ईडी ने कई बार दाहू यादव को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया. लेकिन वह ईडी के समक्ष एक बार भी पेश नहीं हुआ.

दाहू यादव और उसके सहयोगियों के 11.88 करोड़ रुपये जब्त

साहिबगंज में 1250 करोड़ की अवैध खनन की पुष्टि ईडी की जांच में हुई है. जांच के दौरान ईडी पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में जमा 11.88 करोड़ रुपये भी जब्त कर चुकी है. वहीं ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर तलाशी ली थी. इस दौरान कई दस्तावेज और 5.34 करोड़ रुपये नकदी जब्त की गई थी. इस तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने साइट से अवैध रूप से संचालित किये जा रहे पांच स्टोन क्रशर, पांच अवैध बंदूक और कारतूस भी जब्त किए थे. मामले को लेकर साहिबगंज के बरहरवा थाने में कांड संख्या 85/ 2020 दर्ज किया गया था. इसी के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है.

विष्णुगढ़ कांड पर बोली अंबा प्रसाद - पूरे सिस्टम ने मिलकर बच्ची के साथ अन्याय किया

रांचीः हजारीबाग के विष्णुगढ़ हत्याकांड के खुलासे के बाद सियासत तेज हो गई है. पूर्व कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झारखंड पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि पूरे मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर “हंसी आती है” और जांच को लेकर कई अहम बिंदुओं को नजरअंदाज किया गया है. साथ ही आरोपियों के पकड़े जाने के बाद प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है, उसमें मनगढ़ंत कहानी बनायी गई है. अंबा प्रसाद ने डीजीपी तदाशा मिश्रा पर भी निशाना साधते हुए पूछा कि क्या केस से जुड़े बयानों में बदलाव किया गया है. उन्होंने सवाल उठाया कि धनेश्वर पासवान और भीमाराम जैसे नामों की भूमिका स्पष्ट क्यों नहीं की गई. अंबा ने दावा किया कि भीमराव, जो कथित तौर पर बीजेपी से जुड़ा बताया जा रहा है, उन्होंने मीडिया के सामने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें भीमराव के बीजेपी कार्यक्रमों में शामिल होने का दावा किया गया. उन्होंने कहा कि इस केस में एसआईटी का गठन तो किया गया, जिसमें बड़े अधिकारी शामिल थे, लेकिन इसके बावजूद ठोस सबूत सामने नहीं आए. आरोपियों की गिरफ्तारी और पूछताछ की टाइमलाइन पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस 10 दिन बाद सक्रिय क्यों हुई, जबकि आरोपी खुलेआम घूम रहे थे. अंबा ने यह भी आरोप लगाया कि डीएनए टेस्ट नहीं कराया गया, जिससे दुष्कर्म के आरोपों को खारिज कर दिया गया. उनके मुताबिक, पूरी प्रेस विज्ञप्ति गढ़ी हुई कहानी की तरह है. अंत में अंबा ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग की और कहा कि पूरे सिस्टम ने मिलकर बच्ची के साथ अन्याय किया है.

लालपुर थाने की पुलिस ने दो चोरों को किया गिरफ्तार

रांचीः लालपुर थाने की पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार चोरों का नाम विक्की और किशन कुजूर है. विक्की के ऊपर रांची में आठ मामले दर्ज हैं. वहीं किशन कुजूर के ऊपर एक मामला दर्ज है. गिरफ्तार दोनों चोर रांची जिला के रहने वाले है. पुलिस ने इनके पास से पांच पीस चांदी के सिक्के, पायल और बिछिया, 17 हजार 296 रुपये नगद बरामद किया है. लालपुर थाना में 1 अप्रैल को एक मामला दर्ज किया गया था. जिसमें बताया गया था कि बंद घर को कुछ चोरों ने निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम ने छापेमारी की और इन दोनों चोर को गिरफ्तार किया.

रांची के कोकर में आदिवासी महिला के साथ अमानवीय घटना पर आजसू पार्टी का विरोध

रांची : रांची के कोकर स्थित भाभा नगर में एक आदिवासी महिला के साथ हुई शर्मनाक घटना को लेकर आजसू पार्टी ने कड़ा विरोध जताया है. पार्टी ने इस घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाएं कतई स्वीकार्य नहीं हैं. झारखंड की धरती पर रहने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय महिलाओं, लोगों, संस्कृति, गरिमा और कानून का सम्मान करना चाहिए. गौरतलब है कि कोकर इलाके में एक आदिवासी महिला को कथित रूप से कालिख पोतकर, जूते-चप्पलों की माला पहनाकर सार्वजनिक रूप से घुमाया गया था. आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता संजय मेहता ने भाभा नगर रोड नंबर-5 में हुई इस घटना पर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे झारखंड की इंसानियत को शर्मसार करने वाली है. उन्होंने कहा कि राज्य में रहने वाले हर व्यक्ति को यहां की मिट्टी और लोगों के प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए, लेकिन रांची में जो हुआ वह बेहद दुखद और चिंताजनक है. संजय मेहता ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र में एक झूठे चोरी के आरोप में महिला को चार दिनों तक बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया. उसके चेहरे पर कालिख पोती गई, जूते-चप्पलों की माला पहनाई गई, ‘चोर’ लिखे पोस्टर लगाए गए और सरेआम घुमाया गया. साथ ही इलाके के लोगों को डराया-धमकाया गया ताकि कोई विरोध न कर सके. उन्होंने इस घटना को घृणित और चौंकाने वाला बताया. उन्होंने कहा कि स्थानीय महिलाओं के विरोध के बाद ही पुलिस सक्रिय हुई. किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है. पुलिस को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ शीघ्र कठोर कार्रवाई करनी चाहिए और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए. पार्टी ने स्पष्ट किया कि दोषी चाहे किसी भी समुदाय का हो, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए. झारखंड में आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों, गरिमा और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आदिवासी समाज के सम्मान और गरिमा की रक्षा करना हम सभी का सामाजिक और राजनीतिक दायित्व है.

संक्षिप्त खबरें...

सिल्ली थाना की पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद किया

रांचीः सिल्ली थाने की पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद किया है. पुलिस को जानकारी मिली थी कि बलराम साहू और प्रकाश साहू के होटल में भारी मात्रा में अवैध शराब है. इस होटल में लंबे समय से लगातार अवैध शराब बेचा जा रहा है. जानकारी मिलने के बाद पुलिस साहू होटल पहुंची और जांच की. जांच के दौरान भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त किया गया.

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में एस सी ,एस टी एवं ओ बी सी एक मंच में निर्णय लिया गया

खलारीः एस सी , एस सी एवं ओ बी सी एकता मंच डकरा के अंबेडकर पार्क में गुरुवार को बैठक बुलाई गई उक्त बैठक कार्यकारिणी अध्यक्ष देव्पल मुंडा की अध्यक्षता में संपन्न किया गया आगामी 14 अप्रैल 2026 को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया गया बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए अंबेडकर पार्क को भाव या सुसज्जित एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर तीनों एकता मंच के पदाधिकारी विशेष चर्चा किया गया इस जयंती के अवसर पर महाप्रसाद खिचड़ी का वितरण किया जाएगा । एकता मंच के आयोजितकर्ता कन्हैया पासी ,जगदीश गंझू, नारद राम ,रामदेव राम ,राम पयीख राम, परमेश्वर गंझू उर्फ प्रवीण,नसीब चौहान,अमर लाल सतनामी , अन्य गणमन्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

टर्किश एयरलाइंस की नई उड़ान सेवा, टिमिशोआरा को जोड़ा नेटवर्क से

संवाददाता रांचीः टर्किश एयरलाइंस ने अपने वैश्विक नेटवर्क का विस्तार करते हुए रोमानिया के टिमिशोआरा शहर के लिए नई उड़ान सेवा शुरू की है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को और मजबूती मिली है। यह उड़ानें सप्ताह में पांच दिन संचालित होंगी और इसके साथ ही देश में कुल साप्ताहिक उड़ानों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। इस नई सेवा की शुरुआत टिमिशोआरा ट्रायन वुइया इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आयोजित एक समारोह के साथ की गई, जिसमें एयरलाइन और एयरपोर्ट के अधिकारी शामिल हुए। कंपनी के सीईओ बिलाल एक्शी ने कहा कि रोमानिया पूर्वी यूरोप का एक महत्वपूर्ण बाजार है और यह नई सेवा यात्रियों को इस्तांबुल के माध्यम से वैश्विक नेटवर्क से बेहतर जोड़ती है, जिससे यात्रा के अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल से व्यापार और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसका लाभ भारत के साथ-साथ झारखंड जैसे राज्यों के यात्रियों को भी मिलेगा, जो अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए बेहतर कनेक्टिविटी की तलाश में रहते हैं। टिमिशोआरा, जिसे 'लिटिल वियना' कहा जाता है, अपनी ऐतिहासिक विरासत, बहुसांस्कृतिक पहचान और प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में जाना जाता है तथा वर्ष 2023 में इसे यूरोपियन कैपिटल ऑफ कल्चर भी चुना गया था। इसके साथ ही यह शहर व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी तेजी से उभर रहा है। एयरलाइन के अनुसार नई उड़ानों से यात्रियों को अधिक लचीलापन और बेहतर यात्रा विकल्प मिलेंगे। कंपनी अपने वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। यह सेवा अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी और आने वाले समय में ऐसे और नए रूट शुरू किए जा सकते हैं।

विकास के दावे खोखलेः बिजली और सड़क की समस्या से जूझ रहे गुबे गांव के लोग

कोयलांचल संवाद संवाददाता, हंटरगंज(चतरा)ः सरकार जहां विकास के आंकड़े गिनाने में जुटी रहती है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर दिखाती है।थोड़ा कल्पना कीजिए कि आजादी के सात दशक बीतने के बाद भी किसी गांव में बिजली सड़क नहीं हो तो वहां के लोग कैसे जीवन व्यतीत करते होंगे? दरअसल हम बात कर रहे हैं चतरा जिले के हंटरगंज प्रखण्ड अंतर्गत जोलडीहा पंचायत के गुबे गांव की जो जगलों के बीच बसा एक पहाड़ी गांव है, जहां 50 घरों के लगभग 500 आदिवासी लोग रहते है, जहां आजादी के 7 दशक बीत जाने के बाद भी सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित हैं। इस गांव के लोग मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं, झारखंड में सड़क बनने के लिए कई योजनाएं है इनमें एक मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना भी है,इसी योजना के अंतर्गत इस गांव में ग्राम सुरहुद से लेकर गुबे तक लगभग 6 किमी तक सड़क बनने के लिए सितम्बर 2024 में सड़क का शिलान्यास किया गया। लेकिन दुर्भाग्य बस इस गांव का सड़क का निर्माण कार्य आज तक नहीं शुरू हुआ है,गांव में सड़क नहीं होने के कारण गांव के आदिवासी समुदाय का विकास कोषों दूर है, सड़क नहीं होने के कारण जंगली और पहाड़ी रास्तों से लोग चलकर बाजार जाते है इस गांव के लोग बताते है कि सड़क नहीं होने के कारण हमारे गांव में जब कोई बीमार होते हैं तो बड़ी मुश्किल से लोग इलाज के लिए खाट और बाइक से ले जाते है, साथ ही साथ महिलाओं को जब प्रसव होता है तो गांव में ममता वाहन गाड़ी भी नहीं पहुंच पाती है और अधिकतर महिलाओं का प्रसव घर में ही हो जाता है जिससे महिला और बच्चों को जान का खतरा भी होता है ।

असम में सत्ता परिवर्तन के लिए जनता तैयार, चाय बागान श्रमिकों के मुद्दे बने चुनाव का केंद्र – शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददाता रांची/असम : डिब्रूगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पिछले एक सप्ताह के दौरान डिब्रूगढ़, तिनसुकिया सहित असम के विभिन्न जिलों के दौरे और चाय बागान क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क के बाद यह स्पष्ट रूप से सामने आया है कि राज्य की जनता ने इस बार सत्ता परिवर्तन का मन बना लिया है। आम नागरिकों, विशेषकर चाय बागान श्रमिकों के बीच व्यापक असंतोष देखा गया है और वे एक साफ-सुथरी, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जनता से संवाद के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि लोग विकल्प के रूप में श्री गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार को असम में स्थापित करना चाहते हैं। पिछले दस वर्षों में भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा किए गए वादों के विपरीत जमीनी स्तर पर लोगों को निराशा और शोषण का सामना करना पड़ा है।

प्रेस वार्ता में उन्होंने वर्ष 2022 में "असम फिक्सेशन ऑफ सीलिंग ऑन लैंड होल्डिंग एक्ट, 1956" में किए गए संशोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि चाय बागानों की 10 प्रतिशत भूमि को व्यावसायिक उपयोग के लिए खोल दिया गया। सरकार का तर्क था कि इससे टी कंपनियों की वित्तीय स्थिति सुधरेगी, लेकिन चाय बागान श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। इसके परिणामस्वरूप कई चाय बागानों में रिसॉर्ट, होटल और वाणिज्यिक परिसरों का निर्माण हो रहा है, जिससे श्रमिकों का विस्थापन और बेरोजगारी बढ़ रही है। सामुदायिक भूमि पर संकट गहराता जा रहा है, जिससे श्रमिकों में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है।

उन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और कार्बी आंगलोंग के बीच स्थित Hatikhuli टी एस्टेट का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ भी चाय बागान की भूमि को व्यावसायिक उपयोग के लिए दिए जाने से स्थानीय लोग प्रभावित हुए हैं और आंदोलनरत हैं।

इसी प्रकार तिनसुकिया जिले के Dighal Tarang टी एस्टेट में लगभग 145 बीघा भूमि तेल उत्खनन के लिए बड़ी कंपनियों को बिना स्थानीय लोगों की सहमति के सौंप दी गई। प्रभावित लोगों को न तो उचित मुआवजा मिला और न ही पुनर्वास की व्यवस्था की गई। इन गतिविधियों के कारण पर्यावरणीय प्रदूषण बढ़ा है और चाय बागानों की मूल प्रकृति प्रभावित हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आते ही सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों के खातों में धनराशि स्थानांतरित कर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। 26 जनवरी 2026 को (Eti Kholi, Duti Paat) योजना के तहत चाय बागान श्रमिकों के खातों में 5000 डाले गए, जिसे लेकर श्रमिकों के बीच आशंका है कि यह राशि उनके भविष्य निधि (पीएफ) से समायोजित की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा बनाए गए कानूनों में बदलाव कर उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। दीमाहासव क्षेत्र में आदिवासियों की लगभग तीन हजार बीघा जमीन सीमेंट फैक्ट्री के लिए दिए जाने का आरोप भी लगाया गया।

इन सभी मुद्दों के चलते राज्य की जनता, विशेषकर चाय बागान क्षेत्रों के श्रमिकों के बीच भाजपा सरकार के प्रति विश्वास में कमी आई है। जनता अब अपने अधिकारों की रक्षा और सम्मानजनक जीवन के लिए नई सरकार की ओर देख रही है।

उन्होंने विश्वास जताया कि असम की जनता इस बार अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए एक पारदर्शी, जनहितकारी और जवाबदेह सरकार के गठन का निर्णय करेगी।

जमशेदपुर में मजदूर दिवस पर जुटेंगे राज्य के अन्य जिलों के पत्रकार

जमशेदपुर । ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की बोकारो जिला कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को तेनुघाट प्रेस क्लब में आयोजित की गई.बैठक में AISMJWA के पर्यवेक्षक सह प्रमंडल प्रभारी राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे , जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिन्हा ने की. बोकारो जिला महासचिव शिव शंकर नोनिया उर्फ पप्पू चौहान ने कहा कि आगामी 1 मई (मजदूर दिवस) के अवसर पर जमशेदपुर में एसोसिएशन की ओर से एक वृहत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा , जिसमें बोकारो से भी शामिल होने का निर्णय लिया गया .साथ ही सभी पदाधिकारियों व सदस्यों से पत्रकारों की सुरक्षा व सम्मान को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई. इस दौरान एसोसिएशन की ओर से पत्रकारों की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित 6 सूत्री मांगों को झारखंड सरकार से अविलंब पूरा कराने की मांग की गई है.

बैठक में गत दिनों वरिष्ठ पत्रकार नागेश्वर कुमार एवं राजेंद्र महतो के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया गया.उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर पत्रकार साथियों की आत्मिक शांति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित की. वहीं प्रमंडल प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि "पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकारों की ही जिम्मेदारी है और ऐसे में झारखंड में पत्रकारों के साथ लगातार हो रही फर्जी मामलों की घटनाएं चिंता का विषय हैं जिस पर सरकार को शीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए. वहीं कानूनी सलाहकार सुभाष कटरियार ने कहा कि "पत्रकारों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून और प्रभावी व्यवस्था लागू होना जरूरी है, यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं होती है, तो संगठन आंदोलन करने को भी बाध्य होगा."

इसके पश्चात जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन जैसे "संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.सभी साथियों को एकजुट होकर संगठन को मजबूत करना होगा तभी हम अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचा सकेंगे." बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकजुटता का परिचय देते हुए संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया. उपस्थित पत्रकारों में धनबाद जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, बोकारो जिला के बीरेंद्र प्रसाद,शैलेश चन्द्र श्रीवास्तव (ददन),नरेश प्रसाद श्रीवास्तव,रतन कुमार सिन्हा,बॉबी राज, राज कुमार स्वर्णकार,जीवन सागर, जीतेन्द्र चौहान, प्यारे लाल, अनिल कुमार सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे.

देविशिका एचपी गैस एजेंसी फिर बंद, गोदाम में 'गैस खत्म' का लटका बोर्ड

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग)ः प्रखंड स्थित देविशिका एचपी गैस एजेंसी की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बुधवार को सीओ संजय यादव एवं एमओ विक्रम पाण्डेय द्वारा एजेंसी का निरीक्षण किए जाने के बाद गुरुवार को एजेंसी व गोदाम खोले गए और उपभोक्ताओं के बीच गैस का वितरण भी किया गया। लेकिन शुक्रवार को पुनः एजेंसी और गोदाम दोनों बंद पाए गए, साथ ही गोदाम पर 'गैस खत्म' का बोर्ड लगा दिया गया। इस अचानक बंदी से उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली जा रही है। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर की कीमत 972 रुपये निर्धारित है, इसके बावजूद उपभोक्ताओं से अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। वहीं जनप्रतिनिधियों ने भी एजेंसी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि

गैस स्टॉक खत्म भी हो गया है, तो कम से कम कार्यालय खुला रखा जाना चाहिए, ताकि उपभोक्ता केवाईसी एवं अन्य जरूरी कार्य कर सकें। कार्यालय बंद रहने के कारण आम लोग बार-बार चक्कर काटकर वापस लौटने को मजबूर हैं। लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होने से उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

अनियंत्रित हाइवा ने मोटरसाइकिल सवार को लिया चपेट में एक की मौत दूसरे की हालत गंभीर

कोयलांचल संवाद संवाददाता, सिमरिया(चतरा)ः थाना क्षेत्र स्थित मूर्वे स्टेडियम के पास तेज रफ्तार हाईवा वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे में एक युवती गंभीर रूप से घायल है। स्थानीय समाजसेवी तबरेज अंसारी और ग्रामीणों की मदद से घायल युवती को सिमरिया अस्पताल लाया गया जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। और मौजूद चिकित्सकों ने स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे कार्य में लगा हाइवा मिट्टी की ढुलाई कर रहा था। इसी बीच टंडवा थाना के पदुमपुर लेम्बुआ गांव निवासी मृतक चंदन राणा अपनी बहन नेहा कुमारी के साथ सिमरिया शादी का कार्ड छपवाने के लिए घर से निकला था। मूर्वे रेलवे साइडिंग के पास आते हीं तेज रफ्तार मिट्टी ढुलाई कर रहे हाईवा ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे भाई चंदन राणा की मौके पर ही मौत हो गई और बहन नेहा बुरी तरह घायल हो गई है। मृतक चंदन की शादी तय हो गई थी।जिसे लेकर शादी कार्ड छपवाने के लिए दोनों भाई बहन घर से निकले थे। क्या पता था कि एक हाइवा ने दूल्हा बनने के पहले मौत के हवाले कर देगा। शहनाई के जगह क्रंदन से गांव में मातम पसरा है।

इद्रिसिया तंजीम स्कूल आधुनिक अंग्रेजी माध्यम संस्थान में परिवर्तित

संवाददाता रांचीः इद्रिसिया तंजीम स्कूल ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है, जिसके तहत इसे आधुनिक अंग्रेजी माध्यम संस्थान में परिवर्तित किया जा रहा है, जहां अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक पद्धतियों को अपनाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा देना और विद्यार्थियों के लिए एक प्रगतिशील एवं छात्र-केंद्रित वातावरण तैयार करना है।

इस शैक्षणिक परिवर्तन का नेतृत्व श्री मुहम्मद तलकीन दानिश कर रहे हैं, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं और अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम में 14 वर्षों का अनुभव रखते हैं। उनके मार्गदर्शन में स्कूल "लर्निंग बाय डूइंग" की अवधारणा पर कार्य करेगा, जो कैम्ब्रिज

पाठ्यक्रम का प्रमुख सिद्धांत है। इस पद्धति का उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति से आगे बढ़कर विद्यार्थियों में चिंतनशील क्षमता और नई परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की योग्यता विकसित करना है।

श्री आसिफ ज़मान और श्री शाहीन ज़मान, दोनों ही आईआईटी खड़गपुर के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हैं, जो अपने समृद्ध शैक्षणिक और पेशेवर अनुभव के साथ संस्थान को सशक्त बनाएंगे। वहीं, श्री ज़ेया अफरीदी विद्यालय के तकनीकी एवं डिजिटल क्षेत्र का नेतृत्व करते हुए नवाचार और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के समावेशन को आगे बढ़ाएंगे।

स्कूल में गतिविधि-आधारित शिक्षण, शोध-उन्मुख अध्ययन और प्रोजेक्ट कार्य पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित हो सके। इसके साथ ही गणितीय दक्षता बढ़ाने के लिए अबेकस शिक्षण को शामिल किया जाएगा तथा अंग्रेजी भाषा शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रेस को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनव्वर भुट्टो और रांची के 23वें वार्ड के पार्षद श्री खालिद उमर, साजिद उमर ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह परिवर्तन समग्र और भविष्य उन्मुख शिक्षा की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

महिला को धमकी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए

सिमडेगाः सिमडेगा जिले के जलडेगा थाना क्षेत्र में महिला को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. उन्हें शुक्रवार को जेल भेज दिया गया. इस संबंध में महिला के आवेदन पर जलडेगा थाने में कांड संख्या 23/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया था.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जलडेगा थाना क्षेत्र के ढिंगुरपानी पापरापानी निवासी रोशन किस्पोटा थाने में आवेदन देकर बताया था कि उसकी पत्नी असरीता बारला के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन कर रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई. इसके बाद सिमडेगा एसपी के निर्देशन एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित कर छापामारी की गई. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में खरवागढ़ा गंझू टोली का जीतेन्द्र नायक व मनोहरपुर के धानापली का यशवंत महतो उर्फ छोटू शामिल है.

विष्णुगढ़ कांड ने उजागर किया भाजपा का असली चेहराः साजिश, साम्प्रदायिकता और झूठ की राजनीति- विनोद कुमार पांडेय

संवाददाता रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने गुरुवार को प्रेस बयान जारी कर कहा है कि झारखंड की आत्मा को झकझोर देने वाली हजारीबाग के विष्णुगढ़ की मासूम 13 वर्षीय बच्ची की नरबलि की घटना ने पूरे राज्य को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना न केवल अमानवीय और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वास की भयावह सच्चाई को भी उजागर करती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा इस दर्दनाक घटना पर गहरा शोक व्यक्त करता है और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता है।

परंतु इस संवेदनशील और दुखद घटना को लेकर जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति करने की कोशिश की, वह निंदनीय ही नहीं बल्कि अत्यंत खतरनाक भी है। भाजपा ने इस मामले को जानबूझकर साम्प्रदायिक रंग देने की साजिश रची, ताकि राज्य में अशांति फैलाकर राजनीतिक लाभ लिया जा सके। अब जब जांच में सच्चाई सामने आ चुकी है, भाजपा का असली चेहरा बेनकाब हो गया है।

सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इस जघन्य अपराध का मुख्य आरोपी कोई और नहीं, बल्कि भाजपा से जुड़ा हुआ व्यक्ति भीम राम है, जो पार्टी का बूथ अध्यक्ष और एससी-एसटी प्रकोष्ठ से भी जुड़ा बताया जा रहा है। यह वही लोग हैं जो जनता को गुमराह कर राज्य में मशाल जुलूस और बंद का आह्वान कर रहे थे। आज जब सच्चाई सामने आ गई है, भाजपा नेताओं को जवाब देना चाहिए कि वे झारखंड की जनता से माफी कब मांगेंगे।

झामुमो यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता है कि भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा एक बार फिर उजागर हो गया है। यह पार्टी हर बार समाज में हिन्दू-मुस्लिम का जहर घोलकर लोगों को आपस में लड़ाने की कोशिश करती है। इनके पास न विकास का विजन है, न समाज को जोड़ने की सोच। इनका एकमात्र एजेंडा है – नफरत फैलाओ और सत्ता पाओ।

महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड की जागरूक जनता भाजपा की इन साजिशों को भलीभांति समझ चुकी है। आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, मजदूर, किसान, महिलाएं और युवा – हर वर्ग भाजपा की विभाजनकारी राजनीति से वाकिफ है। राज्य की जनता जानती है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार सबको साथ लेकर चलने और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि विष्णुगढ़ की यह घटना अत्यंत दुखद है, लेकिन उससे भी अधिक खतरनाक है उसका राजनीतिक दुरुपयोग। भाजपा ने इस संवेदनशील मुद्दे पर झूठ फैलाने, भ्रम पैदा करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का काम किया है। यह उनकी निम्न मानसिकता और गैर-जिम्मेदाराना राजनीति का प्रमाण है। राज्य सरकार ने इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों, जिनमें बच्ची की मां और कथित तांत्रिक शामिल हैं, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

झामुमो भाजपा से पूछता है – क्या अब वे अपने द्वारा घोषित झारखंड बंद को वापस लेंगे? क्या वे अपनी गलती स्वीकार करेंगे? या फिर हमेशा की तरह सच्चाई सामने आने के बाद भी चुप्पी साध लेंगे?

केतारी बगान रेलवे फाटक पर जाम का संकट, 400 मीटर की दूरी तय करने पर लग रहा 20 मीनट का समय

संवाददाता रांची : लोअर चुटिया के केतारी बगान रेलवे फाटक क्षेत्र में ओवरब्रिज निर्माण कार्य के बीच ठेकेदार की लापरवाही के कारण रोजाना भीषण जाम की स्थिति बन रही है। आठ फीट चौड़े सहायक मार्ग में चार पहिया वाहन, आटो और टुक-टुक के प्रवेश से स्थिति और खराब हो गई है। नतीजतन, मात्र 400 मीटर की दूरी तय करने में लोगों को 15 से 20 मिनट तक लग रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओवरब्रिज निर्माण से पहले वैकल्पिक मार्ग तैयार करने की सहमति बनी थी। वैकल्पिक मार्ग केतारी बगान रेलवे फाटक से रोड नंबर 13 से मुंडागढ़ा अंडरपास तक सड़क बनाने की योजना थी, लेकिन ठेकेदार ने इस दिशा में

अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

एक महीने ठप रहा काम, अब भी रफ्तार धीमी

निर्माण कार्य पिछले एक महीने तक पूरी तरह बंद रहा और अब भी काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। अब तक केवल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के पास एक पिलर का निर्माण हुआ है, जबकि पाइलिंग का कार्य पूरा हो चुका है। पानी पाइपलाइन और अंडरग्राउंड बिजली का काम अब भी अधूरा है, जिससे निर्माण में बाधा आ रही है। फाटक के आसपास न तो पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस की तैनाती है और न ही आरपीएफ के जवान मौजूद रहते हैं। सहायक मार्ग की हालत भी बेहद खराब है। कीचड़, पत्थर और उबड़-खाबड़ सड़क के कारण रोजाना वाहन पलटने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

सहायक रास्तें पर भी जाम से राहत नहीं

लोगों को मजबूरी में रांची-टाटा रोड या पावर हाउस रेलवे फाटक होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे 3 से 10 किलोमीटर तक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। दूरी तय करने के बावजूद चुटिया रेलवे फाटक पर फिर 20 से 30 मिनट तक जाम में फंसना पड़ता है। सहायक रास्तों में भी काफी परेशानी है। साथ ही ईंधन काफी अधिक खर्च हो रहा है। ओवरब्रीज का निर्माण करीब 33 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। ब्रीज का निर्माण पथ निर्माण विभाग की ओर से किया जा रहा है। इस ओवरब्रिज में विभागों के बीच समन्वय की कमी भी साफ दिख रही है। कई जरूरी कार्य लंबित हैं, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें...

मोतिहारी शराब कांड पर तेजस्वी का हमला: 'कमाऊ पूत' बनी शराबबंदी, मौत का खेल जारी

मोतिहारी . मोतिहारी में जहरीली शराब से हुई मौतों ने एक बार फिर बिहार की सियासत में उबाल ला दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर नीतीश सरकार और एनडीए गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी ने साफ शब्दों में कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून पूरी तरह फेल हो चुका है और यह अब भ्रष्ट अधिकारियों व शराब माफियाओं के लिए 'कमाऊ पूत' बन गया है।

तेजस्वी यादव ने मोतिहारी की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 4 लोगों की मौत और 6 लोगों की आंखों की रोशनी जाना कोई मामूली बात नहीं है। उन्होंने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि शराबबंदी लागू होने के बाद से अब तक बिहार में 1300 से अधिक लोग जहरीली शराब की भेंट चढ़ चुके हैं। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो सिर्फ सरकारी आंकड़ा है, असलियत में मरने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि आज बिहार में पुलिस की मिलीभगत से घर-घर शराब की होम डिलीवरी हो रही है। उन्होंने कहा, "सत्ताधारी भाजपा-जदयू के नेताओं और भ्रष्ट अफसरों के संरक्षण में शराब माफिया फल-फूल रहे हैं। सरकार की नाक के नीचे जहरीली शराब बन रही है और बेची जा रही है, जिसकी कीमत गरीब जनता अपनी जान देकर चुका रही है।"तेजस्वी ने कहा कि जिस नेक मकसद से शराबबंदी कानून लाया गया था, वह रास्ता पूरी तरह भटक चुका है। अब यह कानून सिर्फ गरीबों को जेल भेजने और रसूखदारों की जेब भरने का जरिया बनकर रह गया है।

मसौढ़ी के हनुमान मंदिर में मजदूर का मिला शव

फुलवारीशरीफ. मसौढ़ी के खराद गांव में गुरुवार देर रात एक 20 वर्षीय मजदूर की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह उसका शव गांव स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के बरामदे में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। बताया जा रहा है कि युवक देर रात काम से लौट रहा था, इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उसकी हत्या कर दी। सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर मंदिर के बरामदे में पड़े शव पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान खराद गांव के ही एक गरीब मजदूर के रूप में हुई है, जो अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि युवक का किसी से कोई विवाद नहीं था, जिससे हत्या की वजह अब भी रहस्य बनी हुई है। मसौढ़ी की पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी कोमल मीणा ने बताया कि, 'प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के सही कारणों का खुलासा हो सके पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। साथ ही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।'

पति की हत्या करने वाली ग्रेजुएट पत्नी को उम्रकैद

बेगूसराय. बेगूसराय में अनपढ़ पति की हत्या करने वाली ग्रेजुएट पत्नी और उसके मुस्लिम बॉयफ्रेंड को मंझौल कोर्ट ने गुरुवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मंझौल कोर्ट के एडीजे संजय कुमार सिंह ने दोनों को आजीवन कारावास के साथ 20-20 हजार जुर्माना भी किया है। वारदात 7 जनवरी 2024 को खोदाबंदपुर थाना क्षेत्र के फफौत गांव में हुई थी। मृतक महेश्वर राय (25) समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के नरहन गांव का रहने वाला था। अपर लोक अभियोजक राकेश कुमार ने बताया कि कोर्ट ने खोदाबंदपुर थाना क्षेत्र के फफौत गांव की रहने वाली रानी कुमारी उर्फ रानी राज एवं समस्तीपुर जिला के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के नरहन गांव के रहने वाले प्रेमी मो. शहजाद को धारा- 302/34 में आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपए जुर्माना किया है।

मिस्ड कॉल से प्यार,2 लाख में गर्लफ्रेंड को बेच दिया:एक साल तक बंधक बनाकर रेप, वीडियो बनाए

पूर्णिया. पूर्णिया में बॉयफ्रेंड ने 2 लाख रुपए में गर्लफ्रेंड का सौदा कर दिया। लड़के ने डेढ़ साल पहले मिस्ड कॉल से लड़की को प्यार के जाल में फंसाया था। खरीदार ने लड़की को खरीदने के बाद उसके घर से 50 किलोमीटर दूर एक घर में 13 महीने से कैद रखा था। लड़की जिस मकान में कैद थी, उसी मकान के रास्ते से उसके दादा मंगलवार की शाम को किसी काम से जा रहे थे। रास्ते में लड़की के दादा सड़क किनारे टॉयलेट करने के लिए रुके। इसी दौरान उनकी नजर सामने घर में कैद अपनी पोती पर पड़ी। लड़की ने भी दादा-दादा कहकर जोर-जोर से चिल्लाने लगी। पोती को देखने के बाद दादा ने पूरा मामला समझ लिया और पुलिस को सूचना दी। वे पुलिस के साथ मकान में पहुंचे और लड़की का रेस्क्यू किया। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिस घर में लड़की कैद थी वहां से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार, सोने चांदी के जेवरात, 100 से अधिक जिंदा कारतूस और 5 लाख रुपए कैश बरामद किए हैं। शुरुआती पूछताछ में लड़की ने बताया कि खरीदार एक साल से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना शहर के सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग स्थित गुंडा चौक इलाके की है। लड़की ने बताया कि घर से भागने के बाद मैं नूर के बताए जगह पर पहुंची। उसने मुझे अपने भरोसे में लिया और कहा कि शादी से पहले मैं तुम्हें अपने कुछ रिश्तेदारों से मिलवा देता हूं। मेरे पास कोई रास्ता नहीं था, लिहाजा नूर की बात मानकर मैं उसके साथ उसके रिश्तेदार से मिलने चली गई।

नरकटियागंज में मिट्टी में छुपाकर रखी खेप मिली

बेतिया . नरकटियागंज के शिकारपुर पुलिस ने गुरुवार शाम प्रकाश नगर मुहल्ले में छापेमारी कर 52 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में एक युवक राजा कुमार को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, उसके पिता गब्बर जायसवाल और बड़ा भाई श्यामसुंदर जायसवाल मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी ज्वाला कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गब्बर जायसवाल द्वारा अंग्रेजी शराब का स्टॉक करने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर गब्बर जायसवाल के घर पर छापा मारा गया। पुलिस के पहुंचने से पहले गब्बर जायसवाल और उसका पुत्र श्यामसुंदर जायसवाल फरार हो चुके थे।

समस्तीपुर में लोको पायलट की हत्या

समस्तीपुर. समस्तीपुर में अपराधियों ने रेलवे के लोको पायलट की गोली मारकर हत्या कर दी। सड़क किनारे शव मिला है। पेट और पीठ पर बुलेट के निशान है। लूटपाट का विरोध करने पर हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल के पास ही बाइक मिली है। घटना ताजपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान गुनाई बहसी गांव निवासी राजेंद्र कॉपर के पुत्र प्रमोद कुमार के तौर पर हुई है। शुक्रवार रात 10 बजे के करीब ड्यूटी खत्म होने के बाद समस्तीपुर स्टेशन से बाइक से घर के लिए निकले थे। बसहीभिंडी गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी, लेकिन रात में पता नहीं चल सका।

सुबह में लोगों ने लाश और सड़क किनारे गिरी हुई बाइक देखा। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पहले इसे सड़क हादसा बताया जा रहा था, लेकिन जब लोगों ने मृतक का कपड़ा उठाकर देखा तो पेट और पीठ में दो गोली लगी थी। हत्या की खबर मिलते ही स्थानीय लोग भड़क गए। रोड जाम कर दिया।

मोहिउद्दीननगर में बाइक की टक्कर से वृद्धा की मौत

समस्तीपुर. मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक वृद्ध महिला की मृत्यु हो गई, जबकि उनकी पोती गंभीर रूप से घायल है। यह घटना बुधवार को मोहिउद्दीन नगर बाजार से सुल्तानपुर जाने वाली जमुनी रोड पर हुई, जब एक तेज रफ्तार बाइक ने दादी-पोती को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहिउद्दीन नगर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। गुरुवार को इलाज के दौरान दादी की मृत्यु हो गई, जबकि पोती की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

सहरसा में ट्रैक्टर-बाइक की टक्कर में 3 की मौत:इलाज में देरी पर सदर अस्पताल में परिजन ने किया हंगामा, तीसरे शख्स की नहीं हुई पहचान

सहरसा. सहरसा में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाज में कथित देरी को लेकर आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सदर अस्पताल में हंगामा और तोड़फोड़ की। यह घटना गुरुवार शाम 7 बजे की है। वनगांव थाना क्षेत्र के सरारी टोला पश्चिम के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो अलग-अलग बाइक पर सवार चार लोगों को टक्कर मार दी। एक बाईक तीन और दूसरे बाईक पर एक ही सवार था। सभी घायलों को तत्काल बरियाही स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

बरियाही स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने शिवम कुमार को छोड़कर तीन अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सहरसा रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने के बाद रात करीब 8:30 बजे घायल सौरभ की मौत हो गई, जिसके बाद उसके परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया।

इसी हादसे में घायल दूसरे बाइक सवार विजय यादव की मौत रात करीब 10:30 बजे एक निजी क्लिनिक में हुई। वहीं, देर रात करीब 1:30 से 2:00 बजे के बीच

सड़क हादसे में घायल एक अज्ञात व्यक्ति की भी सदर अस्पताल मे मौत हो गई। तीसरा घायल आनंद मिश्रा शहर के एक निजी क्लिनिक में इलाजरत है। मृतकों में बनगांव थाना क्षेत्र के चैनपुर पंचायत, ढोली वार्ड 16 निवासी 45 वर्षीय विजय यादव और बनगांव थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड नंबर 17 निवासी अजय रजक के 18 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार शामिल हैं। तीसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सौरभ कुमार अपने दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़े थे। वह सिमरी बख्तियारपुर आईटीआई कॉलेज के छात्र थे। गुरुवार देर शाम वह अपने दो दोस्तों के साथ बाइक से घूमने निकले थे, तभी यह हादसा हुआ। मृतक विजय यादव राजमिस्त्री का काम करते थे।

निजी अस्पताल में 2 घायल का चल रहा इलाज

इस हादसे में 18 वर्षीय शिवम कुमार और 18 वर्षीय आनंद मिश्रा भी घायल हुए हैं। ये दोनों बनगांव थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड नंबर 17 के निवासी हैं और इनका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। परिजनों ने सदर अस्पताल में इलाज में देरी का आरोप लगाया है। वह चार भाइयों में सबसे बड़ा था। उसे एक लड़का और एक लड़की है। वह घर का अकेला कमाने वाला सदस्य था, जिसके कमाई से पूरे परिवार की परवरिश होती थी। विजय का छोटा भाई छोटू कुमार यादव ने बताया कि वह घर से महिषी के लिए निकले थे। इसी दौरान अज्ञात ट्रैक्टर ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। जिन्हें पहले बरियाही स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां बेहतर इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में भी बेहतर सुविधा नहीं होने की वजह से वह नजदीक के निजी की निकल गए, जहां उसकी मौत हो गई। मौत से पूरा परिवार अस्पताल के सिस्टम पर सवाल खराब किया है और उन्होंने जांच की मांग की है।

तीसरी मौत अज्ञात व्यक्ति की हुई जो सहरसा सदर अस्पताल के बेड पर तड़प तड़प कर रात करीब डेढ़ 2:00 बजे मौत हो गई। अस्पताल मे मरीज के एक परिजन ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के समुचित इलाज नहीं मिलने कारण उसकी मौत हो गई है। गुरुवार की रात सौरव के मौत को लेकर उनके परिजन ने अस्पताल में न केवल हंगामा किया, बल्कि एक गार्ड को भी पीटा। साथ ही करीब डेढ़ से 2 घंटे तक अस्पताल के इमरजेंसी सेवा ठप रही। सहरसा सदर थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार ने कहा सड़क हादसे मे जख्मी मरीज की मौत को लेकर बवाल किया गया था। लोगों को शांत कराया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ राजनारायण प्रसाद ने कहा कि अस्पताल में डॉक्टर लापरवाही की मौत को लेकर जांच किया जाएगा।

कृषि विश्वविद्यालय पर सुधाकर सिंह ने लगाया घोटाले का आरोप

कहा- वीसी ने बेटी की नियुक्ति के लिए नियम बदले, बेटा को टेंडर में कराया फायदा

पटना. पूर्वी कृषि मंत्री राजद से सांसद सुधाकर सिंह ने एक बार फिर बिहार कृषि विद्यालय पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया, विश्वविद्यालय में नियुक्तियों से लेकर खरीद-फरोख्त तक में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। कहा कि बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के कुलपति डॉ. दुनिया राम सिंह एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। नियुक्तियों में गड़बड़ी, अपने परिजन को फायदा पहुंचाने और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर लगाए गए। आरोपों ने विश्वविद्यालय की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। इन आरोपों को लेकर पहले भी सरकार और राज्यपाल को जानकारी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

बेटी की नियुक्ति के लिए बदले नियम

सुधाकर सिंह ने आरोप लगाया कि कुलपति ने अपनी ही बेटी को फायदा पहुंचाने के लिए नियम तक बदल दिए। बताया गया है कि SABAGRI योजना के तहत इन्क्यूबेशन सेंटर में बिजनेस मैनेजर के पद के लिए पहले जहां 30 हजार रुपये मानदेय तय था, उसे बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दिया गया। इसी पद पर उनकी बेटी की नियुक्ति कर दी गई और वो नियमित काम पर भी नहीं आतीं, लेकिन हर महीने मोटी सैलरी ले रही हैं।

बेटे और रिश्तेदारों को टेंडर में फायदा

यही नहीं, कुलपति पर अपने बेटे और रिश्तेदारों को भी फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, एक निजी एजेंसी को विश्वविद्यालय में काम दिलाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई, जिसमें उनके करीबी लोग जुड़े हुए हैं। इस एजेंसी पर संविदा कर्मचारियों के वेतन से हर महीने पैसे काटने और करीब 25 लाख रुपये की लेवी वसूलने का भी आरोप है। नियुक्तियों में भी बड़े खेल हुआ है। उदाहरण के तौर पर, एक विज्ञापन में 7 पद निकाले गए थे, लेकिन 8 लोगों की नियुक्ति कर दी गई। अपने करीबी को जगह देने के लिए एक अतिरिक्त पद ही बना दिया गया। सरकार की ओर से नियुक्तियों पर रोक लगाए जाने के बावजूद भी कई अहम पदों पर बहाली कर दी गई। इसमें प्रशाखा पदाधिकारी, सहायक कुलसचिव और निदेशक जैसे पद शामिल हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय में करीब 300 पदों पर हुई नियुक्तियों में आरक्षण नियमों का पालन नहीं करने, फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर चयन करने और दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों को गलत तरीके से आरक्षण का लाभ देने जैसे आरोप भी लगे हैं। मामला सिर्फ नियुक्तियों तक ही सीमित नहीं है। विश्वविद्यालय में करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई एक मशीन की खरीद में भी भारी अनियमितता का आरोप है। कहा गया है कि तय शर्तों का पालन किए बिना ही भुगतान कर दिया गया। इतना ही नहीं, पेटेंट के नाम पर भी बड़ा घोटाला होने की बात सामने आई है। विश्वविद्यालय के संसाधनों का इस्तेमाल कर कुलपति और उनके करीबी अधिकारियों ने अपने नाम पर पेटेंट हासिल कर लिए, जबकि असल मेहनत वैज्ञानिकों की थी। सुधाकर सिंह ने यह भी दावा किया है कि कुलपति के खिलाफ पहले भी जांच के आदेश दिए गए थे, लेकिन अब तक उन जांचों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया है कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद कार्रवाई नहीं होना कहीं न कहीं मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

विवाहिता से दरिंदगी मामले में अब तक 9 आरोपी गिरफ्तार:वीडियो वायरल करने वालों पर शिकंजा

नालन्दा. नालंदा में शादीशुदा महिला के साथ गैंगरेप की कोशिश मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। अपराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) के अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. अमित कुमार जैन ने बताया कि पुलिस इस संवेदनशील कांड में वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। घटना बीते 26 मार्च की रात की है। जब तीन बच्चों की मां और अकेले रह रही महिला के साथ असामाजिक तत्वों ने अभद्रता और हिंसा की। अगले ही दिन नूरसराय थाना में कांड दर्ज किया गया, जिसमें शुरुआत में विभिन्न धाराओं के तहत तीन लोगों को नामजद किया गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया और एक महिला पुलिस पदाधिकारी को अनुसंधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच के दौरान पीड़िता ने छेड़खानी और दुष्कर्म के प्रयास के गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद पुलिस ने मामले में धारा 70(1) और 62 बीएनएस सहित आईटी एक्ट की कड़ी धाराएं जोड़ दी हैं। पुलिस की कार्रवाई अब तक काफी प्रभावी रही है। नामजद तीन अभियुक्तों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। इसके अलावा, घटना के वीडियो फुटेज के आधार पर छह अन्य सह अभियुक्तों की पहचान कर उन्हें भी दबोच लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल जब्त किए हैं। जांच के लिए एफएसएल लैब भेजा गया है, ताकि तकनीकी साक्ष्य जुटाई जा सकी। फिलहाल चार अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पीड़िता की पहचान उजागर करने और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ भी पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में साइबर थाने में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

महंगाई डायन खाए जात है....सड़क पर कांग्रेसियों ने गाया गाना:पटना में गैस क्राइसिस के खिलाफ प्रदर्शन

पटना. बिहार में गैस क्राइसिस को लेकर पटना में कांग्रेस नेता प्रदर्शन कर रहे हैं। महिलाओं ने सिलेंडर सड़क पर रखकर उसे माला पहनाकर विरोध जताया। कुछ महिलाएं चूल्हा लेकर पहुंची हैं। सरकार के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। बीजेपी हटाओ-देश बचाओ जैसे नारे लग रहे हैं। खाली सिलेंडर-खोखले वादे लिखे पोस्टर लहराए जा रहे हैं। कार्यकर्ता ढोल-मंजीरे के साथ सड़क पर बैठ गए हैं। महंगाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। महंगाई डायन खाय जात है, गाना गा रहे हैं। पटना के इनकम टैक्स गोलंबर पर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम भी शामिल हुए हैं। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि, 'मैं यूं ही गरीबों को ठगने नहीं दूंगा। 1 अप्रैल से बिहार सरकार द्वारा बिजली बिल के दरों में बढ़ोतरी की जा रही है। वहीं, एलपीजी क्राइसिस भी चल रहा है। पहले एलपीजी का मतलब 'लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस' होता था और अब इसका मतलब 'ले पाओगे' है।

पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में लगी आग:फाइलें, मशीन और सामान जलकर राख; दमकल की 6 गाड़ियां ने बुझाई; शॉर्ट सर्किट से हादसा

पटना. पटना मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 पैथोलॉजी विभाग के एक कमरे में अचानक आग लग गई। इस अगलगी की घटना के बाद में हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि अग्निशमन विभाग की कार्रवाई से आग पर तत्काल काबू पा लिया गया। इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। जिसकी पुष्टि अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने की है। बताया जाता है की शुक्रवार को दोपहर साढ़े 12 बजे करीब पैथोलॉजी विभाग के एक कमरे से अचानक धुआं निकलता देखा गया, जिसके बाद वहां मौजूद कर्मचारियों भगदड़ मच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर 5 से 6 दमकल गाड़ियां पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों

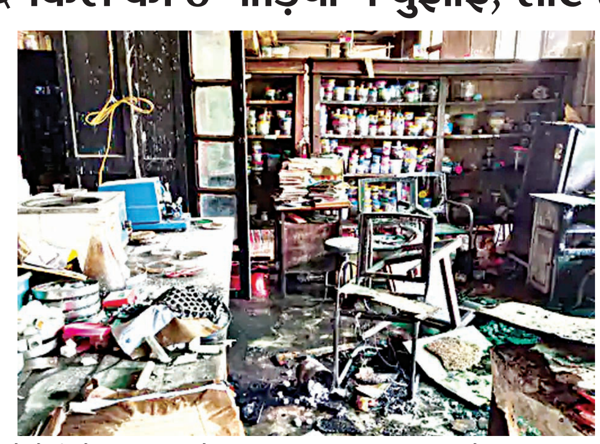

ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोका। करीब कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। इस घटना में विभाग के अंदर रखे कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलें और अन्य उपकरण जलकर राख हो गए हैं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक लाखों रुपये के सामान के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि विस्तृत आकलन के बाद ही वास्तविक नुकसान का आंकड़ा सामने आ पाएगा। पीएमसीएच अधीक्षक प्रो. (डॉ.) राजीव कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया, पैथोलॉजी विभाग का भवन काफी पुराना है। इसी कारण यहां वायरिंग सिस्टम भी पुराना हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है। जैसे ही आग लगने की सूचना मिली, विभाग के द्वारा तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित किया और मौके पर पहुंची टीम ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कुछ फाइलें, टेस्टिंग से संबंधित कुछ उपकरण और केमिकल जलकर खाक हो गई। अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि इस हादसे में किसी प्रकार की कोई जानमाल की क्षति नहीं हुई है सभी लोग सुरक्षित हैं। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन सतर्क हो गया है। भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए अधीक्षक ने अस्पताल परिसर में 24×7 अग्निशमन विभाग की एक गाड़ी तैनात रखने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही पुराने भवनों की वायरिंग और सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

हाई वोल्टेज ड्रामा और पुलिस का कड़ा पहरा, पटना महिला आयोग में प्रेमी ने रचाई शादी

पटना. पटना में बिहार राज्य महिला आयोग के दफ्तर में एक अनोखी शादी देखने को मिली, जहां परिवार के विरोध के बीच एक जोड़े ने सबके सामने विवाह रचा लिया। करीब 2 घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद लड़के ने आयोग के सामने ही लड़की की मांग में सिंदूर भर दिया। इस दौरान स्थिति को संभालने के लिए डायल 112 की टीम को भी बुलाना पड़ा। आयोग की अध्यक्ष प्रो. अप्सरा मिश्रा और सदस्यों की मौजूदगी में इस शादी को मान्यता दी गई। जानकारी के अनुसार, दोनों ने 2 जुलाई 2025 को पटना सिटी कोर्ट में तीन गवाहों की मौजूदगी में कोर्ट मैरेज कर ली थी। बावजूद इसके, लड़के का परिवार इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहा था। मामला खाजेकला

थाना क्षेत्र का है। लड़का पटना के खाजेकला का निवासी है। वहीं, लड़की संपतचक की निवासी है। जानकारी के मुताबिक, बजपन में लड़की के दादा का देहांत होने के बाद उनके चाचा प्रॉपर्टी हड़प कर गए। तब से पटना के ही अलग-अलग जगह पर किराए के घर में ही रह रही है।

लड़के के घर किराएदार थी आवेदिका

आवेदिका ने बताया कि, 'करीब ढाई साल पहले मैं अपने परिवार के साथ किराएदार के रूप में लड़के के यहां रहने आई थी। इसी दौरान हम एक-दूसरे को पसंद करने लगे और 6 महीने बाद ही हम दोनों ने एक दूसरे से प्यार का इजहार किया। इसके बाद उन्होंने शादी का फैसला लिया।' आवेदिका ने आगे बताया कि, 'लड़के के परिवार वाले बार-बार बहाना देते थे। कभी भाई तो कभी भगनी की शादी की बात कही जाती थी। उनकी मां मुझे कहती थी कि मेरे बेटे का पीछा छोड़ दो। मगर मैं लड़के से बहुत प्यार करती थी। बाद में हमने कोर्ट मैरेज का फैसला लिया। हमारी शादी 2 जुलाई 2025 को पटना के सिटी कोर्ट में तीन गवाहों के समक्ष हुई थी। हम दोनों के ऊपर कोई भी दबाव नहीं था और हमने बिना किसी दवाब के अपनी मर्जी से शादी की थी। उसके बाद मैं अपने पति के घर में ही किराएदार के रूप में रह रही थी। कुछ दिन बाद मैं खुद ही वहां से हटकर बगल में किराए पर रहने लगी और उनके पड़ोसी बन गई।' आवेदिका के मुताबिका, 'दिसंबर 2025 में लड़के के परिवार को पता चला कि हम दोनों ने कोर्ट में शादी कर ली है तो उनके माता-पिता, भाई-बहन ने शादी तोड़ने के लिए दबाव बनाया। यहां तक कि लड़का को घर से भगा दिया।

लड़के को परिवार ने संपत्ति से किया बेदखल

वहीं, लड़के ने बताया कि, 'मेरे माता-पिता, मेरी पत्नी को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। जब उन्हें पता चला कि मैंने शादी कर ली है तो उन्होंने मुझे संपत्ति से बेदखल कर दिया। मैं अपनी पत्नी को अपने साथ रखना चाहता हूं। मुझे अपनी पत्नी को छोड़ने के लिए बार-बार मेरे परिवार वालों की ओर से धमकी दी जा रही थी।' महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो अप्सरा ने कहा कि, 'लड़का और लड़की दोनों बालिग थे। दोनों ने कोर्ट मैरेज कर ली थी। उन लोगों की इच्छा थी कि माता-पिता आशीर्वाद दें और दोनों सुखमय जीवन गुजारे। मगर लड़का की मां लव मैरेज के खिलाफ हैं। वह इस रिश्ते को स्वीकार ही नहीं कर रही हैं। हमने लड़के की मां और परिजनों को बहुत समझाया, लेकिन कोई भी इस रिश्ते को लेकर राजी नहीं हुए। पांच बहनों में वह सबसे छोटा भाई है, जो कि घर का लाडला है। लड़का भी अपने माता-पिता का दिल दुखाकर शादीशुदा जिंदगी शुरू नहीं करना चाहता। मगर सारे तरफ से रास्ता बंद होने पर उन्होंने शादी का फैसला किया।' प्रो. अप्सरा ने बताया कि, 'अभी वे अलग से किसी किराए के घर में रहने गए हैं, जिसे फिलहाल उजागर नहीं किया जाएगा। महिला आयोग इस पर नजर रखी हुई है कि वो लोग सुरक्षित रहे। उन्हें सुनवाई के लिए 15 अप्रैल को फिर से आने को कहा गया है।'

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, शनिवार, 4 अप्रैल, 2026

6

www.ksnewsupdates.com

भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगा चुनाव आयोग?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है विधानसभा चुनाव के लिए एसआईआर की प्रक्रिया पिछले कई माह से चल रही है इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई चल रही है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस तरह से आर पार की लड़ाई लड़ रही है उसके कारण वह चुनाव आयोग और भाजपा के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन गई हैं। चुनाव आयोग का एसआईआर का खेल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने समझ लिया है फॉर्म नंबर 6 और 7 का जो खेल चुनाव आयोग में चल रहा है उसे भी विपक्षी दलों और ममता बनर्जी ने पहचान लिया है जिस तरह से केंद्रीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में बड़े अधिकारियों से लेकर बीएलओ तक के ट्रांसफर किए हैं। हर मामले में ममता बनर्जी और उनके अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठाया है हाई कोर्ट में भी ममता बनर्जी ने लड़ाई लड़ने में कोई कोताही नहीं बरती निश्चित रूप से चुनाव आयोग को जो संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है सरकार का संरक्षण प्राप्त है उसको देखते हुए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिला इसके बाद भी उन्होंने पूरी तरह से जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं उसमें एक धर्म विशेष के लोगों में जब हाईकोर्ट के जज का नाम कट गया उससे यह मामला जनता के बीच बड़ी तेजी के साथ पहुंच गया हाल ही में न्यायिक अधिकारी ब्लॉक ऑफिस में बैठकर जिन लोगों के नाम नहीं जुड़े थे उनकी शिकायतों पर जांच कर रहे थे उन न्यायिक अधिकारियों को मतदाताओं ने कई घंटे तक बंधक बना कर रखा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पूरी रात जाग कर प्रशासन को सक्रिय करना पड़ा उसके बाद सुनवाई कर रहे जजों को बाहर निकाला गया बाद में सुप्रीम कोर्ट को आदेश करना पड़ा कि सीआरपीएफ को न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की ड्यूटी में लगाया जाए इस मामले में पहले ही टीएमसी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए यह कह दिया था जिस बड़े पैमाने पर अधिकारियों के ट्रांसफर केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिना राज्य सरकार के परामर्श के किए गए हैं उसके बाद राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर पूरा प्रशासन काम कर रहा है कानून व्यवस्था की पश्चिम बंगाल में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है जिद मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उनकी संख्या लाखों में है और वह अपने नाम जुड़वाने के लिए शोध आक्रोशित होकर स्थानीय अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों के पास पहुंच रहे हैं। हरियाणा महाराष्ट्र तथा बिहार के चुनाव में किस तरह से फॉर्म 6 एवं 7 का दुरुपयोग किया गया है किस तरह से चुनाव में मतदाताओं के नाम जोड़ने और काटने में अंतिम समय पर चुनाव आयोग द्वारा हेराफेरी की गई है इसका खुलासा अब पूरी तरह से हो गया है राहुल गांधी ने जब पत्रकार वार्ता कर चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लगाए थे उस समय विपक्ष ने चुप्पी साध ली थी लेकिन चुनाव के दौरान किस तरह की गड़बड़ी होती है इसका खुलासा सबसे पहले राहुल गांधी ने किया था चुनाव आयोग ने अभी तक उसे पत्रकार वार्ता का जवाब नहीं दिया पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और टीएमसी के नेता सड़क से लेकर अदालत तक यह लड़ाई लड़ते चले आ रहे हैं पश्चिम बंगाल अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक रहता है जिसके कारण भाजपा को पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है टीएमसी का नेटवर्क गांव गांव तक फैला हुआ है जिस तरह से टीएमसी चुनाव आयोग के हर रिकॉर्ड को न केवल अपने पास संरक्षित कर रही है वरन चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जो मतदाता सूची जारी की जा रही है उसमें जरा सी भी गड़बड़ी होने पर कोर्ट पहुंच जाती है ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को और भाजपा को बुरी तरह से घेर लिया है पश्चिम बंगाल पहला राज्य होगा जहां से चुनाव आयोग के कारण भाजपा को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है पश्चिम बंगाल में चर्चाओं के दौरान यह कहा जा रहा है केंद्रीय चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार भाजपा के लिए आगे चलकर भस्मासुर बन सकते हैं। चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं कि वह भाजपा नेताओं के इशारे पर उनके मनपसंद अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव कार्य में लगा रहे हैं बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया है चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं जो भी कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होगी गड़बड़ी होगी उस सबके लिए वह चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा रहे हैं रही सही कसर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश पर जो न्यायिक अधिकारी मतदाता सूची के काम में लगे हुए हैं उनको बंधक बनाए जाने के बाद किस तरह की कानून व्यवस्था की स्थिति है यह सुप्रीम कोर्ट के सामने उजागर हो गया है। पश्चिम बंगाल में अभी मतदाता सूची फाइनल नहीं हुए हैं जल्द ही नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ेगा पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित कर पाना आसान नहीं होगा ममता बनर्जी को चुनाव आयोग ने पूरे तरह से अलग-अलग करके रख दिया है मानवाने तरीके से ट्रांसफर पोस्टिंग की गई है ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल के चुनाव में जो भी गड़बड़ी होगी या कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी उसके लिए चुनाव आयोग और भाजपा को जिम्मेदार ठहराना ममता बनर्जी के लिए आसान हो गया है। पहली बार एसआईआर के दौरान जो गड़बड़ियां हुई है वह सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड में आ गई है यह सही है कि कानून दान केंद्रीय चुनाव आयोग को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है उनके ऊपर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है लेकिन जिस तरह से जनता उत्तेजित हो रही है उसका काम में आज कहीं ना कहीं केंद्रीय चुनाव आयोग और भाजपा को भुगतना पड़ सकता है।

ट्रंप की मजबूर एग्जिट चाल, ईरान का भीषण प्रहार और इज़रायल की अग्निपरीक्षा

आज मध्य-पूर्व के तपते और बारूद की गंध से भरे रेगिस्तान में इतिहास की सबसे खतरनाक पटकथा लिखी जा रही है और दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ अमेरिका जैसी महाशक्ति की हेकड़ी ईरान के फौलादी इरादों के सामने पस्त पड़ती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो व्हाइट हाउस की कुर्सी संभालते ही ईरान को पत्थर युग में भेजने की गर्जना कर रहे थे, आज उसी ईरान की अभूतपूर्व सैन्य दृढ़ता और अचूक मिसाइल तकनीक के सामने खुद को बुरी तरह फंसा हुआ पा रहे हैं। ट्रंप का हालिया और चौंकाने वाला बयान, जिसमें उन्होंने अगले 2 से 3 हफ्तों के भीतर ईरान से अपनी सेना को बाहर निकालने की बात कही है, दरअसल कोई सोची-समझी कूटनीतिक जीत नहीं बल्कि एक हारी हुई बाजी से सुरक्षित निकलने की छटपटाहट है क्योंकि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी अब ईरान के आत्मसम्मान और उसकी मजबूत सैन्य घेराबंदी के सामने धराशायी हो चुकी है। ट्रंप जो खुद को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ डील मेकर कहते थे, आज ईरान की शर्तों के सामने बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं और उनकी शांति की बात दरअसल उनकी अपनी सैन्य विफलता और रणनीतिक हार को छिपाने का एक पारदर्शी पर्दा मात्र है। वे भली-भांति जानते हैं कि अगर वे अब इस युद्ध के मैदान से बाहर नहीं निकले, तो अमेरिका को एक ऐसे क्षेत्रीय महायुद्ध का सामना करना पड़ेगा जिसकी तबाही की आंच सीधे वाशिंगटन की दहलीज तक पहुँचेगी, क्योंकि ईरान ने साफ़ कर दिया है कि मध्य-पूर्व अब अमेरिका की जागीर नहीं है। ईरान का पक्ष आज इस संघर्ष में एक अजेय विजेता की तरह उभरा है जिसने पूरी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह अब केवल रक्षात्मक मुद्रा में नहीं रहेगा बल्कि आक्रामक रक्षा की नीति अपनाते हुए दुश्मन को उसके घर में घुसकर तबाह करेगा। हाल ही में तेल अवीव की अभेद्य कही जाने वाली सुरक्षा दीवारों को भेदती ईरानी मिसाइलों और जॉर्डन स्थित अमेरिकी अड्डों पर हुए अचूक हमलों ने यह साबित कर दिया है कि ईरान की सैन्य शक्ति को कम आंकना ट्रंप की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल थी। ईरान ने न केवल अमेरिकी धमकियों को कूड़ेदान में डाल दिया है बल्कि अपनी सैन्य श्रेष्ठता के दम पर युद्ध का भूगोल बदलने की ऐसी चुनौती दे दी है जिससे ट्रंप अंतरराष्ट्रीय मंच पर पूरी तरह अलग-थलग और लाचार पड़ गए हैं। इस बीच, ट्रंप के पीछे हटने के फैसले ने मध्य-पूर्व की बिसात पर एक ऐसा पावर वैक्यूम पैदा कर दिया है जिसे भरने के लिए रूस और चीन भूखे भेड़ियों की तरह घात लगाकर बैठे हैं और जैसे ही अमेरिकी सेना के कदम पीछे हटेंगे, पुतिन अपनी सैन्य साख और शी जिनपिंग अपनी असीमित आर्थिक शक्ति के जरिए इस तेल-समृद्ध क्षेत्र को पूरी तरह अपने प्रभाव में ले लेंगे। ट्रंप की यह एग्जिट चीन के लिए वह सुनहरा रास्ता खोल रही है जहाँ वह बिना एक भी गोली चलाए मध्य-पूर्व का नया आर्थिक और रणनीतिक महाबली बनकर उभरेगा, जो सीधे तौर पर अमेरिकी वैश्विक वर्चस्व के अंत का औपचारिक एलान होगा।

मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है

> “किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियां भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा।”

किशन सनमुखदास भावनानी

सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस !अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।माननीय जीवन ने गुणों क़े उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है! परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसनें मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है, बस !जरूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की ! तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि दृढ़ इच्छाशक्ति यह सफ़लताओं की चाबी है। मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं। साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।
साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।
साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौंसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, ऐसी बातें जिनपर अमल करके हमारी इच्छाशक्ति मजबूत होगी। अपने काम पर दृढ रहें,अपनी इच्छा शक्ति को बहुत ज्यादा मजबूत बनाने के लिए यह भी एक बहुत ही अच्छा तरीका है कि हम अपने काम पर बहुत जबरदस्त तरीके से फोकस करें। यानें हम अपने काम पर दृढ़ रहें। कोई कुछ भी कहे अगर हमने यह मन बना लिया है कि हमको ये काम करना है तो हमको ये काम करना ही करना है। हमको किसी और बातों पर ध्यान नहीं देना है। अगर हम अपने काम पर दृढ रहेंगे तो हमारा दिमाग यह बात समझ लेगा कि यह चीज हमारे जीवन में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए हम इस काम को बहुत ही दिल से मन लगा कर दृढ़ प्रतिज्ञ होकर कर रहे हैं।
साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति के लिए लक्ष्यों की करें तो, हम अपना लक्ष्य निश्चित करें अगर हमको हमारे जीवन में सफलता चाहिए तो यह हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सबसे पहले हम हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को निश्चित करें। तब ही हम किसी चीज को अपने जीवन में फॉलो कर पाओगे। नहीं तो ऐसे हम अपने जीवन में किस चीज को फॉलो करोगे, किस चीज के लिए हम विल पावर बढ़ाएंगे, तो सबसे पहले हमारे लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन में लक्ष्य को निर्धारित करें। एक बार हम अपने जीवन में अपने लक्ष्य को निर्धारित कर लेंगे उसके बाद हमारा दिमाग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने लगेगा। बस हम अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें।
साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को जगाने की करें तो, निम्न बिंदुओं पर अभ्यास कर इच्छाशक्ति को जाग्रत किया जा सकता है। इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए शुरुआत करने के लिए सबसे पहले हमें तनाव के स्तरर का प्रबंधन करने की जरूरत होती है। (1)सकारात्मक नजरिया (2) तनाव प्रबंधन करना सीखें (3) खुद पर पूरा विश्वास रखें (4)बेहतर ऊर्जा प्रबंधन करें (5) अंतःशक्तियों को केंद्रीभूत करें (6) स्वयं के प्रति ईमानदार बनें (7) सही पोषण, योग और व्यायाम।
साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के टॉनिक की करें तो, जैसे हैं वैसे ही बने रहें दिखावा बिल्कुल भी मत करें हम जैसे भी हो वैसे ही बने रहें। किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियां भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा।
आत्मविश्वास और इच्छाशक्तिजीवन में कई बार ऐसे मौके आएंगे, जब हमारा विश्वास डगमगाने लग जाएगा और हमको लगेगा कि हमारा लक्ष्य व्यर्थ है, लेकिन उस वक्त हमको इन नकरात्मकताओं से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है। चिंता ना करें, चिंतन करेंः किसी भी बात की चिंता मत करें। बल्कि उसके बारे में चिंतन करें कि इसका समाधान क्या हो सकता है। इससे एक तो हमारी मानसिक शक्ति बढ़ेगी और दूसरा हमारी समस्याओं का समाधान भी होगा। यह एक ऐसा अभ्यास है, इससे धीरे-धीरे हम इतने मजबूत हो जाएंगे कि हमको हर मुश्किल एक अवसर लगेगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि श्रेष्ठ और दृढ़ इच्छाशक्ति सफलता की चाबी है! मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है। प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है-दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफलताएं नतमस्तक होकर कदम चूमती है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

> “पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं।”

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।
निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।
पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं। आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ। ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

विनोद कुमार सिंह

बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ ‘कर्मयोगी साधना सप्ताह’ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल “नागरिक देवो भव” की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है—जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के “विकसित भारत 2047” के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित “विकसित भारत 2047” केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए “निरंतर सीखना” अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी “कहीं भी,कभी भी” सीख सकते हैं। iGOT जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम- आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निर्माता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में “कर्मयोगी” का अर्थ ही है-कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - iGOT प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की “अंतिम मील डिलीवरी” मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।इसी उद्देश्य से ‘कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट’ और ‘कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम’ जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं।सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा।

किशमिश में मिलाएं शहद, पाएं दोगुने फायदे

स्वास्थ्य के लिए किशमिश के फायदे तो लगभग कई लोगों को पता है। वहीं, अगर इसी किशमिश में शहद जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ को मिला दिया जाए तो इसके लाभ दोगुने हो सकते हैं। किशमिश और शहद को साथ में सेवन करने से अनेक लाभ हो सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि शहद और किशमिश का सेवन बीमारियों से बचाव या उनके लक्षणों को कम कर सकता है। इन्हें बीमारी का इलाज समझने की भूल न करें। गंभीर स्वास्थ्य समस्या के लिए डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लें। तो, अब जानते हैं बीमारियों से बचाव के लिए किशमिश और शहद खाने के फायदे, जो कुछ इस प्रकार हैं:

1. वजन बढ़ाने के लिए

अगर बढ़ता वजन चिंता का विषय है, तो कम वजन होना भी समस्या हो सकती है। वजन बढ़ाने के लिए शहद और किशमिश खाने के फायदे देखे जा सकते हैं। एक वैज्ञानिक रिसर्च की मानें, तो शहद युक्त डाइट से बच्चों का वजन बढ़ने की बात सामने आई है। इसके अलावा, शहद को वजन बढ़ाने वाले डाइट लिस्ट में भी शामिल किया गया है। वहीं, किशमिश में अच्छी मात्रा में कैलोरीज होते हैं। साथ ही इसमें फ्रुक्टोज होते हैं, जो वजन बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इस आधार पर माना जा सकता है कि इसका सेवन वजन को बढ़ाने में सहायता कर सकता है।
हालांकि, सीधे तौर पर अभी इस विषय में शोध की आवश्यकता है, क्योंकि किशमिश का नाम मोटापे के जोखिम से बचाने वाले डाइट में भी शामिल है। हां, शहद के साथ अगर किशमिश को लिया जाए, तो हो सकता है यह कॉम्बिनेशन वजन बढ़ाने में सहायक हो। ऐसे में बेहतर है इस बारे में एक बार डाइटीशियन की सलाह भी ली जाए। वहीं, एक साल से कम उम्र के बच्चों को शहद बिल्कुल न दें, क्योंकि इससे बोटुलिज्म जैसी स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

2. कब्ज से राहत

कब्ज से राहत दिलाने के लिए किशमिश शहद खाने के फायदे देखे जा सकते हैं। दरअसल, किशमिश

में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो कब्ज की परेशानी में उपयोगी हो सकता है। वहीं, शहद को भी कब्ज के लिए लाभकारी माना गया है। दरअसल, एनसीबीआई (नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन) की वेबसाइट पर प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, शहद आंतों में हानिकारक बैक्टीरिया को कम कर कब्ज की समस्या से राहत दिलाने का काम कर सकता है। इसके साथ ही, आयुर्वेद के अनुसार शहद पाचन क्रिया में सुधार करने में भी सहायक हो सकता है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अगर शहद और किशमिश का एक साथ सेवन किया जाए तो कब्ज की समस्या में सुधार होने के साथ-साथ पाचन क्रिया भी बेहतर हो सकती है।

3. प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए

शहद और किशमिश के फायदे प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए भी देखे जा सकते हैं। दरअसल, किशमिश में ट्राइटरपेनोइड्स नामक एक प्रकार का केमिकल कंपाउंड पाया जाता है। इस कंपाउंड में इम्युनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव होता है, इस प्रभाव को इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। साथ ही इसमें एंटी वायरल, एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो बीमारियों से बचाव में सहायक हो सकते हैं। आयुर्वेद में भी किशमिश को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ की लिस्ट में शामिल किया गया है।

वहीं, दूसरी तरफ शहद को भी इम्यून बूस्टर खाद्य पदार्थ माना जाता है। दरअसल, इसमें एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं। साथ ही इसमें मौजूद फ्लेवेनॉइड में एंटी कैंसर गुण मौजूद होते हैं, जो कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं। तो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के घरेलू उपाय में शहद और किशमिश उपयोगी माना जा सकता है।

4. रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए

किशमिश शहद खाने के फायदे उच्च रक्तचाप के मरीज पर भी नजर आ सकते हैं। इससे जुड़ी एक मेडिकल रिसर्च की मानें, तो किशमिश में पोटेशियम पाया जाता है। पोटेशियम रक्तचाप को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस विषय में हुए एक शोध के मुताबिक, 12 हफ्तों तक एक दिन में तीन बार किशमिश के सेवन से उच्च रक्तचाप की समस्या में कमी देखी गई है। इसके अलावा, शहद में क्वेरसेटिन (एक प्रकार का पॉलीफेनॉल) पाया जाता है , जो कि रक्तचाप को कम करने में कुछ हद तक सहायता कर सकता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन दोनों खाद्य पदार्थों की मदद से रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। वहीं, अगर कोई ब्लड प्रेशर की दवा का सेवन कर रहा हो तो बेहतर हैं इन्हें अपने आहार में शामिल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

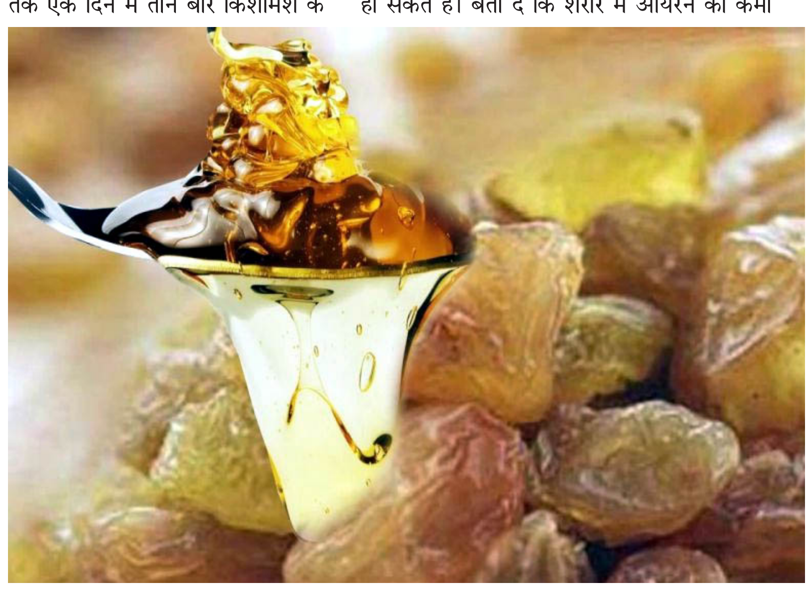

5. एनीमिया

खून की कमी की समस्या में भी शहद और किशमिश के फायदे देखे जा सकते हैं। दरअसल, शरीर में आयरन की कमी भी एनीमिया की समस्या के कारणों में से एक है। ऐसे में आयरन युक्त खाद्य पदार्थ के सेवन से इस समस्या से बचा जा सकता है। इन खाद्य पदार्थों में किशमिश भी शामिल है, जो शरीर में आयरन की पूर्ति कर सकता है। साथ ही शहद में आयरन होने के साथ-साथ कॉपर और मैग्नेशियम भी मौजूद होते हैं, जो शरीर में हीमोग्लोबिन (एक प्रकार का प्रोटीन) के स्तर को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। बता दें कि शरीर में आयरन की कमी से हीमोग्लोबिन का स्तर भी कम हो सकता है, जो एनीमिया का कारण बन सकता है। एनीमिया (खून की कमी) के लिए डाइट चार्ट में किशमिश और शहद को शामिल करना अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

6. ऊर्जा के लिए

शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने के लिए भी शहद और किशमिश खाने के फायदे हो सकते हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित रिसर्च की जानकारी के मुताबिक, शहद में मौजूद फ्रुक्टोज धीरे-धीरे रक्त में प्रवेश कर शरीर को निरंतर ऊर्जा देने का काम कर सकता है। इसके साथ ही शहद कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्त्रोत है, जिस कारण यह व्यायाम करने वाले व्यक्तियों के लिए उपयोगी हो सकता है। बता दें कि शरीर कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज में बदलता है और यही ग्लूकोज शरीर को ऊर्जा प्रदान कर सकता है। वहीं, दूसरे शोध के अनुसार, किशमिश को सालों से इसके एनर्जेटिक स्नैक्स के रूप जाना जाता है, जो शरीर को अधिक समय तक ऊर्जा प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

ऐसा इसमें मौजूद पोषक तत्वों के कारण मान सकते हैं। इसके अलावा, खेलकूद के दौरान भी किशमिश का सेवन लगातार शरीर को ऊर्जा प्रदान करने में उपयोगी पाया गया है। ऐसे में शरीर को अधिक ऊर्जावान बनाए रखने के लिए शहद और किशमिश का सेवन एक साथ करना लाभकारी हो सकता है। शहद किशमिश की गुणवत्ता को बढ़ा सकता है, जिससे सेहत को लाभ मिल सकते हैं।

किशमिश और शहद का उपयोग

किशमिश और शहद को साथ में मिलाकर कई तरह से सेवन किया जा सकता है। इन दोनों को साथ में खाने के तरीके कुछ इस प्रकार हैं:

कब और कैसे खाएं:

- किशमिश को शहद में मिलाकर सुबह नाश्ते के साथ सेवन कर सकते हैं।
- किशमिश और शहद को केक में इस्तेमाल कर दोपहर या शाम को खा सकते हैं।
- सुबह नाश्ते में शहद और किशमिश को ओटमील में खा सकते हैं।
- कुछ किशमिश चबाने के बाद शहद का सेवन कर सकते हैं।

कितना खाएं: वैसे तो एक दिन में किशमिश को 80 से 90 ग्राम यानी लगभग आधा कप तक लेने की सलाह दी जाती है। हालांकि, जब इसके साथ शहद लेने की बात आती है, तो बेहतर सुझाव के लिए डायटीशियन की मदद लेना उचित होगा।

किशमिश और शहद के नुकसान

जिस प्रकार शहद किशमिश खाने के फायदे होते हैं, उसी तरह इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। किशमिश और शहद के नुकसान में ये शामिल हैः

- किशमिश और शहद के नुकसान एलर्जी के रूप में भी दिखाई दे सकते हैं। दरअसल, किशमिश के सेवन से मुंह में खुजली या मतली जैसी समस्या हो सकती है। वहीं, शहद एनाफाइलेक्सिस (एक प्रकार की एलर्जी) का कारण बन सकता है।
- जैसे कि हमने लेख में पहले ही जानकारी दी है कि शहद वजन बढ़ाने में सहायक हो सकता है। ऐसे में इसके अधिक सेवन से वजन बढ़ने का जोखिम हो सकता है। वहीं, किशमिश में फ्रुक्टोज होता है। बता दें कि फ्रुक्टोज फलों में पाया जाने वाला शुगर होता है और इसके अधिक सेवन से वजन बढ़ने का जोखिम हो सकता है। हालांकि, इस विषय में अभी और शोध की आवश्यकता है, लेकिन बेहतर है इसका सेवन सिमित मात्रा में किया जाए।
- शहद के सेवन से फूड पॉइजनिंग की समस्या हो सकती है। इससे बोटुलिज्म हो सकता है, जो कि खासतौर पर बच्चों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में 1 साल से कम उम्र के बच्चों को शहद न दें और वहीं 1 साल से बड़ी उम्र के बच्चों को शहद देने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।
- किशमिश का सेवन दस्त का कारण बन सकता है। इसके अलावा, किशमिश में फाइबर मौजूद होता है, जिसका ज्यादा सेवन पेट फूलने या गैस जैसी समस्या का कारण बन सकता है। वहीं, शहद लैक्सेटिव प्रभाव डाल सकता है, जिससे पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

एनिमल केयरः कॅरियर का विकल्प

भारत में विश्व के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा पशु हैं। एक रिसर्च का हवाला देते हुए उन्होंने इस संख्या को लगभग 50 करोड़ के आसपास बताया है। लेकिन वेटरनरी डॉक्टरों की संख्या काफी कम है। पिछले कुछ सालों से जानवरों में होने वाली जानलेवा बीमारियों ने इस क्षेत्र की ओर ध्यान खींचा है। सरकार की ओर से भी इस दिशा में उपयोगी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में काफी नौकरियां पैदा हुई हैं। अगर आप जानवरों से प्यार करते हैं और उनके इर्द-गिर्द रहने में सहज हैं तो आप वेटरनरी साइंस व एनिमल केयर में शिक्षा और कॅरियर के विकल्प तलाश सकते हैं। जानवरों को पालने का शौक बहुत पुराना है लेकिन आधुनिक होते इस युग में यह चलन और बढ़ गया है। लोगों की पशुओं में बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं भी तेजी के साथ पनपी हैं। पशु चिकित्सकों के साथ-साथ कई और तरह के अवसर इस क्षेत्र में पैदा हुए हैं। यदि आप पशु डॉक्टर बनने का सपना देख रहे थे और वह पूरा नहीं हो पाया तो सिर्फ दो साल का डिप्लोमा करके आप अपना यह शौक पूरा कर सकते हैं।

निपुणता जरूरी

सेंसिटिव- पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होना वेटरनरी डॉक्टर का सबसे जरूरी गुण है।
पशु प्रेमी- पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम होने पर ही डॉक्टर उनकी परेशानियों को उनके हाव-भाव से समझ सकता है, क्योंकि वह अपनी परेशानी खुद बता पाने में असमर्थ होते हैं।
कोर्स : इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए अभ्यर्थी वेटरिनरि साइंसेज में बैचलर डिग्री और प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा डिप्लोमा, मास्टर डिग्री और पीएचडी स्तर पर भी संबंधित विषय में कोर्स उपलब्ध हैं।
बैचलर ऑफ वेटरिनरि साइंस एंड एनिमल हस्बैन्ड्री (5 वर्ष)
डिप्लोमा इन वेटरिनरि फार्मेसी (2 वर्ष)
मास्टर ऑफ वेटरिनरि साइंस (2 वर्ष)

पीएचडी इन वेटरिनरि साइंस (2 वर्ष)
वेटरनरी साइंस में बैचलर डिग्री कोर्स में एडमिशन लेने के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। वेटरिनरि काउंसिल ऑफ इंडियाहर साल मई और जून में इसके लिए परीक्षा आयोजित करती है। इस परीक्षा के माध्यम से अन्य राज्य के अभ्यर्थियों द्वारा 15 प्रतिशत सीटों को भरा जाता है। बची हुई सीटें संबंधित राज्य के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित होती हैं।

योग्यता

वेटरनरी साइंस में बैचलर डिग्री कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) के साथ 12वीं की परीक्षा में पास होना चाहिए। साथ ही 12वीं में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए।
वेटरनरी डॉक्टरों की तनख्वाह उनके पद और अनुभव के आधार पर तय होती है। सरकारी वेटरनरी केन्द्रों में फ्रैश ग्रेजुएट को जूनियर वेटरनरीसर्जन के तौर पर नियुक्त किया जाता है। यहां वह 10 हजार से 15 हजार प्रति माह आसानी से कमा लेते हैं। जैसे-जैसे वह अनुभवी होता जाता है उसकी तनख्वाह उसी अनुपात में बढ़ती जाती है। इसमें सरकारी व गैरसरकारी नौकरियों के अलावा विदेशों में भी खासी डिमांड है।

क्यों चुनें इस क्षेत्र को

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरुणा सिंह बताती हैं कि भारत में विश्व के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा पशु हैं। एक रिसर्च का हवाला देते हुए उन्होंने इस संख्या को लगभग 50 करोड़ के आसपास बताया है। लेकिन वेटरनरी डॉक्टरों की संख्या काफी कम है। पिछले कुछ सालों से जानवरों में होने वाली जानलेवा बीमारियों ने इस क्षेत्र की ओर ध्यान खींचा है। वेटरनरी इंडस्ट्री के कॉमर्शिय लाईजेशन तथा भारतीय सरकार की उदारीकरण नीतियों के कारण यह इंडस्ट्री काफी ग्रो कर रही है। पशु चिकित्सक सरकारी तथा गैर-सरकारी वेटरनरी अस्पतालों, एनिमल हसबेंडरी डिपार्टमेंट, पोल्ट्री फार्म, डेरी इंडस्ट्री, मिल्क एंड मीट प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, सीड इंडस्ट्री, फार्मास्युटिकल सेक्टर तथा एनिमल बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। निजी अस्पताल या क्लिनिक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

अब विवेक अग्निहोत्री बना रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' पर फिल्म

निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और निर्माता भूषण कुमार मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम की फिल्म बना रहे हैं। यह फिल्म पूर्व आर्मी चीफ केजेएस ढिल्लन की किताब ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान से प्रेरित है, जिसमें भारत की सीमाओं के भीतर और बाहर हुई महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाइयों का विवरण दिया गया है।
यह फिल्म आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े वास्तविक घटनाक्रमों पर आधारित होगी। विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि यह कहानी सिर्फ एक फिल्मी प्रस्तुति नहीं, बल्कि उन सच्चाइयों को सामने लाने का प्रयास है, जिन्हें आमतौर पर व्यापक रूप से नहीं जाना जाता। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उपमहाद्वीप की सुरक्षा

व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाओं पर आधारित है और इसमें उन पहलुओं को दिखाया जाएगा, जिन्होंने भारत की रणनीतिक सोच को नई दिशा दी। निर्देशक के अनुसार, फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थितियों और उसके जवाब में की गई कार्रवाइयों पर केंद्रित होगी।
इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के विभिन्न विभागों के साथ गहन शोध किया गया है, ताकि घटनाओं को यथासंभव तथ्यात्मक और प्रामाणिक तरीके से दर्शाया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म का उद्देश्य सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि सिनेमा के माध्यम से वास्तविक घटनाओं को स्पष्टता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना है। इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले किया जाएगा। हालांकि, फिल्म की कास्ट, शूटिंग शेड्यूल और रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों और फिल्म उद्योग में उत्सुकता बढ़ती जा रही है, खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय को छूती है।
विवेक अग्निहोत्री इससे पहले भी कई गंभीर और सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर आधारित फिल्में बना चुके हैं। उनकी चर्चित फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था और देशभर में व्यापक चर्चा का विषय बनी थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्म द बेंगाल फाइल्स भी सुर्खियों में है, जिसमें पश्चिम बंगाल से जुड़े मुद्दों को दिखाया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए अग्निहोत्री एक बार फिर वास्तविक घटनाओं को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

सान्या मल्होत्रा , आदित्य रावल फिल्म 'सुंदर पूनम' में नजर आयेंगी

बॉलीवुड में इन दिनों मजबूत कंटेंट और नई कहानियों वाली फिल्मों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दर्शक अब केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ऐसी फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ सकें। इसी ट्रेंड के बीच सान्या मल्होत्रा और आदित्य रावल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके को अपने सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। उन्होंने शूटिंग शुरू होने से पहले पारंपरिक मुहूर्त पूजा की और उसकी झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आता है, वहीं कुछ कैंडिड फोटोज में

वह अपने सह-कलाकारों के साथ दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में सान्या पूजा के दौरान आरती करती नजर आती हैं। यह फिल्म प्राइम वीडियो के 2026 के प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिससे इसकी पहुंच वैश्विक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन के रूप में नजर आईं। वीडियो में उनका किरदार पूनम एक रहस्यमयी स्थिति में दिखाई देता है, जहां उसका फोन लगातार बजता रहता है और 'सुंदर' व 'राजू' नाम से कॉल आते हैं। अंत में एक खबर सुनाई देती है कि कश्मीर में एक शादीशुदा जोड़ा लापता हो गया है, जो कहानी में सस्पेंस को और गहरा बना देता है। फिल्म की कहानी रोमांस, क्राइम और थ्रिलर का मिश्रण बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक वास्तविक घटना से प्रेरित है और इसमें एक नवविवाहित जोड़े की कहानी दिखाई जाएगी, जो हनीमून के लिए कश्मीर जाता है। इसी दौरान उनके अचानक गायब होने की खबर सामने आती है, जिसके बाद कई चौंकाने वाले खुलासे होते हैं।

कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट कांड में खुल गई कुंडली, रोहित बेहोश तो अली करता था सर्जरी

गिरफ्तार ओटी टेक्नीशियन राजेश और कुलदीप ने पुलिस पूछताछ में खोले राज

कानपुर, (ईएमएस)। कानपुर में सामने आए किडनी ट्रांसप्लांट कांड में अब एक-एक कर ऐसे राज खुल रहे हैं जो हैरान कर रहे हैं। गाजियाबाद से गिरफ्तार ओटी टेक्नीशियन राजेश कुमार और उसके साथी कुलदीप से पूछताछ में पुलिस को इस पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली। दोनों ने बताया कि यह कोई एक-दो लोगों का काम नहीं था, पूरी तरह संगठित टीम इसमें शामिल थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि एक डॉक्टर, जिसे वे 'डॉ. रोहित' के नाम से जानते थे, एनेस्थीसिया का काम संभालता था यानी मरीज को बेहोश करना उसकी जिम्मेदारी थी। इसके बाद दिल्ली के द्वारका से आने वाला एक अन्य डॉक्टर 'डॉ. अली' सर्जरी करता था। पूरी टीम तय समय पर पहुंचती, ऑपरेशन करती और फिर अलग-अलग गाड़ियों से रवाना होती थी। एक गाड़ी गाजियाबाद की ओर जाती, तो दूसरी लखनऊ के लिए निकलती। इस तरीके से उनकी ट्रैकिंग करना पुलिस के लिए मुश्किल हो जाता था।

राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि करीब तीन साल पहले उसकी मुलाकात डॉ. रोहित से एक मेडिकल सेमिनार में हुई थी। वहीं से इस नेटवर्क की शुरुआत मानी जा रही है। राजेश की तकनीकी समझ और काम करने के तरीके से प्रभावित होकर रोहित ने उसे अपने साथ काम करने का प्रस्ताव दिया। धीरे-धीरे कुलदीप सिंह राघव भी इस चेन में जुड़ गया और फिर यह पूरा नेटवर्क सक्रिय हो गया। राजेश के मुताबिक जनवरी से अब तक पांच किडनी ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा उस अस्पताल को लेकर हुआ, जहां ऑपरेशन किए जाते थे।

जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन शुरू होने से ठीक पहले अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते थे। इससे साफ है कि इस नेटवर्क ने पहले से ही हर कदम की प्लानिंग कर रखी थी, ताकि कोई सबूत न बचे। पुलिस ने जब उन टैक्सी ड्राइवरों से पूछताछ की, जो डॉक्टरों को लाते-ले जाते थे, तो एक और चौंकाने वाली बात सामने आई। ड्राइवरों ने बताया कि डॉक्टर अपने चेहरे को इस तरह ढक लेते थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। गाजियाबाद जाने वाली गाड़ी का किराया नकद दिया जाता था, जिससे उसकी ट्रैकिंग मुश्किल हो जाती थी। वहीं लखनऊ जाने वाली गाड़ी का भुगतान ऑनलाइन होता था, जिससे पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं। इन्हीं सुरागों के आधार पर अब जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

जांच में आशंका जताई जा रही है कि इस नेटवर्क से जुड़े डॉक्टर किसी बड़े और नामी अस्पतालों से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस इस एंगल पर भी काम कर रही है कि कहीं यह सिर्फ एक लोकल गैंग नहीं, बल्कि कई शहरों में फैला बड़ा रैकेट तो नहीं। फिलहाल इस मामले में सबसे बड़ी चुनौती फरार डॉक्टरों तक पहुंचना है। पुलिस ने लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ और देहरादून में अपनी टीमें भेजी हैं, जो लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। चार मुख्य डॉक्टरों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। पुलिस को शक है कि ये आरोपी देश छोड़कर भागने की कोशिश कर सकते हैं।

पूरे मामले की कड़ी फिलहाल 'डॉ. रोहित' पर टिकी है। वही इस नेटवर्क की मुख्य कड़ी है, जिसने बाकी डॉक्टरों और टेक्नीशियनों को जोड़ा, लेकिन रोहित फरार है, जब तक वह गिरफ्तार नहीं होता, तब तक इस पूरे नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने आना मुश्किल है। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी के मुताबिक, पुलिस लगातार दबिश दे रही है और जल्द ही इस मामले में बड़ा खुलासा हो सकता है। उन्होंने बताया कि कई अहम सुराग हाथ लगे हैं और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

जोधपुर नगर निगम का कारनामा, मृत और रिटायर्ड लोगों की ड्यूटी जनगणना में लगाई

जोधपुर, (ईएमएस)। 27 मार्च को कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी और निगम कमिश्नर ने 2084 लोगों की सूची जारी की। इसमें जनगणना के लिए ड्यूटी लगाई गई। इस सूची में जिन लोगों का निधन हो चुका है या जो रिटायर हो चुके हैं, उनके नाम भी शामिल हैं। सूची में एक नाम अब्दुल वाहिद है। उनका जोधपुर के लाला लाजपत राय कॉलोनी में घर है उनकी पत्नी नसीम बानो ने बताया कि 10 मई 2024 को पति अब्दुल वाहिद का निधन हो चुका है। वे जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में यूडीसी थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नसीम बानो ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी कैसे एक मृत व्यक्ति की ड्यूटी लगा सकते हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि 15 मई 2024 को नगर निगम की ओर से ही मृत्यु प्रमाण-पत्र भी जारी किया जा चुका है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी के पेंशनर्स कमेटी के संयोजक अशोक व्यास ने बताया कि वह अगस्त 2024 में विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हो गया था। इसके बावजूद उनकी ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई। उन्होंने कहा कि वह नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों से पूछना चाहेंगे कि किस अधिकार से उन्होंने उनकी ड्यूटी लगाई। ऐसा लगता है कि उन्होंने आंखें बंद कर ड्यूटी लगा दी है। जोधपुर की रामापीर कॉलोनी में दीपक अवस्थी का मकान है। दीपक जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में यूडीसी थे। उनका निधन 13 फरवरी 2026 को हो गया था। उनका भी सूची में नाम है। दीपक अवस्थी के दोस्त और साथी कर्मचारी रहे अशोक व्यास ने बताया कि दीपक अवस्थी के निधन का शोक संदेश भी छपवाया गया था। उसके बावजूद उनकी ड्यूटी लगा देना नगर निगम की लापरवाही है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

जन विश्वास विधेयक जीवन और व्यापार सुगमता के लिए बड़ा कदम : पीएम मोदी

- नए भारत के निर्माण और नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर

नई दिल्ली, (ईएमएस)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संसद में जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने को देश में जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया। पीएम मोदी ने कहा कि संसद द्वारा विधेयक पारित किए जाने से उन्हें ''अत्यंत प्रसन्नता'' हुई है। भारत सरकार ने देश के विनियामक ढांचे में एक क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए जन विश्वास विधेयक, 2026 को संसद से मंजूरी दिला दी है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक के पारित होने को नए भारत के निर्माण और नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने इस विधेयक को जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता के लिए प्रोत्साहन बताया। एक्स पर अपने संदेश में पीएम मोदी ने इस विधायी सुधार के मुख्य लाभों को रेखांकित किया। यह विधेयक सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की नींव को मजबूत करता है। पुराने और अप्रचलित नियमों को समाप्त कर शासन व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया है। छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने से अदालतों पर मुकदमों का बोझ कम होगा और मामलों का त्वरित निपटारा होगा। पीएम मोदी ने इस विधेयक के निर्माण में अपनाई गई गहन परामर्श प्रक्रिया की भी सराहना की।

पीएम मोदी ने विधेयक के मसौदे में अपने विचार साझा करने वाले तथा सदन में इसका समर्थन करने वालों की भी सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संसद में जन विश्वास विधेयक का पारित होना भारत के लिए जीवन और व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में एक ''बड़ा कदम'' है। गृह मंत्री ने पोस्ट में कहा कि कई कानूनी प्रावधानों में कटौती करके, यह विधेयक पीएम मोदी के नए भारत के सपने को साकार करता है और सभी के लिए जीवन को आसान और व्यापार को सरल बनाता है। छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने के लिए 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव करने वाले जन विश्वास विधेयक को गुरुवार को संसद की मंजूरी मिल गई। यह सुधार न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को सुधारेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर छोटे व्यापारियों और आम जनता को अनावश्यक कानूनी उलझनों से भी मुक्ति दिलाएगा।

डाकोर में चौंकाने वाला मामलाः मूर्तियां बेचने वाले गरीब फेरीवाले को करोड़ों की आयकर नोटिस

खेडा (ईएमएस)। गुजरात के डाकोर तीर्थधाम से एक बेहद हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। गोमती घाट पर छोटी-छोटी प्लास्टिक की मूर्तियां बेचकर अपना जीवन यापन करने वाले एक साधारण फेरीवाले को आयकर विभाग ने करोड़ों रुपये की नोटिस थमा दी है। जानकारी के अनुसार, खेडा जिले में डाकोर के डुंगरा क्षेत्र में सत्यनारायण मंदिर के सामने किराए के मकान में रहने वाले चिराग जगदीशभाई भैया फेरी लगाकर अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी आमदनी इतनी ही है कि किसी तरह घर का खर्च चल सके। लेकिन अचानक उनके नाम पर आयकर विभाग द्वारा भारी-भरकम नोटिस जारी कर दी गई। पेटलाद आयकर विभाग की ओर से भेजी गई इस नोटिस में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रु. 11.86 करोड़ और 2022-23 के लिए रु. 7.98 करोड़ के लेन-देन दर्शाए गए हैं। इस तरह कुल मिलाकर लगभग रु. 19.84 करोड़ की राशि का हिसाब मांगा गया है। इतनी बड़ी रकम की नोटिस देखकर फेरीवाला सदमे में आ गया।

लुधियाना में कांग्रेस नेता परमिंदर तिवारी की नृशंस हत्या, कुल्हाड़ी से किए ताबड़तोड़ हमले

लुधियाना, (ईएमएस)। पंजाब के लुधियाना में कांग्रेस नेता परमिंदर तिवारी की हत्या के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। हाल ही में सामने आए सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने इस हत्याकांड की बर्बरता को उजागर किया है, जिससे यह साफ हो गया है कि यह महज एक हमला नहीं बल्कि पूरी साजिश के साथ अंजाम दी गई कोल्ड ब्लडेड किलिंग थी। घटना के सीसीटीवी फुटेज में मुख्य आरोपी विजय कुमार उर्फ अजय वारदात से ठीक एक घंटे पहले शाम 5:47 बजे गांव की गलियों में कंधे पर कुल्हाड़ी लटकाए बेखौफ घूमता नजर आ रहा है। नशे में धुत आरोपी के चेहरे पर कानून का कोई डर नहीं दिख रहा था। ठीक 6:45 बजे उसने इस कुल्हाड़ी से परमिंदर तिवारी के सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर उनकी जान ले ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के चौंकाने वाले तथ्यों के अनुसार, तिवारी के सिर पर एक के बाद एक छह जानलेवा वार किए गए थे। हमला इतना घातक था कि उनकी खोपड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें संभलने या मदद के लिए पुकारने तक का मौका नहीं मिला। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अजय और उसका साथी लक्की मोटरसाइकिल से फरार होकर बिहार के पटना में जा छिपे थे।

राघव चड्ढा का जवाब- खामोश कराया, हारा नहीं: आप बोली- कोई मोदी से डर जाए तो क्या लड़ेगा

चंडीगढ़: आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने को लेकर शुक्रवार को पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किए वीडियो में कहा- मुझे खामोश कराया गया है, लेकिन मैं हारा नहीं हूं। आम आदमी को ये मेरा संदेश है। राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने पब्लिक के मुद्दे उठाए, इससे आप को क्या नुकसान हुआ? वीडियो के आखिर में उन्होंने आप को चेतावनी दी कि आवाज खामोश कराने वाले समय में सैलाब बनकर आऊंगा। हालांकि, राघव ने न तो पार्टी के किसी नेता का नाम लिया और न ही पार्टी छोड़ने या आगे की रणनीति को लेकर कुछ कहा। उधर, आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने कहा कि राघव चड्ढा सदन में पार्टी के मुद्दे उठाने के बजाय एयरपोर्ट की कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने की बात करते उठाते थे। सदन में पार्टी के लाए प्रस्ताव पर भी उन्होंने साइन करने से मना कर दिया था। कोई मोदी से डर जाए तो लड़ेगा क्या देश के लिए?

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राघव चड्ढा को कंप्रोमाइज्ड करार देते हुए कहा कि अगर कोई पार्टी लाइन के खिलाफ जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। आप ने गुरुवार को चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया था। पंजाब से ही राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी थी। लेटर में कहा कि चड्ढा को सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, राघव चड्ढा ने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और आप को लेकर कोई बयान नहीं दिया। यहां तक कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के वक्त वह UK में थे। शराब घोटाला मामले में केजरीवाल के बरी होने पर भी उन्होंने एक शब्द नहीं कहा था।

जिस मुद्दे को कोई नहीं उठाता, मैंने वह उठाएः वीडियो में चड्ढा संसद परिसर में खड़े होकर बोल रहे हैं। उन्होंने कहा- मुझे जब भी पार्लियामेंट में बोलने का मौका मिलता है, मैं जनता के मुद्दे उठाता हूं। शायद ऐसे टॉपिक्स उठाता हूं, जिसे आमतौर पर संसद में नहीं उठाया जाता। लेकिन क्या जनता के मुद्दे उठाना, पब्लिक इश्यूज पर बात करना कोई अपराध है। क्या मैंने कोई गुनाह कर दिया। क्या मैंने कुछ गलत किया।

मेरे बोलने पर रोक क्यों लगानी चाहीः ये सवाल आज मैं इसलिए पूछ रहा हूं, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सेक्रेटेरिएट को ये कहा है कि राघव चड्ढा के बोलने पर रोक लगा दी जाए। जी हां, आम आदमी पार्टी ने पार्लियामेंट को ये सूचित किया है कि राघव चड्ढा को बोलने का मौका न दिया जाए। राघव ने कहा कि अब भला कोई मेरे बोलने पर रोक क्यों लगाना चाहेगा। मैं तो जब बात करता हूं, देश के आम आदमी की बात करता हूं।

मैंने तो जनता के मुद्दे ही उठाएः मैं एयरपोर्ट पर मिल रहे महंगे खाने की बात करता हूं। जोमेटो-ब्लिंकिट के डिलीवरी राइडर्स की प्रॉब्लम की बात रखी। खाने में मिलावट का मुद्दा उठाया। टोल प्लाजा लूट से लेकर बैंक चार्जेस लूट की बात की। यहां तक कि मिडिल क्लास पर टैक्स के बोझ से लेकर कॉन्टेंट क्रिएटर्स पर स्ट्राइक क्यों की जाती है। टेलीकॉम कंपनियां कैसे 12 महीने में 13 महीने का हमसे रिचार्ज करवाती हैं।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्टःएयरपोर्ट से पकड़ाया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में AIMIM का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को SIR में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीडीओ ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था।

उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है।

- मालदा बंधक मामले की जांच एनआईए की डीआईजी सोनिया सिंह कर रही हैं। वह सुबह करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचीं, जिसके बाद सीधे मालदा के लिए रवाना हो गईं।
- वह कलियाचक थाने भी जा सकती हैं और घटनास्थल का दौरा करने की संभावना है। वहां से सैंपल इकट्ठा किए जा सकते हैं। इसके अलावा, 7 न्यायिक अधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है।
- प्रारंभिक जांच के बाद ही एनआईए इस मामले में केस दर्ज करेगी। इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों को एनआईए अपनी हिरासत में ले सकती है। EC ने पश्चिम बंगाल में सुरक्षा को लेकर सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां तैनात करने का आदेश दिया।

अयोध्या में बुर्का पहन लूटने वाली महिला हिंदू निकली: 4 माह की गर्भवती, खिलौना पिस्टल दिखा ज्वेलरी लूटी

अयोध्याः अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है। वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूट ली। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई। आरोपी पायल की पिछले साल 5 अप्रैल को शादी हुई थी। वह 4 महीने की गर्भवती है। पति के साथ पंजाब में रह रही थी। 16 अप्रैल को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए अयोध्या में मायके आई थी। पायल के पिता राम नवल ने बताया कि गुरुवार को ताबीज बनवाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसने बताया था कि उसकी तबीयत बार-बार खराब हो जाती है। उसने यह सब क्यों किया, नहीं पता। वारदात गुरुवार दोपहर 12.30 बजे हुई। ज्वेलरी की दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार की है। राम मंदिर से घटनास्थल की दूरी करीब 45 किमी है। शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

बुर्का पहनकर सोने का हार और चेन खरीदने पहुंची थी

रुदौली क्षेत्र के कोठी बाजार मोहल्ला के रहने वाले महेश सर्राफ व्यापारी हैं। उनकी घर से 900 मीटर दूर अग्रवाल कॉम्प्लेक्स में महेश ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। गुरुवार दोपहर को बुर्का पहने एक महिला पहुंची। उसके बाद एक पिट्ठू बैग था। दुकान में पहुंचकर उसने दुकानदार महेश से कहा- मुझे सोने का हार और चेन खरीदनी है। महेश ने उसके सामने एक सोने का हार और सोने की चेन रख दी। इसके बाद महिला ने महेश से पानी मांगा। महेश ने दुकान में काम करने वाले अंकित कुमार को पानी और समोसा लाने के लिए भेज दिया। कुछ देर बाद अंकित समोसा और पानी लेकर आ गया। मगर पायल ने समोसा खाने से मना कर दिया। पानी की बोतल ले ली। महेश ने महिला से समोसा खाने को कहा तो उसने कहा- मैं समोसा नहीं खाती हूं। मेरे लिए मिठाई मंगवा दीजिए। महेश ने अंकित को बर्फी लेने भेज दिया। इस दौरान दुकान के कर्मचारी मनीराम ने हार और चेन को उठाकर काउंटर पर रख दिया। तभी महिला खड़ी हुई और दुकान के अंदर इधर-उधर घूमने लगी।

एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मंडी के कारोबार में 50 फीसदी की कमी

- 70 हजार से ज्यादा श्रमिकों के सामने रोजगार का संकट

किशनगढ़ (ईएमएस) राजस्थान के किशनगढ़ स्थित एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मंडी में इन दिनों कारोबार में करीब 50 प्रतिशत तक की कमी की है। निर्माण क्षेत्र में सुस्ती, बढ़ती लागत और बाहरी मांग में कमी के कारण मार्बल उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मंडी में पहले जहां प्रतिदिन सैकड़ों ट्रकों से माल की आवक-जावक होती थी, अब यह संख्या काफी घट गई है। उद्योग से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि नए ऑर्डर लगभग ठप हो गए हैं। पुराने भुगतान भी समय पर नहीं मिल पा रहे हैं। इसका सीधा असर यहां काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ा है। अनुमान है कि 70 हजार से अधिक श्रमिकों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। कई छोटे कारखाने अस्थायी रूप से बंद हो चुके हैं, जिससे दिहाड़ी मजदूरों की आय प्रभावित हुई है। व्यापार मंडल ने सरकार से राहत पैकेज और करों में छूट की मांग की है, ताकि उद्योग को दोबारा पटरी पर लाया जा सके। ताकि श्रमिकों की आजीविका सुरक्षित रह सके।

एसआई भर्ती परीक्षा 5-6 को, नकल गिरोह की सूचना देने पर मिलेगा 1 लाख इनाम

-फर्जीवाड़ा और नकल रोकने रखी जा रही नजर, संदिग्ध वाहनों की चेकिंग शुरू

जयपुर, (ईएमएस)। सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की परीक्षा 5 और 6 अप्रैल को पूरे प्रदेश में आयोजित की जा रही है। एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर राजस्थान पुलिस समेत सभी एजेंसियां अलर्ट हैं। एसओजी की ओर से फर्जीवाड़ा और नकल रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। नकल गिरोह की सूचना देने पर एसओजी की ओर से एक लाख रुपए इनाम का ऐलान किया है। एडीजी (एसओजी) ने बताया कि आगामी 5 व 6 अप्रैल को नई सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा होगी। राजस्थान के 26 जिलों के 41 शहरों में 1174 परीक्षा केंद्र पर 7.70 लाख कैंडिडेट परीक्षा देंगे। एसओजी, पुलिस सहित अन्य सभी एजेंसिया अलर्ट मोड पर हैं। पेपर लीक और नकल गिरोह से जुड़े सभी बदमाशों पर नजर रखी जा रही है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से एक एसओपी भी जारी की गई है। परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के आस-पास संचालित फोटो कॉपी की शॉप और साइबर कैफे बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि सादावर्दी में तैनात जवानों की ओर से सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। प्रदेश में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग शुरू की गई है, जो परीक्षा होने तक जारी रहेगी। प्रश्न पत्रों की जिला ट्रेजरी में डबल लॉक में रखे जाएंगे। जहां पर विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं।

परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात होगी। नकल गैंग की सही सूचना देने पर एक लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। इस संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना एसओजी के वॉट्सएप नंबर-9530429258 पर दी जाएगी। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

हवाई किराया बढ़ाया तो सरकार दखल देगी:एयरलाइंस के साथ जल्द मीटिंग करेगी; एटीएफ के दाम दोगुने, इंडिगो की उड़ानें 10,000 तक महंगी

नई दिल्लीः एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद कई एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे यात्रियों पर बढ़ते बोझ को देखते हुए केंद्र सरकार अब इस मामले में हस्तक्षेप करने की तैयारी में है। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार जल्द ही एयरलाइंस के साथ मीटिंग कर सकती है ताकि आम लोगों को महंगे सफर से राहत मिल सके। सरकार ने अभी तक कोई लिखित निर्देश तो जारी नहीं किया है, लेकिन एयरलाइंस से उनकी प्राइसिंग स्ट्रैटेजी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्री किरायों में बढ़ोतरी न हो।

घरेलू उड़ानों पर 8.5% और इंटरनेशनल पर दोगुना हुए दाम

एटीएफ की कीमतों में हाल ही में सोझ समझकर बढ़ोतरी की गई थी। सरकार ने एविएशन सेक्टर को सपोर्ट देने के लिए कीमतों में कुल 25% की बढ़ोतरी की अनुमति दी थी। हालांकि, आम यात्रियों को राहत देने के लिए घरेलू ऑपरेशंस के लिए प्रभावी बढ़ोतरी को करीब 8.5% तक ही सीमित रखा गया था। वहीं इंटरनेशनल ऑपरेशंस और चार्टर्ड फ्लाइट्स के लिए एटीएफ के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। यह 96,638.14 रुपए प्रति किलोलीटर से बढ़कर 2,07,341.22 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया है। घरेलू एटीएफ की कीमत अब 1,04,927.18 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है।

इंडिगो ने 10 हजार रुपए तक फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया

भले ही सरकार ने घरेलू स्तर पर बोझ कम रखने की कोशिश की, लेकिन देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव किया। इंडिगो ने पहले के 425 रुपए के फ्लैट सरचार्ज को हटाकर अब दूरी के हिसाब से नया स्ट्रक्चर लागू किया है। डोमेस्टिक रूट्सः अब दूरी के आधार पर 275 रुपए से लेकर 950 रुपए तक का फ्यूल सरचार्ज लगेगा। कम दूरी की उड़ानों के लिए यह राहत की बात है, लेकिन लंबी दूरी की घरेलू उड़ानें महंगी हो गई हैं।

इंटरनेशनल रूट्सः यहां सबसे ज्यादा असर पड़ा है। यूरोप जैसे लॉन्ग-हॉल रूट्स पर इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज 10,000 रुपए तक बढ़ा दिया है। ये नई दरें 2 अप्रैल से लागू हो चुकी हैं।

जेट फ्यूल एयरलाइंस की लागत का 40% हिस्सा

एविएशन सेक्टर के जानकारों का कहना है कि किसी भी एयरलाइन के कुल ऑपरेटिंग कॉस्ट (परिचालन लागत) में फ्यूल का हिस्सा करीब 40% होता है। ऐसे में एटीएफ की कीमतों में मामूली बदलाव भी एयरलाइंस के मुनाफे पर सीधा असर डालता है। एयरलाइंस का तर्क है कि लागत बढ़ने की वजह से वे इस बोझ को यात्रियों पर डालने के लिए मजबूर हैं।

सरकार के हस्तक्षेप से क्या किराया कम होगा?

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि केंद्र सरकार के दखल के बाद एयरलाइंस को अपने बढ़े हुए सरचार्ज पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। सरकार चाहती है कि एयरलाइंस पूरा बोझ ग्राहकों पर न डालें, बल्कि इसे धीरे-धीरे एडजस्ट करें। अगर बातचीत सफल रहती है, तो आने वाले दिनों में कुछ रूट्स पर सरचार्ज में कटौती या रोलबैक देखने को मिल सकता है।

ट्रंप की नई धमकी, अब ईरान के पुलों पर होंगे हमले, फिर बिजली प्लांट पर

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ट्रम्प ने ईरान को लेकर नई धमकियां दी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने अभी तक ईरान के बचे-खुचे इन्फ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह निशाना बनाना शुरू नहीं किया है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- दुनिया की सबसे ताकतवर अमेरिकी सेना का अगला निशाना अब पुल होंगे, उसके बाद बिजली प्लांट। उन्होंने यह भी कहा कि नए नेतृत्व को पता है कि क्या करना है और उसे जल्दी करना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान में जिस पुल पर हमला किया गया, उसका मकसद ड्रोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की आवाजाही को रोकना था। ईरान का कहना है कि यह एक नागरिक पुल था और इसे नष्ट करना युद्ध अपराध है। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान अगर अमेरिका के 15 बिंदुओं वाले प्रस्ताव को नहीं मानता, तो अमेरिका ईरान के अंदर अपने सैन्य हमले और तेज कर देगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है। बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद दुनिया के बाजार को सुरक्षित रखना और सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक में रुकावट को रोकना है।
ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे।

अमेरिकी का दूसरा एफ-35 फाइटर जेट गिराने का ईरान ने किया दावा, पायलट का बचना मुश्किल

ईरान ने अमेरिका का शक्तिशाली एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट मार गिराने का दावा किया है। ईरानी बलों ने अमेरिका का दूसरा एफ-35 लड़ाकू विमान मार गिराया है। एजेंसी ने यह भी दावा कि पायलट को गंभीर चोटें आई हैं और उसके बचने की संभावना कम है। अभी तक अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस बारे में कोई बयान या टिप्पणी नहीं की है। ईरान के खतम अल-अंबिया मुख्यालय के प्रवक्ता के मुताबिक सेंट्रल ईरान के क्षेत्र में दूसरा अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ फाइटर मार गिराया गया। बयान में कहा कि एफ-35 लाइटनिंग-2 को ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम ने निशाना बनाया। यह फाइटर जेट ब्रिटेन में रॉयल एयर फोर्स लेकनहीथ से जुड़े एक स्क्वाड्रन का हिस्सा था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मध्य ईरान के ऊपर एक दूसरे पांचवीं पीढ़ी के अमेरिकी एफ-35 विमान पर हमला कर उसे मार गिराया। टकराते समय और क्रैश के दौरान जबरदस्त धमाके को देखते हुए इस बात की संभावना कम ही है कि पायलट इजेक्ट हो पाया होगा। ईरान ने इसके दो सप्ताह पहले दावा किया था उसने एक अमेरिकी एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान पर हमला किया था। 19 मार्च को सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि अमेरिका एक एफ-35 फाइटर जेट ईरान के ऊपर युद्ध मिशन पर था, जब उसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। हॉकिन्स ने कहा कि विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और जांच की जा रही है। सूत्रों के हवाले से बताया था कि विमान पर ईरान की तरफ से हमला हुआ था। बता दें एफ-35 को अमेरिका के सबसे आधुनिक और शक्तिशाली विमानों में गिना जाता है। अगर ईरान का दावा सच होता है तो अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट के वर्चस्व के लिए बड़ा झटका होगा। ईरान के खिलाफ संघर्ष में अमेरिका और इजराइल दोनों ही एफ-35 फाइटर जेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस विमान की कीमत 10 करोड़ डॉलर से ज्यादा है।

ईरान से अगर डील नहीं हुई तो उपराष्ट्रपति वैंस होंगे दोषी, हुई तो मैं लूंगा क्रेडिट

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जंग के बीच आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज के अलावा दो और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी पद से हटाने का फैसला किया है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हटाए गए अफसरों में आर्मी के ट्रांसफॉर्मेशन एंड ट्रेनिंग कमांड के चीफ जनरल डेविड होडने और आर्मी के चैपलिन कॉर्प्स के चीफ जनरल विलियम ग्रीन जूनियर शामिल हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से समझौते को लेकर कहा कि अगर यह डील नहीं हुई, तो वह उपराष्ट्रपति जेडी वैंस को दोषी ठहराएंगे। अगर यह हो जाती है, तो मैं इसका पूरा क्रेडिट लूंगा।' ट्रम्प ने यह बात व्हाइट हाउस में आयोजित इस्टर लंच के दौरान मजाक करते हुए कही। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग कल के लिए टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है।

अमेरिकी सैन्य नेतृत्व में फेरबदल, रक्षा मंत्री ने आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को पद से हटाया

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख (आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ) जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का कड़ा निर्देश दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण भू-राजनीतिक तनाव के बीच उठाए गए इस कदम ने पेंटागन और वैश्विक रक्षा गलियारों में खलबली मचा दी है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने अपना पद त्याग दिया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सेना के 41वें प्रमुख के पद से तत्काल रिटायर हो रहे हैं। विभाग ने उनकी दशकों की सेवा के लिए आभार व्यक्त किया है।

जनरल जॉर्ज की जगह अब सेना के उप प्रमुख जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। वे तब तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे जब तक कि सीनेट द्वारा उनके उत्तराधिकारी के नाम की औपचारिक पुष्टि नहीं हो जाती। गौरतलब है कि जनरल जॉर्ज ने सितंबर 2023 में यह पद संभाला था और उनके चार साल के कार्यकाल में अभी लगभग डेढ़ साल का समय शेष था। हेगसेथ के रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद जॉर्ज पद से हटाए जाने वाले सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई केवल एक पद तक सीमित नहीं है, जॉर्ज के साथ दो अन्य वरिष्ठ जनरलों को भी हटाया गया है, जो सेना के प्रशिक्षण और चैपलेंसी कार्यों की देखरेख कर रहे थे।
इस आकस्मिक बदलाव पर अमेरिका के भीतर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। कांग्रेसी यूजीन विंडमैन ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जनरल जॉर्ज एक उत्कृष्ट जनसेवक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री केवल अपनी बातों में हां में हां मिलाने वाले अधिकारियों को सेना के शीर्ष पर देखना चाहते हैं। विंडमैन ने सीधे तौर पर रक्षा मंत्री हेगसेथ की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन अधिकारियों को किनारे करना गलत है जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। पेंटागन ने इस अचानक की गई बर्खास्तगी के पीछे के विस्तृत कारणों का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, यह फेरबदल ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी सेना पहले से ही आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना कर रही है। हाल ही में एक अपाचे हेलीकॉप्टर क्रू से जुड़े विवाद में हेगसेथ के सीधे दखल ने भी सैन्य अनुशासन और प्रोटोकॉल को लेकर नई बहस छेड़ दी थी। सेना प्रमुख का पद अमेरिका में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, जो पूरी सेना की तैयारी और ऑपरेशन्स के लिए जिम्मेदार होता है। इस स्तर पर बिना किसी पूर्व सूचना के किया गया बदलाव अमेरिकी सैन्य इतिहास में विरला ही देखा जाता है।

ट्रंप के रोज बदल रहे बयान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा कर रहेः मैक्रों

पेरिस,(ईएमएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बदलती बयानबाजी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप रोज अपने बयान बदल रहे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा हो रही है। मैक्रों ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर सैन्य कार्रवाई के विचार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते को बलपूर्वक "मुक्त" कराने का सुझाव अव्यवहारिक है और इससे बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं।
उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी किसी कार्रवाई में लंबा समय लगेगा और जहाजों को ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और बैलिस्टिक मिसाइलों से खतरा बना रहेगा।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों का यह बयान ऐसे समय आया है जब हॉर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही युद्ध के कारण प्रभावित हो चुकी है, जिससे वैश्विक तेल सप्लाई और व्यापार पर असर पड़ रहा है। मैक्रों ने यह भी कहा कि अमेरिका के विरोधाभासी संकेत नाटो जैसे गठबंधन को कमजोर कर सकते हैं। उनका कहना था कि अगर अमेरिका अपने रुख पर स्पष्ट नहीं रहता, तो सहयोगियों का भरोसा कम होता जाएगा। इस बीच ट्रंप ने भी नाटो की आलोचना करते हुए इसे "कागज़ी शेर" बताया और कहा कि बड़े युद्ध में सहयोगी साथ नहीं देंगे। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संकेत दिया कि युद्ध के बाद अमेरिका नाटो के साथ अपने संबंधों की समीक्षा कर सकता है। ईरान युद्ध अब केवल सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच बढ़ते मतभेद का कारण भी बनता जा रहा है।

होर्मुज में सैन्य कार्रवाई की मांग को लेकर लाए गए प्रस्ताव पर रूस-चीन और फ्रांस ने लगाया वीटो

जिनेवा,(ईएमएस)। मध्य पूर्व में जारी भीषण युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को खोलने का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के केंद्र में आ गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बहरीन और अन्य खाड़ी देशों द्वारा समर्थित एक अहम प्रस्ताव को रूस, चीन और फ्रांस के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है। इस प्रस्ताव में ईरान द्वारा की गई नाकेबंदी को हटाने के लिए सदस्य देशों और बहुराष्ट्रीय नौसैनिक बलों को सभी आवश्यक साधनों यानी सैन्य बल के उपयोग की अनुमति देने की मांग की गई थी। सुरक्षा परिषद के इन तीन स्थायी सदस्यों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे सैन्य हस्तक्षेप को बढ़ावा देने वाली किसी भी शब्दावली के पक्ष में नहीं हैं, जिसके चलते यह प्रस्ताव फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सैन्य विकल्प को अवास्तविक करार देते हुए तर्क दिया है कि बल प्रयोग से तट पर तैनात ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और उनकी बैलिस्टिक मिसाइलों का खतरा और अधिक बढ़ जाएगा, जिससे स्थिति और भयावह हो सकती है। गौरतलब है कि 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद ईरान ने इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को बंद कर दिया था। विश्व का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और गैस इसी मार्ग से गुजरता है। इस नाकेबंदी के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कतर जैसे देशों को उत्पादन बंद होने से सालाना 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही, शिपिंग और बीमा की लागत में भी भारी उछाल आया है। सुरक्षा परिषद की बैठक में बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल ज़यानी ने ईरान पर तीखा हमला बोलते हुए उसकी मंशा को आक्रामक और धोखेबाजी करार दिया।

जंग का दूसरा चरणः ईरान में स्टील प्लांट, ब्रिज-अस्पताल, मेडिकल लैब को कर दिया ध्वस्त

तेहरान,(ईएमएस)। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष अब एक अत्यंत विनाशकारी और खतरनाक चरण में प्रवेश कर गया है। अमेरिका और इज़रायल की वायु सेनाओं ने ईरान के भीतर सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब सिविलियन और आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्फ़हान के एयरपोर्ट और होर्मोज़गान के बंदरगाहों सहित रणनीतिक महत्व के कई नागरिक क्षेत्रों पर भारी बमबारी की गई है। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कड़े रुख के बाद शांति की उम्मीदें पूरी तरह टूटती नजर आ रही हैं और जंग अब एक ऐसी दिशा में मुड़ गई है जहां अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

जंग के इस नए फेज का सबसे भयावह पहलू रिहायशी और मानवीय सहायता से जुड़े ठिकानों पर हो रहे हमले हैं। तेहरान में एक सदी पुराने पाश्चर इंस्टीट्यूट जैसे प्रतिष्ठित मेडिकल रिसर्च सेंटर, प्रमुख पुलों, अस्पतालों और स्टील प्लांटों को तबाह किया जा रहा है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और जिनेवा कन्वेंशन का सीधा उल्लंघन बताते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और रेड क्रॉस से हस्तक्षेप की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन हमलों का उद्देश्य केवल सैन्य क्षमता घटाना नहीं, बल्कि ईरान की सप्लाई चेन और अर्थव्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर उसे पाषाण युग में धकेलना है।
जमीनी हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फरवरी के अंत से अब तक ईरान में अमेरिकी और इज़रायली हमलों में करीब 2,076 लोग जान गंवा चुके हैं, जबकि 26,500 से अधिक घायल हुए हैं। उधर, इज़रायली सेना ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के 40 से अधिक लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है, जिसके जवाब में हिज़्बुल्लाह ने भी उत्तरी इज़रायल पर मिसाइलें दागी हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ़ सलाम ने देश की स्थिति को बेहद नाज़ुक बताया है। कानूनी मोर्चे पर भी अमेरिका के भीतर ही विरोध के स्वर उठने लगे हैं। हार्वर्ड, येल और स्टैनफोर्ड जैसे संस्थानों के 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञों ने एक खुला पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि नागरिक बुनियादी ढांचे और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाना युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

तबाही बनकर इजराइल पर टूटा, 40 मिनट में किए 11 हमले

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को धमका रहे हैं। लेकिन ईरान है कि उन्हे गंभीरता से लेने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि औसतन 40-40 मिनिट में 11-11 हमले ईरान कर रहा है। ऐसे ही हमले इजराइल पर किए हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी आक्रामक विदेश नीति और तेल संसाधनों को लेकर कड़े रुख के कारण वैश्विक चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और वहां के तेल संसाधनों पर प्रभाव जमाने के बाद, ट्रंप का अगला बड़ा निशाना ईरान रहा है। 28 फरवरी को इजराइल के साथ मिलकर शुरू किए गए हमलों के 34वें दिन भी ईरान पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आया है, लेकिन ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका इस युद्ध को जीतने के कगार पर है।
राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, अमेरिकी हमलों ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व और सैन्य ढांचे को लगभग ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध अब अंतिम चरण में है और ईरान के पास अब कोई प्रभावी नेतृत्व नहीं बचा है। हालांकि, सबसे चौंकाने वाला बयान उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि होर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही बहाल करना उनके युद्ध के लक्ष्यों में शामिल नहीं था। उन्होंने कहा, होर्मुज जिसकी समस्या है, वही इसे देखे। अमेरिका के पास पर्याप्त तेल है, और यदि किसी को चाहिए तो वह हमसे ले सकता है, अन्यथा खुद जाकर होर्मुज से अपना रास्ता साफ करे।

वियतनाम में एजेंट ऑरेंज का मानवता के खिलाफ सबसे क्रूर प्रयोग

वॉशिंगटन (ईएमएस)। 1960 के दशक में अमेरिका द्वारा वियतनाम वार के दौरान इस्तेमाल किया गया रासायनिक हथियार एजेंट ऑरेंज आज भी मानवता के खिलाफ सबसे क्रूर प्रयोगों में गिना जाता है। अमेरिका ने वियतनाम में अपनी सैन्य रणनीति के तहत इस खतरनाक रसायन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया।

इसके दूरगामी परिणाम इतने भयावह रहे कि दशकों बाद भी वियतनाम इसकी कीमत चुका रहा है। 1961 से 1971 के बीच 'ऑपरेशन रैंच हैंड' के तहत अमेरिकी वायुसेना ने वियतनाम के विशाल इलाकों पर एजेंट ऑरेंज का छिड़काव किया। यह रसायन मुख्य रूप से 2,4-डी और 2,4,5-टी नामक केमिकल्स का मिश्रण था, लेकिन इसके निर्माण के दौरान इसमें टीसीडीडी नामक अत्यंत विषैला डाइऑक्सिन मिल गया, जो लंबे समय तक पर्यावरण और मानव शरीर में बना रहता है। यह पानी में आसानी से नहीं घुलता, बल्कि मिट्टी और जीवित प्राणियों के वसा ऊतकों में जमा होकर धीरे-धीरे गंभीर बीमारियों को जन्म देता है। इस रसायन के छिड़काव ने वियतनाम के पारिस्थितिकी तंत्र को गहरी चोट पहुंचाई। लाखों एकड़ उपजाऊ भूमि बंजर हो गई, घने जंगल सूख गए और जैव विविधता को भारी नुकसान हुआ। रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब 45 लाख एकड़ क्षेत्र में 1.9 करोड़ गैलन से अधिक एजेंट ऑरेंज का उपयोग किया गया। इसके चलते पेड़-पौधे नष्ट हो गए और कई इलाकों में खेती करना असंभव हो गया।
मिट्टी में मौजूद डाइऑक्सिन आज भी कुछ क्षेत्रों को 'हॉटस्पॉट' बनाकर रखे हुए है, जहां रहना और खेती करना जोखिम भरा है। मानव स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव और भी भयावह रहा। एजेंट ऑरेंज के संपर्क में आने वाले लाखों लोगों में कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज, श्वसन रोग और अन्य गंभीर बीमारियां देखी गईं। सबसे चिंताजनक पहलू इसका टेराटोजेनिक प्रभाव है, जिसके कारण गर्भ में पल रहे शिशुओं का विकास प्रभावित हुआ। वियतनाम में आज भी हजारों बच्चे जन्मजात विकृतियों, मानसिक अक्षमता और शारीरिक अपंगता के साथ पैदा हो रहे हैं। कई परिवारों में यह असर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक देखा जा रहा है। हो ची मिन्ह सिटी के वार मेमोरियल संग्रहालय में आज भी इस त्रासदी की झलक देखने को मिलती है, जहां तस्वीरें और दस्तावेज इस रासायनिक युद्ध के भयावह परिणामों को दर्शाते हैं। यह केवल एक युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ किए गए ऐसे प्रयोग की गवाही है, जिसने अनगिनत जिंदगियों को प्रभावित किया। हालांकि बीते वर्षों में अमेरिका और वियतनाम ने मिलकर कुछ प्रभावित क्षेत्रों को साफ करने के प्रयास किए हैं, लेकिन यह काम बेहद जटिल और समय लेने वाला है। कुछ हवाई अड्डों और हॉटस्पॉट्स को डाइऑक्सिन मुक्त करने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, फिर भी पूरी तरह से इस जहर को खत्म करना संभव नहीं हो पाया है। एजेंट ऑरेंज का इतिहास यह साबित करता है कि युद्ध में इस्तेमाल किए गए रासायनिक हथियार केवल तत्काल नुकसान ही नहीं पहुंचाते, बल्कि उनका असर पीढ़ियों तक बना रहता है।

भारत समेत अन्य देशों से समझौतों के चलते व्यापार घाटे में रिकॉर्ड कमीः अमेरिका

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी प्रशासन ने अपनी नई व्यापारिक और टैरिफ नीतियों के एक साल पूरे होने पर लिबरेशन डे के रूप में अपनी उपलब्धियों का ब्यौरा साझा किया है। व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत सहित दुनिया के कई प्रमुख देशों के साथ किए गए नए व्यापार समझौतों ने अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। प्रशासन के अनुसार, इन नीतियों के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था न केवल अधिक प्रतिस्पर्धी हुई है, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में भी खरबों डॉलर का निवेश वापस लौटा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच अमेरिका का वस्तु व्यापार घाटा पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत तक घटा है, जो अमेरिका फर्स्ट नीति की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।
व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले एक साल में 20 से अधिक नए व्यापार समझौते किए गए हैं, जो वैश्विक जीडीपी के आधे से अधिक हिस्से को कवर करते हैं। इन समझौतों ने भारत, जापान, वियतनाम और अर्जेंटीना जैसे बड़े साझेदारों के साथ गैर-टैरिफ बाधाओं को कम किया है, जिससे अमेरिकी कृषि, ऊर्जा और औद्योगिक उत्पादों के लिए नए बाजार खुले हैं। विशेष रूप से चीन के साथ व्यापार घाटे में 32 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। साल 2000 के बाद यह पहली बार हुआ है कि चीन अब वह देश नहीं रहा जिसके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा हो। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ के साथ घाटा 40 प्रतिशत कम हुआ है और स्विट्जरलैंड के साथ व्यापार में सरप्लस दर्ज किया गया है। प्रशासन का तर्क है कि टैरिफ का बोझ विदेशी उत्पादक खुद उठा रहे हैं, क्योंकि प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए उन्होंने कीमतों में कटौती की है। इस नीतिगत बदलाव का असर घरेलू विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) पर भी दिखा है। एप्पल, माइक्रोन और टोयोटा जैसी दिग्गज कंपनियों ने अमेरिका में बड़े निवेश किए हैं, जिससे सप्लाई चेन फिर से देश के भीतर लौट रही है। साल 2025 में अमेरिका ने स्टील उत्पादन में जापान को पीछे छोड़ दिया और 1999 के बाद पहली बार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक बन गया है। 2026 की शुरुआत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। आर्थिक मजबूती का लाभ सीधे तौर पर अमेरिकी कामगारों को भी मिला है। आंकड़ों के अनुसार, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की वास्तविक आय में सालाना 1,400 डॉलर से ज्यादा की वृद्धि हुई है, जिसका सबसे अधिक फायदा मैन्युफैक्चरिंग और निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों को मिला है। व्हाइट हाउस ने इन परिणामों को फ्री ट्रेड के भ्रम से निकलकर वास्तविक आर्थिक संप्रभुता की ओर बढ़ने वाला कदम बताया है, जिससे अमेरिका वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से अधिक समृद्ध और सम्मानित बनकर उभरा है।

बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस में मुस्लिम समुदाय के बड़े जमावड़े पर लगाया प्रतिबंध

पेरिस,(ईएमएस)। यूरोपीय देश फ्रांस में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने मुस्लिम समुदाय के लोगों के भारी तादाद में इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने विशेष रूप से पेरिस इलाके में मुसलमानों के किसी भी बड़े जमावड़े पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। यह निर्णय फ्रांस के शीर्ष पुलिस अधिकारियों द्वारा हाल ही में देश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालातों की समीक्षा के बाद लिया गया है।
पेरिस के पुलिस प्रमुख पैट्रिस फॉरे ने इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए बताया कि माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि गृह मंत्री लॉरेंट नूनेज़ के निर्देश पर पेरिस-ले बॉर्गेट प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित होने वाली फ्रांस के मुसलमानों की वार्षिक बैठक के 40वें संस्करण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह कार्यक्रम 3 अप्रैल से 6 अप्रैल तक निर्धारित था, लेकिन अब इसे आयोजित करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन के अनुसार, वर्तमान वैश्विक स्थिति और इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ा दिया है। फ्रांस में आतंकवादी हमले का हाई अलर्ट जारी है और सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने का गंभीर खतरा बना हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ऐसे संवेदनशील समय में भारी भीड़ का जुटना जोखिम भरा हो सकता है। पेरिस में हाल ही में बैंक ऑफ अमेरिका के कार्यालयों के पास हुई एक संदिग्ध घटना के बाद से सुरक्षा और भी सख्त कर दी गई है। आने वाले दिनों में पेरिस की सड़कों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा।
फ्रांस अपनी सख्त धर्मनिरपेक्ष नीतियों (लाइसिटे) के लिए जाना जाता है, जिसके तहत स्कूलों और सरकारी दफ्तरों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब, बुर्का या नकाब जैसे धार्मिक प्रतीकों को पहनने पर पहले से ही पाबंदी है। फ्रांस में करीब 50 से 60 लाख मुस्लिम रहते हैं, जो देश की कुल आबादी का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा हैं। कार्यक्रम रद्द होने के बाद संबंधित मुस्लिम संगठन के प्रमुख मखलौफ मामेचे ने कहा है कि वे इस प्रतिबंध के आदेश के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाएंगे और न्यायालय में अपील करेंगे। फिलहाल, राजधानी पेरिस सहित पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर पैनी नजर रख रही हैं।

इजराइल ने किया ऐलान, दक्षिणी लेबनान छोड़कर भागे 6 लाख लोगों को प्रवेश नहीं देगा

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल ने ईरान के खिलाफ चल रही जंग के बीच अपने पड़ोस में ही खतरनाक प्लान पर काम शुरु किया है। इजरायल का कहना है कि वह दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर कब्जा करेगा और यहां से भागे 6 लाख लोगों को प्रवेश नहीं देगा। उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ पहले ही इजरायल सक्रिय है और दक्षिणी लेबनान पर हमले कर रहा है। इससे बचने के लिए ही ये लोग भागे हैं, लेकिन अब इजरायल इनकी वापसी किसी भी कीमत पर नहीं चाहता। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज का कहना है कि उनकी सेना इस इलाके में एक सिक्योरिटी जोन तैयार करेगी। इसके माध्यम से वह हिजबुल्लाह पर पकड़ रखेगी और पूरा लेबनान निगरानी में रहेगा।
इजरायल का कहना है कि उसकी सीमा से लेकर लितानी नदी तक के इलाके को कब्जा करेगा। इससे उसकी मंशा समझ में आती है, क्योंकि उसकी सीमा से नदी की दूरी 30 किलोमीटर है। इस तरह एक बड़ा इलाका वह कब्जा लेगा। रक्षा मंत्री काट्ज का कहना है कि यहां से भागे 6 लाख लोगों को फिर प्रवेश नहीं दिया जाएगा, जब तक कि हालात नहीं सुधारते है। इसके अलावा इजरायल की सीमा पर स्थित घरों को भी ढहाने की बात कही गई है। इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान के साथ हुई जंग के बाद से ही हिजबुल्लाह को भी टारगेट किया है। इस ईरान समर्थित उग्रवादी समूह माना जाता है।
इसके खिलाफ अभियान छेड़ते हुए इजरायल ने राजधानी बेरूत सहित दक्षिणी हिस्से पर जमकर हमले किए हैं। इन हमलों में अब तक 1250 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा 10 लाख लोगों को लेबनान से भागना पडा है। इनमें से 6 लाख उसी एरिया से हैं, जिस पर इजरायल कब्जा करना चाहता है। यह पूरा मसला तब शुरू हुआ था, जब अयातुल्लाह अली खामनेई के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह ने बदला लेने की कोशिश कर इजरायल पर हमले किए थे। फिर इजरायल ने जवाबी प्रतिक्रिया में लेबनान को टारगेट किया है। हिजबुल्लाह, हूती और हमास को ईरान के समर्थन वाले उग्रवादी समूह माना जाता है।

एपस्टीन केस से नाराज ट्रंप ने हटाया अटॉर्नी जनरल को

वाशिंगटन(ईएमएस)।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को पद से हटा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप, एपस्टीन केस की जांच मे उनके कामकाज से नाराज थे। बताया जा रहा है, पिछले कई महीनों से चल रही जांच की दिशा और फैसलों को लेकर दोनों के बीच मतभेद बढ़ गए थे।
ट्रंप ने अपने बयान में कहा, न्याय विभाग को अधिक प्रभावी और सख्त रुख अपनाने की जरूरत है। इसके बाद डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लॉन्स को अंतरिम रूप से अटॉर्नी जनरल की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। माना जा रहा है, प्रशासन अब जांच प्रक्रिया में तेजी लाने और सख्त कार्रवाई के संकेत देना चाहता है। इस फैसले के बाद अमेरिका के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है.विपक्ष ने अटॉर्नी जनरल को हटाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है.

अभिषेक पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा

कोलकाता (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आचारसंहिता उल्लंघन के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर जुर्माना लगा है। अभिषेक पर जुर्माने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। अभिषेक ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में 21 गेंदों पर तेजी से 48 रन बना दिये। इस दौरान अभिषेक ने चार चौके और इतने ही छक्के लगाये। वह ब्लेसिंग मुजरबानी की गेंद पर कैच आउट हुए और माना जा रहा है इसी को लेकर हुए विवाद में माना जा रहा है कि उनपर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए जुमाना लगा है। अभिषेक का कैच वरुण चक्रवर्ती ने पकड़ा पर ये स्पष्ट नजर नहीं आ रहा था पर तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया जिससे वह नाराज थे। उनपर मैच

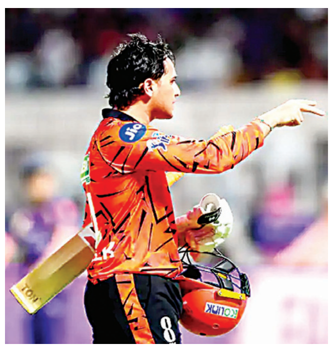

फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और एक नकारात्मक अंक भी उनके खाते में दर्ज किया गया है। अभिषेक ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध माना और मैच रेफरी द्वारा लगाई गई सज़ा को भी मान लिया। नियमों के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन पर फैसला रैफरी ही करते हैं। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 226 रन बनाये। ट्रैविस हेड 46 और अभिषेक 48 रन बनाकर आउट हुए।

आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन के दोषी पाए गए अभिषेक

अभिषेक शर्मा को IPL की आचार संहिता के आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह आर्टिकल आमतौर पर मैच के दौरान 'अनुचित व्यवहार' या खेल भावना के विपरीत कमेंट्स या इशारों से संबंधित होता है।

कैच आउट होने पर नाराजगी जताई

मैच रेफरी ने अभी तक उस घटना का खुलासा नहीं किया है, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई। हालांकि, माना जा रहा है कि अभिषेक शर्मा ने कैच आउट होने पर थर्ड अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताई थी। दरअसल, 8.4 ओवर में अभिषेक शर्मा आउट हो गए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 112 किमी/घंटा की धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर अभिषेक ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप स्क्वेयर लेग की ओर गई, जहां बाउंड्री पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती तेजी से अपने दाईं ओर भागे, नीचे झुककर शानदार डाइव लगाई और कैच पकड़ लिया। हालांकि, रिप्ले से कैच पूरी तरह स्पष्ट नहीं लग रहा था, लेकिन तीसरे अंपायर ने अलग-अलग एंगल से जांच करने के बाद अभिषेक को आउट करार दिया। फैसले से असंतुष्ट अभिषेक नाराज होकर मैदान से बाहर जाते नजर आए। अभिषेक अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हुए।

मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम

IPL के नियमों के अनुसार, लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम और बाध्यकारी होता है। इसमें खिलाड़ी के पास अपील करने का विकल्प नहीं होता। अभिषेक ने अपनी गलती मान ली है, इसलिए अब इस मामले में आगे कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी।

सस्पेंशन का भी खतरा

अभिषेक शर्मा के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ने का मतलब है कि उन्हें अब अगले मैचों में सावधान रहना होगा। IPL के नियमों के मुताबिक, यदि कोई खिलाड़ी एक निश्चित समय सीमा के भीतर 4 या उससे अधिक डिमेरिट पॉइंट जमा कर लेता है, तो उस पर एक या अधिक मैचों का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम

मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है। प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया, उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने।

पीटरसन ने की दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी की तारीफ

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बल्लेबाज समीर रिजवी की जमकर प्रशंसा की है। रिजवी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। पीटरसने पिछले साल कैपिल्स के मेंटर रहे थे। उनका कहना है कि पिछले सीजन में ही उन्होंने समीर की प्रतिभा देख ली थी। तभी से वह इस युवा बल्लेबाज के खेल से प्रभावित हैं। उन्होंने टीम प्रबंधन से अपील की है कि वह इस युवा का साथ देते रहे। जिससे उसका आगे भी इसी प्रकार खेलने

के लिए मनोबल बढ़ता रहे। पीटरसन ने कहा, उन्होंने हालात के हिसाब से बहुत ही शानदार बल्लेबाजी की और इसमें मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं हुई। मैंने पिछले सीजन में समीर के साथ काफी समय बिताया था और उन्हें बहुत करीब से देखा था। उन्होंने एक अभ्यास मैच में भी शतक बनाया था पर टूर्नामेंट के पहले चरण में उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। हालांकि जब सत्र के बाद के हिस्से में उन्हें अवसर मिला, तो उनकी क्षमताएं सभी ने देखीं। तब हर किसी ने उनकी तरफ देखा और कहा इसमें काफी संभावनाएं नजर आती हैं। उन्होंने आगे कहा, जब आप किसी युवा खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं, तो आपको यह विश्वास होना चाहिए कि वह खिलाड़ी आपके भरोसे पर खरा उतरेगा, और उसने इस मैच में ठीक वैसा ही किया है। उसने दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के कोच के उस फैसले का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर से पहले ट्रिस्टन स्टब्स को बल्लेबाजी के लिए भेजा था।

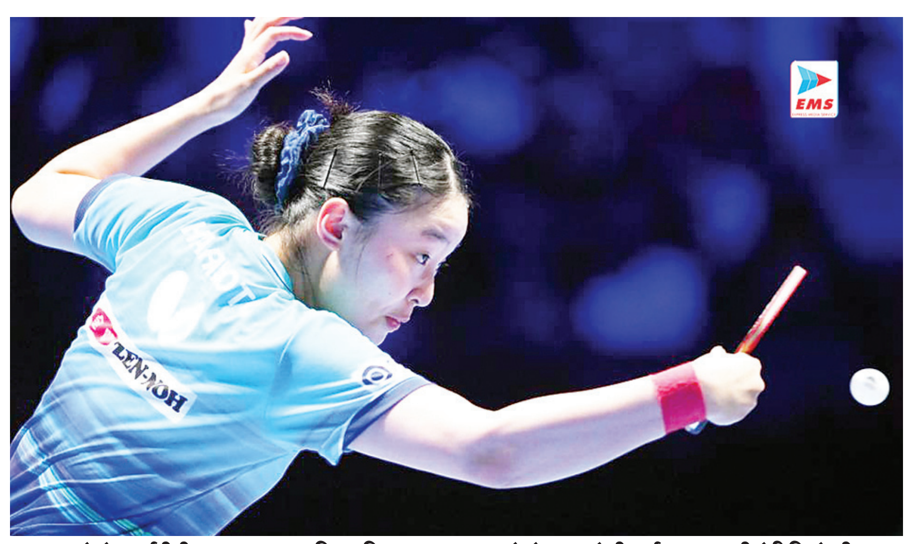

मकाओ में आईटीटीएफ पुरुष व महिला विश्वकप मुकाबले में भाग लेती हुई जापान की हेरिमिटो मीवा।

बार्सिलोना में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई बार्सिलोना और रियल मैड्रिड की टीमें।

अमेरिका की टीम से खेल रहे भारतीय मूल के मिलिंद कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की ओर से खेलने वाले मिलिंद कुमार आज अमेरिका की राष्ट्रीय टीम से खेल रहे हैं। मिलिंद कुमार ने एकदिवसीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड अपने नाम किये हैं। उन्होंने केवल 21 पारियों में 1016 रन 67.73 के शानदार औसत से बनाये हैं। वह 155 रन बनाकर पारी समाप्त (नाबाद) करने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इसके अलावा 21 पारियों में तेजी से रन बनाकर 1000 का आंकड़ा भी उन्होंने हासिल किया था पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी क्योंकि उनका मुकाबला विराट कोहली जैसे खिलाड़ी से था। विराट भी तब दिल्ली से खेलते थे। ऐसे में मिलिंद को आंखिरकर सिक्किम और त्रिपुरा से खेलने और आईपीएल में आरसीबी से खेलने के बाद भी जब

राष्ट्रीय टीम में अवसर नहीं मिला तो वह थककर विदेश चले गये। आज वह अमेरिका की जर्सी में मैदान पर उतरते हैं। इससे साफ है कि देश में कई प्रतिभाशली क्रिकेटरों को अवसर नहीं मिल पाता। इस कारण वे विदेश का रुख करते हैं। कनाडा सहित दुनिया भर की कई टीम में कई कारण कई भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा।

धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस

लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है।

साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब र्नामेंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है। प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंबधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है। उन्होंने कहा , 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि संजीव जो लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक है उनके व्यवहार से मुझे शर्म आ रही है। मैंने आईपीएल प्रशंसककों और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था। ऐसा हर साल हर बार नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल नियमों में इसका नियम भी है जिससे बीसीसीआई को लागू करना चाहिये।'

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया, इलाज के लिए विदेश जाएंगे

न्यूयार्क (ईएमएस)। विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नोमेंट में भाग नहीं लेंगे। वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है। वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है। वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं। वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं। उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

रहाणे ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद अपने आलोचकों पर जमकर निशाना साधा है। रहाणे के अनुसार उनके खिलाफ अभियान चल रहा है और एक प्रकार का भ्रम फैलाया जा रहा है। रहाणे ने ये बात तब कही जब कम स्ट्राइक रेट को लेकर बीच पत्रकार वार्ता में उनसे सवाल किया गया। केकेआर को हैदराबाद के हाथों आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी बार हार मिली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 226 रन बनाए जिसके सामने केकेआर की पूरी टीम 161 रनों पर ही सिमट गयी। रहाणे ने कहा, साल 2020 से अब तक का मेरा सबसे स्ट्राइक-रेट काफी अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, वे शायद मेरा खेल नहीं देख रहे हैं। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है, वे मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं करते। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे मुझसे जलते हैं पर मैं इससे ज्यादा परेशान नहीं हूं। साथ ही कहा कि कभी-कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको लय नहीं मिलती पर मैं एक अलग तरह की पारी खेलना चाहता हूं।

अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में

मुम्बई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी ऑरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं। अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है।

मुंबई इंडियंस से जुड़े कीवी सैंटनर और जैक्स, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उतरने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के स्टार स्पिनर मिचेल सैंटनर मुंबई इंडियंस की अपनी टीम से जुड़ गये हैं। ऐसे में अब शनिवार को आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उतर सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग मैच से पहले गुरुवार को मुंबई इंडियंस की टीम से जुड़ गए। सैंटनर के अलावा इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स भी मुम्बई से जुड़ गये हैं। मुंबई इंडियंस ने अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराया था। सेंटनर और जैक्स ने टी20 विश्वकप के बाद आईपीएल से देर से जुड़ने की अनुमति मांगी थी। वहीं टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा था कि इन दोनो ने ही निजी कारण बताये थे। इसी कारण इन दोनों खिलाड़ियों को निजी कारणों से कुछ और समय दिया।

तब जयवर्धने ने कहा था, जो खिलाड़ी देर से टीम में शामिल होंगे वे सेंटनर और जैक्स हैं। दोनों ने निजी कारणों से थोड़ा और समय मांगा था और हमें इसमें कोई परेशानी नहीं थी पर बहुत जल्द टीम में शामिल हो जाएंगे। सैंटनर ने हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप में 6.60 की इकॉनमी से दो विकेट लिए और 142.85 के स्ट्राइक रेट से 120 रन बनाए। ऐसे में उनके शामिल होने से मुम्बई का स्पिन आक्रमण मजबूत होगा। वहीं जैक्स के टीम में आने से एक गेंदबाज के साथ ही अतिरिक्त बल्लेबाज भी मिलेगा।

अभिषेक आईपीएल मे 100 छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में अपनी पारी के दौरान चार छक्के लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब अभिषेक आईपीएल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं।वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर हैं। अभिषेके के नाम अब 101 छक्के हैं जबकि वार्नर ने अब तक 143 छक्के लगाये हैं। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 48 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने हैदराबाद की से अपना 100 छक्का लगाया। ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ा। सनराइजर्स के लिए सबसे अधिक 143 छक्के ऑस्ट्रेलिया के वार्नर ने लगाये हैं। वहीं अभिषेक 101 छक्कों के साथ दूसरे जबकि दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन 89 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा न्यूजीलैड के केन विलियमसन 64 छक्कों के साथ चौथे और ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रैविस हेड 50 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

पीएसएल जांच समिति ने फखर पर लगा प्रतिबंध हटाने से इंकार किया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के बल्लेबाज फखर जमां की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। पाक सुपर लीग (पीएसएल) की तीन सदस्यीय तकनीकी समिति ने फखर पर लगाये दो मैचों के प्रतिबंध को हटाने से इंकार कर दिया है। ये प्रतिबंध गेंद से छेड़छाड़ के आरोप में लगाए गए थे। समिति ने सुनवाई के बाद सभी सबूतों की जांच के बाद मैच रेफरी रोशन महानामा द्वारा फखर पर लगाए गए प्रतिबंध को जारी रखा। फखर इस लीग में लाहौर कलंदर्स की कप्तानी कर रहे हैं। उनका मैच के दौरान गेंद का आकार बदलने के प्रयास करने के आरोप हैं। इसके लिए उनपर आचार संहिता के लेवल तीन के उल्लंघन का आरोप हैं। अब फखर मुल्तान सुल्तान और इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल पायेंगे। जमां ने अपनी अपील में कहा था किउनके खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ का कोई सबूत नहीं है , इसलिए उनपर लगाया प्रतिबंध हटाया जाये

फ्लाइट में 60% सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोकःसरकार ने 15 दिन में फैसला बदला, कई एयरलाइंस ने आपत्ति जताई थी

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60% सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60% सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था।

मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस की ओर से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें ऑपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय ने कहा कि व्यापक जांच पूरी होने तक 60% सीटें मुफ्त देने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा।

मौजूदा नियम 20% सीटों पर ही लागू होता है

मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20% सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी एयरलाइंस पंसद की सीटें चुनने पर 500 से 3000 रुपए तक एक्स्ट्रा चार्ज करती हैं।

'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं ले सकेंगी एयरलाइंस

अक्सर देखा जाता है कि टिकट बुकिंग के बाद जब यात्री वेब चेक-इन करते हैं, तो उन्हें फ्री सीट के नाम पर केवल 20% ऑप्शन ही मिलते हैं। बाकी सीटों के लिए कंपनियां 'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर भारी वसूली करती हैं। DGCA के 15 दिन पुराने आदेश में कहा था कि हर फ्लाइट में 60% सीटें ऐसी होनी चाहिए, जिन्हें यात्री बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के चुन सकें। हालांकि अभी यह लागू नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री बोले- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट

सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट बन गया है। भारतीय एयरपोर्ट अब हर दिन 5 लाख से ज्यादा यात्रियों को संभाल रहे हैं। उड़ान योजना से भारत में हवाई यात्रा अब सिर्फ अमीर लोगों का अधिकार न रहकर, सभी के लिए सुलभ बन गई है।

देश में हवाई यात्रा को और भी आसान बनाने के लिए लगातार कोशिशें जारी हैं, जैसे उड़ान यात्री कैफे, जहां किफायती खाना मिलता है, फ्लाईब्रेरी में किताबें मुफ्त पढ़ने मिलती हैं और टर्मिनल पर फ्री वाई-फाई।

क्यों लिया गया यह फैसला?

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह कदम फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) और आकासा एयर जैसे प्रमुख एयरलाइन ऑपरेटरों की आपत्तियों के बाद उठाया है. एयरलाइनों ने सरकार को बताया कि अगर 60% सीटें फ्री कर दी गईं, तो उनके राजस्व पर भारी असर पड़ेगा.

कंपनियों का तर्क है कि सीट सिलेक्शन से मिलने वाली 'अनसुलझी सेवाओं' की आय कम होने पर उन्हें विमान के मूल किराए में बढ़ोतरी करनी पड़ेगी. इससे आम यात्रियों के लिए हवाई सफर और महंगा हो जाएगा. साथ ही, कंपनियों ने इसे मौजूदा 'डीरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था' (जहाँ किराया बाजार तय करता है) के खिलाफ बताया.

आरबीआई ने एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल में 74% हिस्सेदारी की मंजूरी

विदेशी निवेश से आरबीएल बैंक विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दे दी है। यह कदम बैंक को विदेशी बैंक के रूप में संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि आरबीआई ने यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 को दी थी, और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। अक्टूबर 2025 में ईएनबीडी ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव रखा था।

मंजूरी के तहत, ईएनबीडी को बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत* बनाए रखना होगा। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, बैंक को फुल स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के नियमों के अनुसार संचालित करना होगा। आरबीआई ने कहा कि निदेशक मंडल में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त लागू नहीं होगी। बैंक को अपने आर्टिकल्स आफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेनी होगी। वेशक के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों का 26 प्रतिशत तक सीमित रखा जाएगा। 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त पर अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में शाखाओं का विलय या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। सके अलावा, इस प्रस्तावित निवेश को भारत सरकार फेमा, सेबी नियमों और अन्य लागू कानूनों के अनुपालन में पूरा करना होगा। जनवरी में, प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस निवेश के बाद, आरबीएल बैंक अब विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा और एमिरेट्स एनबीडी का बहुलांश स्वामित्व रहेगा, जो भारत में विदेशी निवेश और बैंकिंग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

केंद्र सरकार के खातों में 12,754 करोड़ का गलत वर्गीकरणः सीएजी रिपोर्ट

4,011.91 करोड़ की प्राप्तियां और 8,742.56 करोड़ का व्यय प्रभावित हुआ

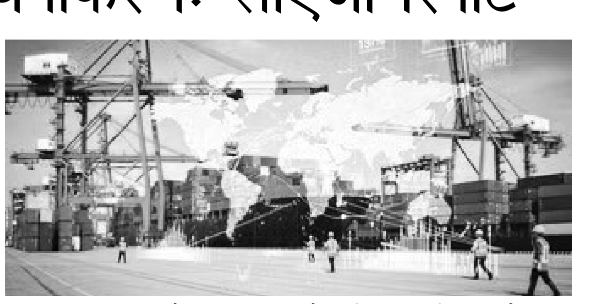

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्र सरकार के खातों पर अपनी रिपोर्ट में वित्तीय प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर किया है। रिपोर्ट में खातों के गलत वर्गीकरण, लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) और बजट प्रावधानों में कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया है। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के खातों में कुल 12,754.47 करोड़ का गलत वर्गीकरण पाया गया। इसमें 4,011.91 करोड़ रुपए की प्राप्तियां और 8,742.56 करोड़ रुपए का व्यय प्रभावित हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि कई मामलों में राजस्व और गैर-कर प्राप्तियों को 'लघु मद 800 – अन्य प्राप्तियां' के तहत दर्ज किया गया, जबकि इनके लिए अलग मद उपलब्ध थे। व्यय के मामले में भी गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। राजस्व खर्च को पूंजीगत मद में और पूंजीगत व्यय को राजस्व मद में दर्ज किया गया। इसके अलावा, सब्सिडी को भी पूंजीगत संपत्तियों के लिए अनुदान के रूप में दिखाया गया। सीएजी ने कहा कि ऐसे गलत वर्गीकरण से खातों की पारदर्शिता प्रभावित होती है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 31 मार्च 2025 तक 33,973 उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित थे, जिनकी कुल राशि 54,282.32 करोड़ रुपए थी। इनमें से बड़ी संख्या तीन वर्ष से अधिक पुरानी है, जबकि सबसे पुराना मामला 1985-86 का है। वित्तीय प्रबंधन के अन्य पहलुओं में, ब्याज भुगतान कुल राजस्व व्यय का 29.2 प्रतिशत रहा। साथ ही, प्रतिबद्ध व्यय का हिस्सा बढ़ने से विवेकाधीन खर्च की गुंजाइश कम हो गई है। बजट अनुमान और वास्तविक व्यय के बीच भी बड़ा अंतर देखा गया। सीएजी ने सिफारिश की है कि उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर जमा कराने और सही मदों में लेखांकन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तंत्र विकसित किया जाए।

ओटीपी के बिना हो सकेगा ऑनलाइन पेमेंटः बैंक-टेलीकॉम कंपनियां 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' लाएंगी

देश के बड़े प्राइवेट बैंक और टेलीकॉम कंपनियां 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' तकनीक पर काम कर रही हैं। इससे ऑनलाइन पेमेंट करने पर वन-टाइम पासवर्ड की जरूरत खत्म हो जाएगी। यह सिस्टम बैकग्राउंड में ही चेक कर लेगा कि बैंक एप में रजिस्टर्ड नंबर और फोन का सिम कार्ड मैच कर रहे हैं या नहीं। अगर सिम और नंबर मैच नहीं हुए, तो ट्रांजैक्शन तुरंत ब्लॉक हो जाएगा। खास बात यह है कि इसमें यूजर को कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। यह तकनीक ई-सिम पर भी काम करेगी। इससे सिम क्लोनिंग और ई-सिम स्वैप जैसे फ्रॉड रुकेंगे। यह जानकारी एक्सिस बैंक के डिजिटल बिजनेस हेड समीर शेट्टी ने दी। शेट्टी ने बताया, 'हम टेलीकॉम कंपनियों के साथ मिलकर साइलेंट ऑथेंटिकेशन के कई पायलट प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। अगर कोई व्यक्ति एप में लॉग-इन है, लेकिन उसका मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड नंबर से मैच नहीं करता, तो टेलीकॉम नेटवर्क हमें इसका सिग्नल दे देगा। इससे हम बिना ग्राहक को परेशान किए संभावित फ्रॉड का पता लगा सकेंगे।' PWC इंडिया के साइबर लीडर सुंदरेश्वर कृष्णमूर्ति के मुताबिक, अब तक सुरक्षा की परतें ऐसी थीं, जिन्हें आसानी से हैक किया जा सकता था।

भारत में डिजिटल पेमेंट क्रांति, यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

- मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में डिजिटल पेमेंट का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। पिछले साल मार्च 2025 में यह आंकड़ा 18.3 अरब था, जिससे सालाना आधार पर लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। फरवरी 2026 में ट्रांजैक्शन की संख्या 20.39 अरब थी, जिससे स्पष्ट है कि हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई की सफलता का मुख्य कारण इसकी सरलता और सुरक्षा है। यह आरबीआई के दो-स्तरीय सुरक्षा सिस्टम पर काम करता है, मोबाइल नंबर और यूपीआई पिन। इस डबल सुरक्षा उपाय के कारण ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहते हैं और धोखाधड़ी का खतरा न्यूनतम होता है। यही कारण है कि लोग भरोसे के साथ कैशलेस भुगतान करना पसंद कर रहे हैं। ज भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन का लगभग 85 फीसदी हिस्सा यूपीआई के जरिए किया जाता है। वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में इसका योगदान लगभग 50 फीसदी तक पहुंच गया है। यूपीआई अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में भी उपलब्ध है। विशेष रूप से फ्रांस में इसका लॉन्च यूरोप में पहला कदम माना जा रहा है। इससे विदेश में रहने वाले भारतीय आसानी से पैसे ट्रांसफर और भुगतान कर सकते हैं। यूपीआई का संचालन नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) करता है, जो आरबीआई और इंडियन बैंक एसोसिएशन की पहल से संचालित है।

टायर कंपनियों पर बढ़ती लागत का दबाव, कीमतों में तेजी संभव

मुंबई (ईएमएस)। मार्च 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक रबर की कीमतों में तेजी से टायर कंपनियों के लिए लागत बढ़ गई है। भारत की प्रमुख कंपनियां जैसे एमआरएफ, अपोलो, जेके टायर और सीएट टायर की कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। टायर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत से सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और प्रोसेसिंग ऑयल 15 -40 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्राकृतिक रबर, जो टायर लागत का लगभग 40-45 फीसदी हिस्सा है, 18,500 से बढ़कर 21,600 रुपए प्रति 100 किलो हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि इस लागत वृद्धि से कंपनियों के मार्जिन पर लगभग 4 फीसदी तक असर पड़ सकता है। इसलिए कई कंपनियां अप्रैल 2026 से 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। बाइक और स्कूटर के टायर 200-500 रुपए, कार के टायर 1,000-3,000 रुपए तक महंगे हो सकते हैं। ट्रक-बस और ट्रैक्टर टायर महंगे होने से ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत भी बढ़ सकती है।

दैनिक पंचांग

4 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.24 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.04 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	10.02 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.32 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.44 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.54 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.09 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.25 बजे से
		मकर	01.30 बजे से
		कुंभ	03.17 बजे से
		मीन	04.50 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 94 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 10.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 21.36 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 14.17 बजे को समाप्त।
करण गर 10.10 बजे तदनन्तर वणिज 23.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872669
जूलियन दिन 2461134.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7966

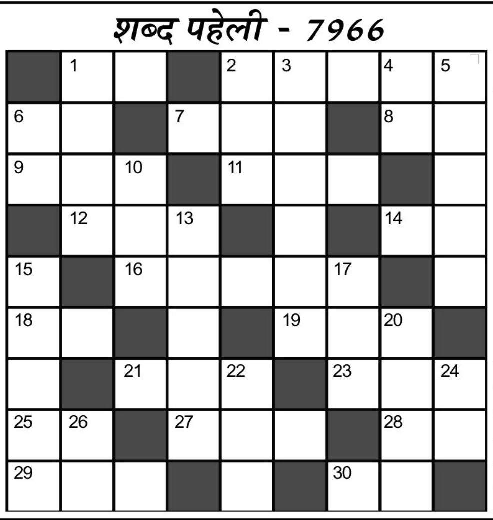

बाएँ से दाएँ
1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे
1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 7965 का हल

■	क	वि	ता	■	क	या	स	■
भ	ला	■	क	■	री	■	ही	न
र	■	म	त	ल	ब	■	■	ह
म	द	द	■	क्ष	■	फि	तू	र
■	■	भ	क्त	■	शी	त	■	■
से	हा	रा	■	यं	■	र	ज	त
ह	■	■	ज	हा	ल	त	■	मी
त	ल	■	मा	■	की	■	आ	ज
■	ब	हा	व	■	र	वा	ना	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7507

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	18	20	23	■	26	16	14	15	■
12		7		■		4		2	20
20	7		8	■	7		3		23
15		6		■		7		5	17
29	7		5		8	■	■	■	■
■	■	■	■	7		6		5	25
16	2		6		■		8		23
23		8		4	■	6		7	21
21	3		6		■		2		12
■	10	18	18	28	■	22	22	27	■

अंकजाल 7506 का हल

■	26	15	25	■	25	14	15	19	■
16	7	3	6	■	5	5	4	9	23
14	2	7	5	■	8	7	5	3	23
17	8	2	7	■	4	2	6	7	19
26	9	3	7	2	5	■	■	■	■
■	■	■	■	2	3	8	5	6	24
16	2	5	6	3	■	7	8	8	23
23	5	8	6	4	■	6	8	7	21
21	3	5	6	7	■	3	2	7	12
■	10	18	18	18	■	24	23	28	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6451

3	6		4	7	2	
	35	5	31		27	
	2			1	6	
1	33	6	32		31	2
	6		1	5	3	
4	33	3	30		35	6
7		2			1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6450 का हल

5	7	2	4	3	6	1
3	33	1	25	6	28	2
4	6	5	3	1	2	7
1	32	6	35	4	32	4
2	1	7	4	5	6	3
7	33	3	33	7	41	6
6	3	4	1	2	7	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5811

25		5		6		72	=	59
	■		■		■		■	
60		28		6		24	=	14
	■		■		■		■	
20		20		10		10	=	20
	■		■		■		■	
5		2		1		10	=	1
=	■	=	■	=	■	=	■	=
60		26		45		28	=	25 / 13

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5810

39	+	56	-	2	-	35	=	58
-	■	-	■	x	■	-	■	-
33	-	12	+	3	-	14	=	10
x	■	-	■	-	■	+	■	-
5	x	5	x	5	÷	5	=	25
-	■	+	■	x	■	-	■	+
20	÷	2	x	2	-	10	=	10
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10	+	41	-	2	-	16	=	33 / 33

शब्दजाल- 7498

शब्द जाल में 'ज' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमीदार, जमीन.

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	ड़
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	ह
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	यो
का	न	चे	न्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

शब्दजाल - 7497 का हल

मु	क	ल	व	ग	ब	ना	क	बें	ग	क
ब	वि	ल	मुं	चे	जी	ग	द	ह	ला	ड़
ई	स	ल	ल	र्म	छ	पु	आ	दि	ख	क
क	स	ज	य	पु	र	र	प	ल	ल्ली	क
क	क	दो	ग	ला	द	र	तू	ग	झ	क
दि	क	ल	प	बा	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	इ	ल	दा	सं	प	ल	श	बें	ला	ल
क	ता	म	ई	धा	ब	क	फ	ग	श	का
क	ह	चे	न्न	ई	क	स	री	लो	प	ता
अ	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	र	प	रु
क	चे	ल	प	है	द	रा	बा	द	प	क

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1942 वाशिंगटन में उत्तर अटालांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडा ने हस्ताक्षर किये.

1961 हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया.

1964 आर्क बिशप मकारियोस ने यूनान, तुर्की और साइप्रस के बीच हुई संधी को रद्द कर दिया.

1984 प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा सोयूज टी-11 यान से अंतरिक्ष में गए.

1986 इसरायल ने राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुर्त वाल्दहीम से संबंधित फाइलों को देखने की मांग की.

1994 भारतीय उपग्रह स्त्रोससी-2-का श्रीहरिकोटा में सफल परीक्षण.

2005 राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का शुभारंभ.

संक्षिप्त खबरें...

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो की हालत गंभीर

बोकारोः बोकारो के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन ली. बीजीएच गेट नंबर 2 के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और बिजली के पोल व लोहे के ग्रिल को तोड़ते हुए बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. हादसे में हरला थाना क्षेत्र के जमुनियाटांड़ निवासी अभिषेक रजवार (22 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जा रहा है कि सेक्टर 9 विस्थापित क्षेत्र से 6-7 युवक किसी काम से कार से बोकारो स्टेशन जा रहे थे. कार चला रहे रोहित की तेज रफ्तार ही हादसे की मुख्य वजह बनी. घटना के बाद सभी घायलों को तुरंत बीजीएच अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

इलाज के दौरान महिला की मौत के बाद परिजनों का हंगामा, अस्पताल ने दिया 6 लाख मुआवजा

बोकारोः बोकारो जिले के चास के तेलीडीह रोड स्थित अमृत मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में शुक्रवार को एक महिला मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई. इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया. मृत महिला पार्वती देवी (55 वर्ष) नारायणपुर पंचायत के बरडटांड़ निवासी प्रदीप शर्मा की पत्नी थी. शुक्रवार को बच्चेदानी का ऑपरेशन के दौरान उसकी मौद हो गई. परिजनों के अनुसार, ऑपरेशन से पहले डॉक्टर के निर्देश पर सभी आवश्यक जांच कराई गई थी और सभी रिपोर्ट सामान्य बताई गई थी. शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे डॉ. शुभ्रा वर्मा की देखरेख में उसका ऑपरेशन शुरू हुआ, इसी दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में मौत हो गई. मृतका के बेटे ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान शुरू में सब कुछ सामान्य बताया जा रहा था, लेकिन करीब एक घंटे बाद ऑपरेशन थिएटर में अफरा-तफरी मच गई. बेटे ने आरोप लगाया कि अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण उसकी मां की जान चली गई. हालांकि डॉक्टरों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है. सूचना मिलने पर चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी दल-बल के साथ अस्पताल पहुंचीं और मामले की जानकारी ली. पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया. अस्पताल प्रबंधन ने मृतका के परिजनों को इलाज में खर्च हुई राशि वापस करने के साथ ही 6 लाख रुपए मुआवजा भी दिया है. इसके बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए.

झारखंड में विस्थापन बड़ी समस्या- चंपाई सोरेन

बोकारोः बोकारो पहुंचे झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि झारखंड में विस्थापन बड़ी समस्या है. 60 साल बीत जाने के बाद भी विस्थापितों को अब तक समुचित न्याय, हक, और अधिकार नहीं मिला है. वर्ष 1960-62 में झारखंड में बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए थे. वे आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं. चंपाई सोरेन पिछले साल बोकारो स्टील प्लांट में विस्थापित आंदोलन के दौरान जान गंवानेवाले प्रेम महतो के शहादत दिवस के मौके पर सेक्टर 11 स्थित विस्थापितों के मंच पर पहुंचे हुए थे. उन्होंने कहा कि डेढ़ महीने के अंदर बीएसएल प्रबंधन विस्थापितों के समस्या का समाधान करे, नहीं तो जोरदार आंदोलन होगा. बीएसएल की खाली पड़ी जमीन पर हल-बैल व टैक्टर लेकर पहुंचेंगे और उक्त जमीनों जोतवाएंगे. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार से पारित विस्थापित आयोग झुनझुना है. इससे विस्थापितों को कुछ भी मिलने नहीं जा रहा है. सरकार किसी की भी हो विस्थापितों के हक-अधिकार के लिए हम लड़ते रहे हैं और लड़ते रहेंगे. चाहे टाटा की जमीन का मामला हो, या फिर रांची में नगड़ी की जमीन का हो, जबरन विस्थापन बर्दाश्त होगा. उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट लगाने के लिए 31 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण 1960-62 में किया गया था. अभी 8 हजार एकड़ का ही उपयोग किया गया है. समारोह में निरसा के माले विधायक अरूप चटर्जी, बगोदर के पूर्व विधायक विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में विस्थापित महिला-पुरुष मौजूद रहे.

श्याम मंदिर में अखंड हरिनाम संकीर्तन, श्रद्धालु भक्ति में सरोबार

बहरागोड़ाः बहरागोड़ा प्रखंड के छोटा पारुलिया स्थित श्री श्री श्याम मंदिर में 16 प्रहर व्यापी अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन से पूरा क्षेत्र भक्ति के सागर में सराबोर हो गया है. 2 अप्रैल को अधिवास के साथ शुरू हुए इस भव्य अनुष्ठान में बांकुड़ा और पश्चिम मेदिनीपुर से आईं प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियां (गिरिधारी, सुबल दास, बंकुल कृष्ण, नित्यानंद, गोराचांद और मिलन कृष्ण संप्रदाय) अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रही हैं. वहीं "हरे कृष्ण, हरे राम" के महामंत्र से गुंजायमान वातावरण के बीच इस महोत्सव का समापन 5 अप्रैल (रविवार) को भव्य दधि महोत्सव, विशेष भोग आरती और महाप्रसाद वितरण के साथ होगा. इस आध्यात्मिक चेतना और आपसी भाईचारे के प्रसार के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जहां भारी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आयोजन समिति द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं.

रांची-कोडरमा में हुई झमाझम बारिश, तेज हवा से बदला मौसम

आज झारखंड के इन 13 जिलों में मौसम विभाग का अलर्ट

रांचीः झारखंड में मौसम लगातार करवट ले रहा है. शुक्रवार को दिनभर आंशिक बादल छाए रहे और शाम होते-होते रांची और कोडरमा में तेज हवा के साथ बारिश हुई. इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन आने वाले दिनों में मौसम और बदलने वाला है.

4 से 6 अप्रैल तक येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक राज्य में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है. इस दौरान कई जिलों में मौसम खराब रहने की संभावना है.

रविवार-सोमवार को और तेज होगा असर

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार और सोमवार को भी कई इलाकों में बारिश और गरज के साथ बादल छाए रहेंगे. इस दौरान हवा की रफ्तार बढ़कर 50-60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है.

इन जिलों में बारिश और तेज हवा की चेतावनी

शनिवार को पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बारिश हो सकती है. इसके साथ ही 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और वज्रपात की भी संभावना जताई गई है.

अप्रैल में टूट सकता है गर्मी का रिकॉर्ड

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, अप्रैल में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी रहेगा. पिछले 10 वर्षों में 2016 में अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया था, जो इस बार टूट सकता है. इस महीने के पहले सप्ताह में बारिश से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन दूसरे और तीसरे सप्ताह में तापमान तेजी से बढ़ेगा और महीने के अंत तक हीट वेव की स्थिति बन सकती है.

तापमान का हाल

पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई. सबसे अधिक 5 मिमी बारिश रामगढ़ में हुई. वहीं, सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सरायकेला में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री गुमला में रिकॉर्ड किया गया.

जेल आईजी ने किया धनबाद मंडल कारा का औचक निरीक्षण

धनबादः झारखण्ड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने शुक्रवार को धनबाद के मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान आईजी ने सुरक्षा इंतजाम, कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाएं और जेल मैन्युअल की गहराई से समीक्षा की।जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से मुआयना किया।बैरकों से लेकर सुरक्षा चौकियों, मुख्य गेट और निगरानी प्रणाली तक हर पहलू की जांच करते हुए उन्होंने अधिकारियों को साफ संदेश दिया कि सुरक्षा में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने जेल में तैनात सुरक्षाकर्मियों की मुस्तैदी, सीसीटीवी सिस्टम की कार्यक्षमता, आवागमन की व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों का भी आकलन किया।साथ ही कैदियों को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं जैसे भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवा और साफ-सफाई की स्थिति की भी जानकारी ली।

जेल का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में आईजी ने कहा कि जेल की सुरक्षा बेहद संवेदनशील जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही गंभीर परिणाम दे सकती है।उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं जेल मैन्युअल के अनुरूप संचालित हों और कैदियों के अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाए।

उन्होंने मुलाकात व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि कैदियों से मिलने आने वाले परिजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए भी जेल प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।साथ ही निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की साफ-सफाई, किचन और भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई।आईजी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जेल परिसर में स्वच्छता बनाए रखते हुए कैदियों को निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। अंत में आईजी सुदर्शन मंडल ने अधिकारियों को सभी निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि नियमित निगरानी और अनुशासन के जरिए ही जेल की व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। इस औचक निरीक्षण को जेल प्रशासन के लिए एक सख्त निर्देश के रूप में देखा जा रहा है।

पलामू में अपराधियों व पुलिस में मुठभेड़, फैज खान को लगी गोली

पलामू : जिला के मेदिनीनगर में कल रात हुई वारदात के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है. जानकारी के अनुसार, इस मुठभेड़ में फैज खान के पैर में गोली लगी है. घटना पांकी-तरहसी बॉर्डर के पास की बताई जा रही है. हालांकि, पुलिस की ओर से अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात पलामू के प्राइवेट बस स्टैंड के पास शताब्दी मार्केट में गुड्डु खलीफा उर्फ समीर खलीफा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इसी मामले में कुख्यात अपराधी फैज खान और उसके साथियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई थी. उसके बाद से ही पुलिस लगातार फैज खान की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी. वहीं इस मामले में तरहसी थाना क्षेत्र में एक अन्य आरोपी के भागने का सीसीटीवी फुटेज आया सामने आया है. इस अभियुक्त की जानकारी देने वाले को पुलिस ने 10000 रूपये इनाम देने की घोषणा की है.

विष्णुगढ़ कांड बीजेपी नेता का नाम आने पर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता रांचीः हजारीबाग के विष्णुगढ़ में 12 वर्षीय बच्ची की दुष्कर्म और हत्या के मामले में युवा कांग्रेस ने रांची में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कार्यालय से जुलूस निकालकर अल्बर्ट एक्का चौक पर पहुंचे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव सिंह ने कहा कि बीजेपी के नेता अपने कार्यकर्ताओं को पहचानने से भी इंकार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झारखंड सरकार को बदनाम करने का काम कर रहे थे।

हजारीबाग कांड को लेकर झामुमो का भाजपा पर हमला, पुलिस की सराहना

धनबादः हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कुसुंबा गांव में बच्ची की हत्या की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है. इस घटना को लेकर जहां आम लोगों में आक्रोश है, वहीं राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है. धनबाद जिला झामुमो ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने घटना को मानवता को शर्मसार करने वाला बताते हुए कहा कि भाजपा ने इस संवेदनशील मामले को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है.

मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय झारखंड का जमशेदपुर आगमन, जिला प्रशासन द्वारा स्वागत एवं गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया

जमशेदपुर । टाटा नगर में न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय झारखंड का जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पुस्तक भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से मुख्य न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। वहीं मुख्य न्यायाधीश के स्वागत में स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने कलाकारों से संवाद करते हुए झारखंड की समृध लोक संस्कृति में रुचि दिखाई तथा पारंपरिक वाद्ययंत्र नगाड़ा एवं मांदर बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय , जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय , डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक नगर कुमार शिवशीष, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री ऋषभ गर्ग सहित अन्य कई न्यायायिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को मिला सीपीआर का प्रशिक्षण, दुर्घटनाओं में बचेंगी जानें

संवाददाता रांचीः सड़क सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाने की दिशा में रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एवं बेसिक लाइफ सेविंग तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रांची क्रिटिकल केयर यूनिट के चेयरमैन डॉ. दिनेश अग्रवाल एवं सेक्रेटरी डॉ. मनोज कुमार ने सीपीआर की सही तकनीक, सांस रुकने या हृदय गति रुकने की स्थिति में प्राथमिक उपचार तथा घायल व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से संभालने के व्यावहारिक तरीके की जानकारी दी। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से पुलिसकर्मियों को अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने कई सवाल भी पूछे, जिसे विशेषज्ञों ने उन्हें कई अहम जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान शहर के ट्रैफिक प्रबंधन, दुर्घटना रोकथाम और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रशिक्षण सत्र के बाद सभी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को प्रमाण पत्र भी दिया गया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। सड़क पर आपातकालीन स्थिति में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एवं बेसिक लाइफ सेविंग तकनीकों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर ही पीड़ित को प्राथमिक उपचार देकर उसकी जान बचाई जा सके।

गिरिडीह में किशोरी का यौन शोषण, गर्भवती होने के बाद खुला राज, आरोपी की तलाश

गिरिडीहः गिरिडीह जिले के गावां थाना क्षेत्र में एक 13 वर्षीय किशोरी का लंबे समय तक यौन शोषण किए जाने का मामला सामने आया है. घटना का खुलासा तब हुआ, जब किशोरी की शारीरिक स्थिति में बदलाव देख परिजनों को शक हुआ. परिजनों ने गांव के ही एक वयस्क व्यक्ति नकुल पर किशोरी को डरा-धमकाकर इसके साथ कई बार गलत हरकत करने का आरोप लगाया है. पीड़िता ने बताया कि उसे लगातार जान से मारने की धमकी दी जाती थी, जिसके कारण वह चुप रही. बताया जा रहा है कि 2 अप्रैल को जब पीड़िता के पेट में सूजन नजर आया, तब परिवार को संदेह हुआ. पूछताछ में उसने पूरे मामले का खुलासा किया. जानकारी के अनुसार, वह गर्भवती है.

शक होने पर माता-पिता ने बेटी से पूछताछ की तो उसने पूरी कहानी बताई. उसने यह भी बताया कि उसे जान से मारने की धमकी देकर नकुल उसके साथ जबर्दस्ती करता रहा. थाने में दिए आवेदन में पीड़िता के पिता ने बताया है कि उसकी बेटी के पेट में चार माह का गर्भ है. बताया जा रहा है कि घटना सार्वजनिक होने के बाद इस मामले को लोकल स्तर पर ही पंचायत करके सलटने का प्रयास चल रहा था.

देवघरः बाबा मंदिर में गश खाकर गिर गए श्रद्धालु, अस्पताल में मौत...केरल से आये थे श्रद्धालु

देवघरः झारखण्ड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में शुक्रवार अहले सुबह एक दुखद घटना सामने आई।केरल से आए 70 वर्षीय श्रद्धालु ई एस नारायणन की अचानक तबीयत बिगड़ गयी और वे मंदिर परिसर में ही गिर पड़े। इस घटना के बाद वहां मौजूद श्रद्धालुओं और पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गयी। पुलिस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान ई एस नारायणन, पिता इ एन सुब्रमण्यन के रूप में हुई है। वह केरल के पलक्कड़ जिले के इलापुली-1 साउथ के निवासी थे। बताया जा रहा है कि वे अपने साथियों के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे थे। परिजनों के अनुसार, नारायणन अपने तीन साथियों के साथ बाबा मंदिर में जलार्पण कर चुके थे। इसके बाद वे माता पार्वती मंदिर में पूजा करने गए। वहीं अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश होकर गिर पड़े।

घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें मंदिर स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया।

सदर अस्पताल पहुंचने पर ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह मामला हार्ट अटैक या अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से जुड़ा हो सकता है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

इस घटना ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि तीर्थस्थलों पर भारी भीड़ और लंबी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासकर बुजुर्गों को नियमित जांच और सावधानी बरतने की जरूरत होती है। फिलहाल पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है और परिजनों को सूचना दे दी गयी है। घटना के बाद मंदिर परिसर में शोक का माहौल है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।